@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 27 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 202 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

क्वाड की राय, 'आतंकवाद से निपटने के लिए निर्णायक और निरंतर अंतरराष्ट्रीय प्रयास जरूरी'

क्वाड देशों ने आंतकवाद के हर रूप और तरीके की निंदा की।

एजेंसी
नई दिल्ली । क्वाड देशों ने आंतकवाद के हर रूप और तरीके की निंदा की। मंगलवार को भारत की राष्ट्रीय राजधानी में संपन्न हुई बैठक में अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से भी निर्णायक और निरंतर प्रयास करने की अपील की गई। मंगलवार को नई दिल्ली में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि क्वाड दक्षिण-पूर्व एशिया और आस-पास के इलाकों में ऑनलाइन स्कैम सेंटर के बढ़ने को लेकर चिंतित है। ये एक देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि दूसरे देशों तक भी इनका प्रसार हो गया है। इन अपराधों में मानव तस्करी, ड्रग्स तस्करी, सेक्सुअल

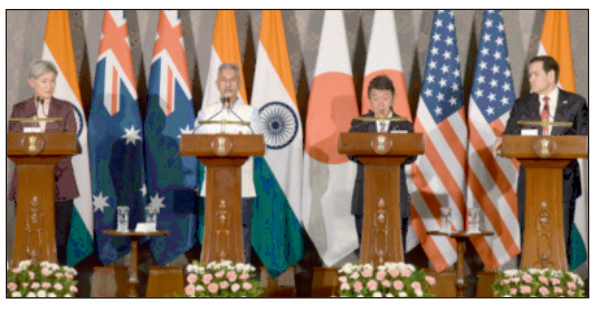

एक्सटॉर्शन, गैर-कानूनी फाइनेंसिंग और साइबर क्राइम के मामले भी शामिल हैं। संयुक्त बयान में इन अपराधों का सामना करने के लिए सम्मिलित प्रयास और नियमों में सहयोग पर जोर दिया गया। इसका मकसद साझेदार देशों की क्षमता को बढ़ाने का है ताकि वे ऑनलाइन ठगी (स्कैम) सेंटरों और उनसे जुड़े अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों से बेहतर तरीके से निपट सकें और उन्हें

● 'अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर आतंकवाद से निपटने की क्षमता को मजबूत करेंगे'

रोक सकें। क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने कहा, 'वे विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं। भारत में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम और ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच में 14 दिसंबर 2025 को हुए आतंकी हमलों की भी निंदा की। हम अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को और निरंतर और निर्णायक बनाने का आह्वान करते हैं।' क्वाड देशों ने कहा कि आतंकवाद से लड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सख्त और निरंतर कार्रवाई जरूरी है, जिसमें वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित आतंकियों, उनके संगठनों, समर्थकों और फंडिंग नेटवर्क के खिलाफ कदम शामिल हों।

असम में अगले पांच वर्षों में दो लाख युवाओं को मिलेगा रोजगारः सीएम हिमंता सरमा

● असम में गरीबी दर में भी काफी कमी आई है : मुख्यमंत्री

एजेंसी
गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को विधानसभा में अपनी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य ने बड़े आर्थिक विकास, गरीबी में कमी और रोजगार के अवसरों में विस्तार देखा है। सदन में एक चर्चा के दौरान सरमा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में असम का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.71 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है, जो उनके अनुसार राज्य में तेजी से हो रही आर्थिक प्रगति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि इसी दौरान असम में गरीबी दर में भी काफी कमी आई है। सरमा ने कहा कि पिछले पांच सालों में असम में गरीबी का स्तर नीचे आया है और अगले कुछ सालों में यह लगभग दो से तीन प्रतिशत और कम हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकास

पहलों ने लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही राज्य के युवाओं के लिए दो लाख और नौकरियां देगी। उन्होंने विधानसभा में कहा कि इस बार फिर, अगले पांच सालों में दो लाख युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र और रोजगार के अन्य क्षेत्रों में भर्ती के प्रति भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सरमा ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के शासनकाल के दौरान असम के बजट में कभी भी कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में असम के बजट में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई थी। मुख्यमंत्री ने आगे दावा किया कि पिछली सरकार के दौरान राज्य के सरकारी कर्मचारियों को उनका मासिक वेतन समय पर नहीं मिलता था।

केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने पीएम मोदी से की मुलाकात

● कई मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी
नई दिल्ली । केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन दिल्ली दौरे पर हैं। अपने इस कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। नए मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद हुई पीएम मोदी से सतीशन की यह मुलाकात राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और केरल से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मैंने प्रधानमंत्री से

केरल के भविष्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से हर संभव सहायता और समर्थन का अनुरोध किया।' प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा, 'केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

राजस्थान सीमा पर पहुंचे अमित शाह, जवानों से किया संवाद, सांचू पोस्ट से देखा पाकिस्तानी इलाका

● अमित शाह ने सीमा चौकियों पर नवनिर्मित 14 महिला बैरकों का ई-लोकार्पण भी किया।

इस दौरान उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे।

एजेंसी
बीकानेर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की ऐतिहासिक सांचू पोस्ट का दौरा कर जवानों का उत्साहवर्धन किया। भीषण गर्मी और 42 डिग्री तापमान के बीच शाह ने सीमा चौकी पर

तैनात जवानों से मुलाकात कर उनकी कार्यशैली, चुनौतियों और सीमा पर गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने सीमा पर तैनात जवानों के साहस और देश की सुरक्षा में उनके योगदान की सराहना की तथा जवानों के साथ जलपान कर संवाद भी किया। गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हेलीकॉप्टर से सांचू पोस्ट पहुंचे। यह पोस्ट भारत-पाक सीमा की सबसे ऐतिहासिक चौकियों में गिनी जाती है और दो बड़ी जंगों की गवाह रही है। अमित शाह देश ने इस पोस्ट पर जाकर जवानों से सीधे मुलाकात की। उन्होंने यहां से दूरबीन के जरिए पाकिस्तानी सीमा और जीरो पॉइंट क्षेत्र का भी अवलोकन किया। करीब डेढ़ घंटे तक सीमा चौकी पर रुककर उन्होंने जवानों से बॉर्डर एक्टिविटी, सुरक्षा व्यवस्था और आधुनिक चुनौतियों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने सीमा चौकियों पर नवनिर्मित 14 महिला बैरकों का ई-लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल सहित बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सीमा चौकी पहुंचने से पहले अमित शाह ने सांचू माता मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने प्रहरी शस्त्र गैलरी का अवलोकन किया और सीमा सुरक्षा में उपयोग हो रही आधुनिक ड्रोन तकनीक की कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर 18 जून को चुनाव

नीतीश कुमार वाली सीट पर होगा उपचुनाव

एजेंसी
पटना। बिहार विधान परिषद की खाली हो रही 10 सीटों के लिए 18 जून को चुनाव कराया जाएगा। केंद्रीय चुनाव आयोग ने मंगलवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद खाली हुई सीट भी शामिल है, जिस पर उपचुनाव कराया जाएगा। यह सीट विधानसभा कोटे से विधान परिषद के लिए भरी जाएगी और निर्वाचित सदस्य का कार्यकाल 6 मई 2030 तक रहेगा।

इसके अलावा बिहार विधान परिषद के नौ सदस्यों का कार्यकाल 28 जून को समाप्त हो रहा है। जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है उनमें डॉ. कुमुद वर्मा, प्रो. गुलाम गौस, मोहम्मद फारूक, भीष्म सहनी, भगवान सिंह कुशवाहा, संजय प्रकाश, समीर कुमार सिंह, सम्राट

चौधरी और सुनील कुमार सिंह शामिल हैं। हालांकि इनमें से सम्राट चौधरी और भगवान सिंह कुशवाहा की सीट पहले से खाली हैं, क्योंकि दोनों विधानसभा चुनाव में विधायक बन चुके हैं। चुनाव आयोग ने नीतीश कुमार की रिक्त सीट पर होने वाले उपचुनाव और अन्य नौ सीटों के नियमित चुनाव के लिए अलग-अलग अधिसूचना जारी की है। आयोग के अनुसार, बिहार के साथ-साथ कर्नाटक विधान परिषद की कुछ सीटों के लिए भी चुनाव कराए जाएंगे।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 1 जून को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीदवार 8 जून तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 9 जून को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी, जबकि 11 जून नाम वापस लेने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। यदि आवश्यक हुआ तो 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। इसके बाद उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी और परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

गडकरी ने पंजाब में 4,335 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की

● गुणवत्ता निगरानी को लेकर दिए निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब में 4,335 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव प्रगति की समीक्षा की।

यहां मंगलवार को हुई समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, हर्ष मल्होत्रा, एनएचएआई और सड़क परिवहन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा परियोजना ठेकेदार मौजूद रहे। बैठक के दौरान गडकरी ने जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन में तेजी लाने, गुणवत्ता निगरानी को मज़बूत करने और आधुनिक निर्माण पद्धतियों

को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे परिसंपत्तियों की आयु बढ़ेगी, सवारी की गुणवत्ता सुधरेगी और प्रमुख कॉरिडोरों पर निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को अग्रिम मानसून तैयारी करने के निर्देश दिए। इसमें प्रभावी जल निकासी प्रबंधन, ढलान सुरक्षा उपाय और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र शामिल हैं ताकि व्यवधान कम हों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मालदा में सड़क अवरोध और न्यायिक अधिकारियों की हिरासत मामले में 15 आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में पिछले महीने यातायात बाधित करने और न्यायिक अधिकारियों की अवैध हिरासत के मामलों में 15 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें 12 आरोपित एक महिला न्यायिक अधिकारी को लगभग आठ घंटे तक सड़क पर रोक कर रखने में शामिल थे, जबकि तीन अन्य ने मोथाबाड़ी ब्लॉक के बागमारा पुल पर सड़क

जाम किया था। एनआईए ने यह कार्रवाई चुनाव आयोग के निर्देश पर की, जब सर्वोच्च न्यायालय ने इन घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया था। एजेंसी ने मालदा जिले में विशेष अभियान चलाकर सभी आरोपितों को पकड़ा। जांच में सामने आया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान न्यायिक अधिकारियों को निशाना बनाया गया। प्रदर्शनकारियों ने पहले हैबतौला-अमलितौला मार्ग पर महिला न्यायिक अधिकारी को घंटों तक बंधक बनाए रखा। इसके बाद बागमारा पुल पर सड़क अवरोध कर यातायात बाधित किया गया। इन घटनाओं को चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने और न्यायिक अधिकारियों को डराने की सुनियोजित कोशिश माना जा रहा है। गिरफ्तार मुख्य आरोपितों में जोशिम शेख, असमाउल शेख, आलमगीर शेख, नुरुल इस्लाम और हबीबुर रहमान शामिल हैं। एनआईए ने बताया कि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। एजेंसी इन घटनाओं के पीछे की साजिश तथा न्यायिक अधिकारियों की हिरासत के मकसद को उजागर करने की कोशिश कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क फिर सक्रिय करने की कोशिश

अल-बद्र-हिजबुल गठजोड़ पर खुफिया एजेंसी अलर्ट

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया है। एजेंसियों के मुताबिक, लंबे समय से कमजोर पड़ चुका अल-बद्र अब एक बार फिर घाटी में सक्रिय होने की कोशिश कर रहा है और इसके लिए वह हिजबुल मुजाहिदीन के साथ मिलकर संयुक्त वापसी की रणनीति पर काम कर रहा है।

इस संगठन को कमजोर समझना बड़ी भूल

सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान में अल-बद्र के शीर्ष कमांडर हमजा बुरहान की हालिया मौत संगठन के लिए बड़ा झटका थी। इसके बावजूद भारतीय एजेंसियों का मानना है कि इस संगठन को कमजोर समझना बड़ी भूल हो सकती है। हालिया इंटरसेप्ट्स से संकेत मिले हैं कि अल-बद्र और हिजबुल मुजाहिदीन

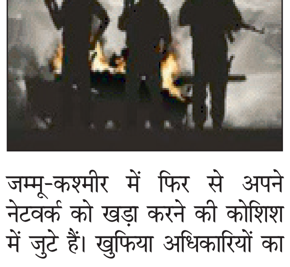

जम्मू-कश्मीर में फिर से अपने नेटवर्क को खड़ा करने की कोशिश में जुटे हैं। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए इन दोनों संगठनों का साथ आना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है, क्योंकि दोनों को घरेलू आतंकी संगठनों के तौर पर पेश किया जा सकता है। इन संगठनों में बड़ी संख्या उन लोगों की है जो वर्षों पहले पढ़ाई के बहाने पाकिस्तान गए थे, लेकिन वहां उन्हें प्रशिक्षण देकर घाटी में आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया गया।

संगठनों की स्थिति को लेकर अधिकारी ने क्या बताया?

एक अधिकारी ने बताया कि अल-बद्र अकेले काम करने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि उसके पास न तो पर्याप्त कैडर हैं और न ही पहले जैसी पकड़। लेकिन हिजबुल मुजाहिदीन के साथ आने से उसे घाटी में फिर से पैर जमाने का मौका मिल सकता है। दोनों संगठन अब जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के असंतुष्ट आतंकियों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

विष्णु देव साय बोले-

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी और जनकेंद्रित नेतृत्व में देश ने नए युग में प्रवेश किया

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण

एजेंसी
रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'प्रधान सेवक' के रूप में राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई और अभिनंदन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी, निर्णायक और जनकेंद्रित नेतृत्व में देश ने सेवा, सुरक्षा, आत्मविश्वास और विकास के नए युग में प्रवेश किया है। मुख्यमंत्री साय ने आज मंगलवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने शासन की सोच और कार्यशैली को बदलते हुए सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखा तथा यह सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा, वंचित और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का जो संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया, वह

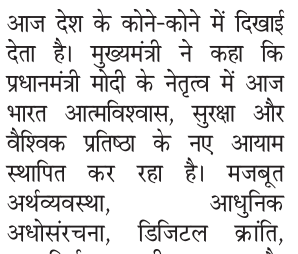

आज देश के कोने-कोने में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मविश्वास, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक अधोसंरचना, डिजिटल क्रांति, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समावेशन की दिशा में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विकसित भारत/2047 का संकल्प आज जनभागीदारी और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

पन्ना में निर्माणाधीन कुआं धंसा, 5 मजदूरों की मौत

एजेंसी
पन्ना । मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक कुएं का निर्माण चल रहा था। कई मजदूर काम में लगे थे। तभी अचानक निर्माणाधीन कुएं का हिस्सा धंस गया। इस हादसे में काम कर रहे मजदूर मिट्टी के मलबे के नीचे दब गए। जिसमें पांच मजदूरों की मौत हुई है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, पन्ना जिले के अजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिहारपुरवा में एक कुएं के निर्माण का काम चल रहा था। अचानक यहां निर्माणाधीन कुएं का बड़ा हिस्सा धंसा गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि सभी मजदूर एक ही यादव परिवार के सदस्य हैं और लंबे समय से कुआं खोदने का काम कर रहे थे। काम के दौरान अचानक कुएं की मिट्टी भरभराकर गिर गई, जिससे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। रेस्क्यू टीम द्वारा अब तक दो मजदूरों के शव बाहर निकाल लिए गए हैं, जबकि अन्य मजदूरों को निकालने के लिए राहत कार्य लगातार जारी है। बताया गया है कि यह निजी

कुआं है जिसका निर्माण कराया जा रहा था। इस काम में गाव के ही लोग लगे हुए थे। इसी दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया और कुएं के अंदर मौजूद लोग उसकी चपेट में आ गए। पूरे इलाके में चीख-पुकार की आवाजें गूंजने लगीं। लोग राहत बचाव के काम में लग गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गया। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया।

ट्रेलर में घुसी इनोवा, कैंची धाम जा रहे 4 श्रद्धालुओं की मौत, 3 गंभीर

-बाराबंकी में सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार इनोवा कार आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। इस भीषण टक्कर में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के भिखरा गांव के पास देर रात करीब दो बजे हुआ। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग भीतर ही बुरी तरह फंस गए। आधी रात को हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिसे सुनकर दौड़े राहगीरों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी सात लोग उत्तराखंड स्थित प्रसिद्ध बाबा नीम करौली के कैंची धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार हैदरगढ़ क्षेत्र में पहुंची, सुल्तानपुर से लखनऊ की ओर जा रहे एक ट्रेलर से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद कार को काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ पहुंचाया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ के केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। हादसे की खबर जैसे ही मृतकों के परिजनों को मिली, उनके घरों में कोहराम मच गया। इस सड़क हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की पहचान राहुल कुमार (पुत्र संजय कुमार, निवासी मुगलसराय, जनपद चंदौली), राहुल सिंह (पुत्र अजय प्रताप, निवासी गैबीपुर, जनपद गाजीपुर), सत्यम सिंह (पुत्र स्वर्गीय तेज प्रताप सिंह, निवासी रामपुर रसड़ा, जनपद बलिया) और सूरज मिश्रा (निवासी निकसपुर, थाना सुल्तानपुर) के रूप में हुई है। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों में पंकज (पुत्र रमेश सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर), प्रशांत (पुत्र अवध बिहारी, निवासी बेला, जनपद बलिया) और चंदन सिंह (पुत्र दशरथ सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर) शामिल हैं, जिनका लखनऊ में इलाज चल रहा है। पुलिस ने चारों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और रात के समय चालक को झपकी आने को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, फिलहाल पुलिस मामले की सघन जांच में जुटी है।

बेटे की शादी में 3500 ग्रामीणों को दिया दुर्घटना बीमा का तोहफा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादरपुरा गांव में एक शादी सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल बनी है। जहां आमतौर पर शादी समारोहों में लाखों रुपये भव्य सजावट और आतिशबाजी पर खर्च होते हैं, वहीं पेठकर परिवार ने अपने बेटे सिद्धेश्वर पेठकर के विवाह को यादगार बनाकर समाज सेवा से जोड़ दिया। उन्होंने पूरे गांव के करीब 3500 लोगों का दुर्घटना बीमा कराकर एक ऐसी पहल की है, जिसकी हर ओर चर्चा हो रही है। पेठकर परिवार का मानना है कि विवाह केवल व्यक्तिगत खुशी का मौका नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी होना चाहिए। इसी सोच के साथ, सिद्धेश्वर और मंजुषा के विवाह समारोह के अवसर पर, परिवार ने गांव के लोगों को भविष्य में किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया। इस कदम का उद्देश्य आकस्मिक परिस्थितियों में परिवारों को आर्थिक संकट से बचाना है। जैसे ही पहल की जानकारी गांव में सामने आई, ग्रामीणों में खुशी और गर्व का माहौल छा गया। गांव के बुजुर्गों और अन्य लोगों ने कदम की जमकर प्रशंसा की। उनका कहना है कि उन्होंने पहली बार किसी शादी में ऐसा प्रेरणादायक सामाजिक संदेश देखा है, और यह आने वाले समय में अन्य परिवारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। पेठकर परिवार के इस अनूठे कार्य की इलाके में व्यापक चर्चा हो रही है। सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी पहल की सराहना कर कहा है कि यदि समाज के सक्षम लोग अपने निजी आयोजनों को सामाजिक हित से जोड़ें, तब कई जरूरतमंदों की मदद की जा सकती है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं। बहादरपुरा गांव में अब यह शादी केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन गई है, जिसने खुशियों के अवसर पर समाज के बारे में सोचने की एक नई शुरुआत की है।

आज दिल्ली आ रहे सीएम विजय, पीएम मोदी से होनी हैं मुलाकात

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय बुधवार को पदभार संभालने के बाद अपनी पहली दिल्ली यात्रा पर आ रहे हैं। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय बुधवार सुबह चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना होने वाले है। राज्य के गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण यात्रा की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विजय की बातचीत के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जो दोनों नेताओं के बीच पहली औपचारिक मुलाकात होगी। मुख्यमंत्री विजय के दौरे के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया और राहुल गांधी से भी मिलने की संभावना है। अपनी दिल्ली यात्रा के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, विजय जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में तमिलनाडु सरकार द्वारा स्थापित तमिल कवि-संत तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का उद्घाटन भी करने वाले है। यह दौरा विजय के तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में 10 मई को शपथ लेने के कुछ ही सप्ताह बाद हो रहा है। उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके), ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की थी, जिसने राज्य की राजनीति में दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के वर्चस्व को समाप्त कर दिया।

राम मंदिर में 'पास' की अनिवार्यता खत्म, पूरे परिसर का दर्शन अब होगा संभव

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर परिसर के भीतर स्थित सभी प्रमुख और पूरक मंदिरों में दर्शन करने के लिए 'पास' की अनिवार्य बाध्यता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। अब श्रद्धालु अपनी इच्छानुसार न केवल रामलला दर्शन कर सकेंगे बल्कि राम दरबार परकोटे के छह देवी देवताओं के मंदिरों और सप्त ऋषियों-मुनियों के मंदिरों में भी बिना किसी रोक-टोक के सुगमता से दर्शन-पूजन कर पाएंगे। हालांकि ट्रस्ट ने साफ किया है कि यह खुली छूट और व्यवस्था अधिक दिनों तक स्थायी नहीं रहने वाली है। जैसे ही राम मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों की दैनिक संख्या एक लाख से अधिक होने लगेगी, वैसे ही ट्रस्ट अपनी पुरानी पास व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से दोबारा कड़ाई से लागू कर देगा।

यूसीसी पर ओवैसी का पलटवार: मुसलमानों पर थोपा जा रहा हिंदू कानून

– नितिन गडकरी ने पेश की स्वदेशी तकनीक

हैदराबाद (एजेंसी)। असम विधानसभा में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार द्वारा यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) विधेयक पेश होने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यूसीसी कानून को मुसलमानों पर बैकडोर से हिंदू कानून थोपने का प्रयास बताया। असम, गुजरात, गोवा और उत्तराखंड के बाद चौथा भाजपा शासित राज्य बन गया है, जहां समान नागरिक संहिता अपनाने की प्रक्रिया शुरू की है।

एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने आरोप लगाया कि यह विधेयक मुस्लिम पर्सनल कानूनों पर सीधा हमला और उनके संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण करता है। उन्होंने लिखा कि उत्तराधिकार, विरासत और तलाक जैसे महत्वपूर्ण मामलों में हिंदू सिद्धांतों को जबरन थोपा जा रहा है, जिसका उद्देश्य सिर्फ हिंदू संस्कृति को संरक्षित करना है, जबकि मुसलमानों को इन कथित समान कानूनों को मानने के लिए मजबूर किया।

हैदराबाद के सांसद ने असम के यूसीसी को असमान बताकर इसकी आलोचना की, क्योंकि इसमें आदिवासी समुदाय को इसके दायरे से पूरी तरह बाहर किया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि जब संविधान का अनुच्छेद 29 सभी समुदायों को अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार देता है, तब केवल आदिवासियों की स्वायत्तता ही क्यों बचाया जा रहा है? ओवैसी के अनुसार, यह ऐसा कानून थोपने की कोशिश है जिसकी किसी को जरूरत नहीं, और संविधान सभा ने भी यूसीसी की अनिवार्यता को जरूरी नहीं समझा था। उन्होंने इस्लाम में विरासत के सिद्धांतों (कोई वारिस वंचित नहीं हो सकता, बेटियों को उचित हिस्सा मिलना) का जिक्र कर कहा कि यह यूसीसी बेटियों को वसीयत के जरिए उनके वाजिब हक से वंचित करने की इजाजत देता है, और इसका लैंगिक न्याय से कोई संबंध नहीं है।

असम सरकार के विधेयक के कानून बनने पर, बहुविवाह और दो विवाह सभी धर्मों के लिए गैर-कानूनी हो जाएंगे। इसमें महिलाओं को विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप के मामलों में समान अधिकार और कानूनी सुरक्षा मिलेगी। यह राज्य में विभिन्न धर्मों के व्यक्तिगत कानूनों की जगह लेगा, हालांकि अनुसूचित जनजातियों को इससे छूट दी गई है। विधेयक लड़कों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 21 और लड़कियों के लिए 18 साल निर्धारित करता है। सभी शादियों और तलाक का 60 दिनों के भीतर पंजीकरण अनिवार्य होगा।

इसके पहले असम विधानसभा में महत्वपूर्ण बहस के बीच, मुख्यमंत्री सरमा ने प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का जोरदार बचाव किया। उन्होंने यूसीसी को अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को अधिकतम सुरक्षा और न्याय देने वाला प्रगतिशील कदम बताया, विपक्ष पर मुद्दे पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दे रही है, और यह विधेयक धार्मिक अल्पसंख्यक महिलाओं के विवाह, उत्तराधिकार और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अधिकारों को मजबूत करेगा। इस विधेयक को सोमवार को संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री की ओर से पेश किया था और इस पर 27 मई को चर्चा तथा पारित होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री सरमा ने राज्य की आर्थिक प्रगति पर भी प्रकाश डाला, यह घोषणा करते हुए कि असम 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने बताया कि राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2021-22 में 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में अनुमानित 8.72 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 13 से 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। इस अभूतपूर्व गति के साथ, असम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विजन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वित्त मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि असम को 2014 से 2026 तक कर हस्तांतरण और केंद्रीय अनुदान के रूप में 5.61 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, टिकाऊ अवसंरचना के विकास के लिए पूंजीगत व्यय हेतु 17,000 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज-मुक्त ऋण भी प्रदान किया गया है।

इबोला वायरस को लेकर भारत अलर्ट, अफ्रीकी देशों की यात्रा से बचने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में एक बार फिर इबोला वायरस का खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। अफ्रीका के कई देशों में तेजी से फैल रहे संक्रमण को देखते हुए भारत सरकार ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों को कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह जारी की है। इन देशों में इबोला संक्रमण के सैकड़ों मामले सामने आने और बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां चिंतित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति को गंभीर बताया गया है। जानकारी के अनुसार कांगो में इबोला का प्रकोप सबसे ज्यादा बढ़ा है। वहां बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। कांगो सरकार के अनुसार देश के पूर्वी हिस्से में संदिग्ध मामलों की संख्या 900 से अधिक पहुंच चुकी है, जबकि 100 से ज्यादा संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में आवाजाही अधिक होने के कारण युगांडा में भी संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। वहीं दक्षिण सूडान में कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते हालात और गंभीर माने जा रहे हैं। इबोला वायरस को अत्यधिक संक्रामक माना जाता है और यह संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक द्रवों के संपर्क से फैलता है। गंभीर स्थिति में यह बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की निगरानी भी सख्त कर दी है। कांगो, युगांडा, दक्षिण सूडान और उनके पड़ोसी देशों से आने वाले यात्रियों की प्रमुख हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर मेडिकल स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिए हैं कि यदि किसी यात्री में तेज बुखार, उल्टी, दस्त, बदन दर्द या रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत आइसोलेशन में रखा जाए। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों के बड़े सरकारी अस्पतालों को भी विशेष आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में अफ्रीका से लौटे भारतीय नागरिकों से अपील की है कि यदि वे अस्वस्थ महसूस करें तो तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को अपनी यात्रा संबंधी जानकारी दें। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते सावधानी बरतने से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है।

अवैध बांग्लादेशियों को सीएम शुभेंदु की कड़ी चेतावनी: जल्दी भागो बंगाल से

–बोले– कोई हमारे दामाद नहीं, जो उन्हें बिठाकर खिलाएं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को कड़ी चेतावनी देकर तुरंत देश छोड़कर जाने को कह दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, जल्दी-जल्दी भागो यहां से, वरना कार्रवाई की जाएगी। सीएम अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठियों को जेल में रखकर रोटी नहीं खिलाएगी और न ही घुसपैठियों पर अपना पैसा बर्बाद करेगी। उन्होंने कहा, वह हमारे दामाद नहीं हैं, उन्हें बंगाल से भगाया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने बताया कि बांग्लादेश के अधिकारी भी अपने लोगों को वापस लेने पर सहमत हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर बीएसएफ को सौंपेगी, जो उनकी वापसी में मदद करेगा।

शुभेंदु सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। इससे पहले, राज्य सरकार ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों, जिसमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या शामिल हैं, को उनके देश वापस भेजने के लिए विशेष होल्डिंग सेंटर बनाने के निर्देश जारी किए थे। इस संबंध में पश्चिम बंगाल के सभी जिलाधिकारियों को लिखित निर्देश और गाइडलाइंस भेजी गई हैं। जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में इन सेंटरों के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान कर जल्द से जल्द आगे की कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया गया है। सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ अपनी नीतियों को सख्ती से लागू करने का संकल्प लिया है।

अखिलेश का योगी सरकार पर बड़ा हमला: फर्जी मुठभेड़ों से खड़ा किया आपराधिक तंत्र

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सरकार पर फर्जी मुठभेड़ों के मकसद से आपराधिक तंत्र स्थापित करने और पुलिसकर्मियों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया।

लखनऊ में एक प्रेसवार्ता कर यादव ने दावा किया कि योगी सरकार पहले पुलिसकर्मियों को मुठभेड़ों में शामिल करती है और बाद में उन्हें छोड़ देती है। उन्होंने गोरखपुर फर्जी मुठभेड़ मामले का उदाहरण देकर कहा कि कई पुलिसकर्मी इस कारण जेल में हैं, जबकि योगी सरकार ने इससे पल्ला झाड़ लिया है। पूर्व सीएम यादव ने आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए पूरा एक आपराधिक तंत्र खड़ा किया गया है, जहां कुछ वकील ऐसी मनगढ़ंत कहानियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। उन्होंने आगाह किया कि फर्जी मुठभेड़ों में फँसने पर योगी सरकार पुलिसकर्मियों से मुँह मोड़ लेती है, और भविष्य में उनके अपने परिवार वाले भी उन्हें हत्यारा मनाते है। अखिलेश ने प्रथा को अलोकतांत्रिक बताकर इसकी कड़ी निंदा कर कहा कि फर्जी मुठभेड़ों में शामिल पुलिस अधिकारियों को आजीवन गंभीर परिणाम भुगतान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि योगी सरकार इसके जरिए मनोवैज्ञानिक दबाव बना रही है और इसतरह के कृत्यों में शामिल पुलिसकर्मी हर दिन धीमी मौत मरते हैं। पूर्व सीएम यादव ने दावा किया कि कई अधिकारियों ने मुठभेड़ों के डर का फायदा उठाकर महिलाओं के खिलाफ अपराध किए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि फर्जी मुठभेड़ों के डर से राज्य में निवेश नहीं आता, और भाजपा सरकार को भी अपने ही लोगों का नुकसान होता है। यादव ने विशेष रूप से जाति आधारित फर्जी मुठभेड़ों का उल्लेख किया। सपा प्रमुख ने बताया कि एक मुठभेड़ का अर्थ आम तौर पर झड़प होता है, जिसमें हिंसक या आपराधिक गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए एक मानसिक सॉफ्टवेयर सेट किया गया है, जो अपडेट नहीं होता, जिससे लोगों में हिंसा भड़क रही है और हत्या को हिंसा के रूप में पेश किया जा रहा है। यादव ने कहा कि फर्जी मुठभेड़ें गलत हैं, लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ हैं, और सरकार अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। यह प्रवृत्ति कई जगहों पर स्पष्ट रूप से देखी जा रही है।

राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर, पीएम मोदी और अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ यहां अपर सिविल जज की अदालत में परिवाद दायर किया गया है। अधिवक्ता शकील अहमद खान ने सोमवार को गांधी के खिलाफ यह परिवाद दायर किया। खान ने परिवाद में कहा है कि राहुल गांधी ने गत 20 मई को अपने रायबरेली दौरे के दौरान डीह के लोधवारी गांव में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग किया जिससे उन्हें आघात लगा है। उन्होंने बताया कि अदालत से अनुरोध किया गया है कि न्याय हित में प्रार्थी व उसके गवाहों के साक्ष्य दर्ज कर राहुल गांधी को जिन धाराओं में दोषी पाया जाए उनमें तलब कर दंडित किया जाए। मालूम हो कि राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के साथ-साथ अमेठी के दो दिवसीय दौरे के दौरान अपने भाषणों में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए उन्हें 'गद्दार' कहा था।

मंत्री के बेटे पर पॉक्सो का आरोप: आरएसएस ने भाजपा से किनारा किया

साई भागीरथ

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे साई भागीरथ को हैदराबाद में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह मामला 31 दिसंबर, 2025 की रात नए साल की पार्टी से जुड़ा है, जहां भागीरथ पर नाबालिग को शराब पिलाने और छेड़छाड़ करने का आरोप है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 17 वर्षीय पीड़िता और भागीरथ के बीच सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। आरोप है कि भागीरथ ने नाबालिग को बालिग होने पर शादी करने का झूठा वादा कर अपने जाल में फंसाया। पीड़िता की मां ने बताया कि भागीरथ मेरी बेटी को भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल करता था और पढ़ाई-लिखाई तथा करियर से जुड़े फैसलों पर भी रोक लगाता था। आरोप है कि इस दौरान भागीरथ बेटी को कई बार निजी अपार्टमेंट और फार्म हाउस में ले जाकर यौन उत्पीड़न करता था, जिसमें 31 दिसंबर, 2025 की रात मोइनाबाद के फार्महाउस पर हुई घटना प्रमुख है, जब बेटी को जबरदस्ती शराब पिलाकर उसका यौन उत्पीड़न किया गया।

लेकिन शुरुआती दबाव के कारण परिवार ने शिकायत दर्ज कराने में देरी की। आखिरकार, करीब चार महीने बाद 8 मई को मां की शिकायत पर भागीरथ के खिलाफ पॉक्सो (पॉक्सो) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। तेलंगाना पुलिस ने भागीरथ को 16 मई को गिरफ्तार किया। कुकटपल्ली की डिप्टी कमिश्नर आईपीएस रितिराज ने स्पष्ट किया कि भागीरथ ने आत्मसमर्पण नहीं किया था बल्कि मंत्री के बेटे को पुलिस ने पकड़ा है। इस मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, खासकर आरएसएस और भाजपा के बीच दरार पैदा हुई है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की रिकॉर्ड 8 सीटों पर जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेलंगाना आरएसएस ने इस विवाद से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है। तेलंगाना के प्रांत प्रचारक कट्टा राजगोपाल ने कहा है कि यह भाजपा का आंतरिक मामला है और अगर कोई उनके पदाधिकारियों को इसमें घसीटकर संघ की छवि खराब करने की कोशिश करेगा, तब कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वेबसाइट बंद, सुप्रीम कोर्ट में याचिका ; अब क्या करेगी 'कॉकरोच जनता पार्टी', खुद दिया बड़ा संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद चर्चा में आई 'कॉकरोच जनता पार्टी' अब खुद को केवल सोशल मीडिया अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहती। पार्टी से जुड़े लोगों ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में इसे युवाओं के बड़े जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इंस्टाग्राम पर करोड़ों युवाओं को जोड़ने वाली इस मुहिम ने हाल ही में अपना रोडमैप जारी करते हुए कहा कि यह केवल शुरुआत है और आगे देशभर में कई स्तरों पर अभियान चलाए जाएंगे। हालांकि इस अभियान को लेकर विवाद भी लगातार बढ़ता जा रहा है। पार्टी की वेबसाइट पर कार्रवाई होने और सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर किए जाने के बाद मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया है।

सोशल मीडिया पर जारी एक लंबे संदेश में 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने खुद की तुलना उन जीवों से की जो कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहते हैं। पोस्ट में कहा गया कि देश का युवा वर्ग भी आज संघर्ष, बेरोजगारी और असुरक्षा जैसी परिस्थितियों से जूझ रहा है, लेकिन वह हार नहीं मानेगा। पार्टी ने दावा किया कि उसकी विचारधारा भारतीय संविधान से प्रेरित है और वह लोकतंत्र, सामाजिक न्याय तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए संघर्ष करेगी। संगठन ने महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, भगत सिंह और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे नेताओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से देश में बदलाव के लिए सुझाव भी मांगे हैं। पार्टी का कहना है कि बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और संस्थागत पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर जल्द बड़े अभियान शुरू किए जाएंगे। इस बीच अभियान शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को लगातार धमकियां मिलने की बात भी सामने आई है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित उनके घर के बाहर सुरक्षा के तौर पर पुलिस तैनात की गई है। अभिजीत फिलहाल अमेरिका के बोस्टन में हैं, जबकि उनके परिवार ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि न्यायालय की टिप्पणियों का उपयोग प्रचार के लिए किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद यह पूरा विवाद शुरू हुआ था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह मुहिम तेजी से फैल गई।

ब्रह्मोस मिसाइल की बढ़ी वैश्विक मांग, कई अरब देशों ने दिखाई दिलचस्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में निर्मित ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल प्रणाली की वैश्विक मांग लगातार बढ़ती जा रही है। सूत्रों के अनुसार पश्चिम एशिया के कई अरब देशों ने भारत से इन मिसाइलों की खरीद में रुचि दिखाई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं ने रक्षा तैयारियों को और तेज कर दिया है। बताया जा रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कतर जैसे देशों ने भारत से रक्षा खरीद को लेकर संपर्क किया है। हालांकि सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन रक्षा और विदेश मंत्रालय स्तर पर बातचीत जारी होने की जानकारी सामने आई है।

भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम के तहत तैयार की जाने वाली ब्रह्मोस मिसाइल को दुनिया की सबसे आधुनिक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिना जाता है। इसकी मारक क्षमता लगभग 300 किलोमीटर तक बताई जाती है। वहीं आकाश मिसाइल प्रणाली मध्यम दूरी तक दुश्मन के विमानों और ड्रोन हमलों को नष्ट करने में सक्षम मानी जाती है। हाल के वर्षों में भारतीय रक्षा तकनीक को लेकर दुनिया के कई देशों की रुचि बढ़ी है और भारत भी रक्षा निर्यात को नई रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ा रहा है। सूत्रों का कहना है कि फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के बाद अब कई अन्य देश भी इस रक्षा प्रणाली को खरीदने के इच्छुक हैं। पहले से करीब आधा दर्जन देश ब्रह्मोस के लिए कतार में बताए जा रहे थे और अब अरब देशों की दिलचस्पी ने इसकी मांग को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मिसाइल तकनीक कम लागत और उच्च क्षमता के कारण वैश्विक रक्षा बाजार में तेजी से मजबूत स्थिति बना रही है।

इस बीच सऊदी अरब की ओर से अभी तक भारत से किसी औपचारिक रक्षा खरीद प्रस्ताव की जानकारी नहीं मिली है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के साथ रणनीतिक संबंधों के कारण सऊदी अरब फिलहाल संतुलित रुख अपनाए हुए है। हालांकि क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे में रक्षा साझेदारियों के नए समीकरण बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत के लिए यह अवसर रक्षा निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक रणनीतिक प्रभाव मजबूत करने के रूप में भी देखा जा रहा है।

चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा, 6 साइबर ठग गिरफ्तार

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले की साइबर सेल ने मध्य प्रदेश के इंदौर में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा किया है। पुलिस ने छह साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी देशभर के लोगों को फर्जी ऑनलाइन निवेश और फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी का शिकार बना रहे थे। पुलिस जांच में करीब एक करोड़ की ठगी का खुलासा हुआ है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि गिरोह मेटा कोट्स नामक फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिये लोगों को निवेश के लिए फंसाता था। निवेशकों को नकली ट्रेडिंग डैशबोर्ड पर भारी मुनाफा दिखाकर अधिक रकम जमा कराने के लिए प्रेरित किया जाता था। बाद में जीएसटी, टीडीएस, पेनल्टी, लीवरेज चार्ज और अकाउंट अनलॉक फीस के नाम पर ठगी की जा रही थी। शिकायतकर्ता मनोज चौहान ने साइबर सेल में ठगी की शिकायत की। जिसमें उन्होंने बताया कि आस्था मैडम नाम की महिला ने उन्हें फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। आरोपी अलग-अलग बैंक खातों में उनसे कुल 10.51 लाख रुपये ट्रांसफर करवाए। लेकिन पैसे वापस मांगने पर उसके नंबर को ब्लॉक कर दिया। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी, मोबाइल ट्रैकिंग, आईएमईआई विश्लेषण और बैंक खातों की

जांच के बाद इंदौर स्थित बीजेटी ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिस पर छापा मारा। वहां 41 लोग काम करते हुए पाए गए, जिसमें 35 टेली कॉलर शामिल थे। जांच में पता चला कि आरोपी फर्जी पहचान के जरिये देशभर के लोगों को कॉल कर निवेश के नाम पर ठगी कर रहे थे। पुलिस ने यहां से 47 मोबाइल फोन, 46 सिम कार्ड, 29 कंप्यूटर सिस्टम, 10 चेक बुक, दो पीओएस मशीनें, नकदी, विदेशी मुद्रा, डेबिट कार्ड, पासपोर्ट और अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया। जिसमें फर्जी कॉल सेंटर का मालिक कार्तिक अग्रवाल, सहयोगी राजा अग्रवाल, टीम लीडर हर्ष केशरे, निखिल भालसे, दीपक उमाथ और विपिन यादव शामिल है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरोह का सरगना कार्तिक अग्रवाल पहले ब्रोकरेज और ट्रेडिंग कंपनियों में काम कर चुका है। उसने टेलीग्राम नेटवर्क के जरिए फर्जी ट्रेडिंग एप और लिंक हासिल किए थे। गिरोह इंडिया मार्ट और टेलीग्राम चैनलों से लोगों का डाटा खरीदता था और फिर उन्हें गोल्ड, सिल्वर, निफ्टी, बैंक निफ्टी और यूएसडीटी ट्रेडिंग के नाम पर निवेश के लिए फंसाता था। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा गर्मियों की छुट्टियों में विद्यार्थियों के लिए व्यापक स्तर पर पाँचवें गुरमत शिविर लगाने की तैयारी पूरी

शिविरों में इस बार 25 हजार विद्यार्थियों के शामिल होने की संभावना- कालका, काहलों, करमसर

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 26 मई। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पाँच वर्ष पहले शुरू की गई अपनी मुहिम के अंतर्गत इस बार स्कूलों की गर्मियों की छुट्टियों में पाँचवें गुरमत शिविर लगाने की व्यापक स्तर पर तैयारी पूरी कर ली है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों और धर्म प्रचार कमेटी के अध्यक्ष सरदार जसप्रीत सिंह करमसर ने बताया कि इस बार गुरमत शिविरों में 25 हजार से अधिक विद्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है। ये शिविर 1 जून से शुरू होंगे, जिनका समापन 20 और 21 जून को भाई लखी शाह वंजारा हॉल, गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में पहली बार गुरमत शिविर लगाए गए थे और उस समय 4 हजार बच्चों ने भाग लिया था। वर्ष 2023 में 9 हजार, वर्ष 2024 में 12 हजार, वर्ष 2025 में 16 हजार तथा सभी स्थानों के शिविरों को मिलाकर कुल 20 हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस बार वर्ष 2026 में यह संख्या बढ़कर 25 हजार होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिबानों के समय देवनागरी, अरबी और फारसी भाषाएँ प्रचलित थीं, लेकिन गुरु साहिबानों ने 35 अक्षरी गुरमुखी लिपि की शुरुआत की और गुरबाणी की रचना की। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुरसिखी जीवन शैली, गुरमुखी भाषा, अपने

समृद्ध विरसे, इतिहास और गुरमत के अनुसार जीवन जीना सिखाना है। उन्होंने बताया कि इस बार 1 हजार गरीब स्वयंसेवकों ने शिविरों में सेवा देने के लिए पंजीकरण करवाया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और अरुणाचल प्रदेश से भी मांग आई है, जहाँ ये शिविर लगाए जाएंगे। कुल 125 शिविर लगाए जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पंजाब से भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग आई है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी पाठ्यक्रम में बदलाव किया गया है और इस बार युद्धों का इतिहास पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि सहजधारी परिवारों ने भी पूछा है कि क्या वे अपने बच्चों को भेज सकते हैं, तो उन्हें कहा गया है कि वे अवश्य अपने बच्चों को भेजें। उन्होंने कहा कि शिविरों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफियाँ दी जाती हैं। उन्होंने बताया कि एक बच्चे को पहले 14 बाणियाँ कंठ होने पर कमेटी की ओर से 51 हजार रुपये का इनाम दिया गया था। अब उस बच्चे को 21 बाणियाँ कंठ हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य धर्म का प्रचार और प्रसार करना है और इस दिशा में बहुत बड़े स्तर पर कार्य किया जा रहा है। उनका लक्ष्य विद्यार्थियों को गुरमुखी जीवन मर्यादा, गुरबाणी और गुरमुखी भाषा से जोड़ना तथा सिखों के गौरवशाली इतिहास से परिचित करवाना है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष अभिभावकों में इन शिविरों को लेकर जागरूकता बढ़ रही है और अब माता पिता तथा विद्यार्थी इन शिविरों की तिथियों का इंतजार करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि इस मुहिम को केवल राष्ट्रीय राजधानी या देश के राज्यों तक ही नहीं बल्कि विदेशों तक ले जाने के लिए भी वे प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे ऐसे प्रयासों का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ।

पूर्वी दिल्ली में मौजपुर और सबोली में 8 फैक्ट्रियां सील

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। गैर-औद्योगिक (नॉन-कंफर्मिंग) क्षेत्रों में चल रही अवैध और प्रदूषणकारी इकाइयों के खिलाफ चलाए जा रहे सीलिंग अभियान के तहत बीते एक सप्ताह के अंदर उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दो वार्डों में बड़ी कार्रवाई की गई। शाहदरा उत्तरी जोन की उपायुक्त ममता यादव के अनुसार, वार्ड नंबर 228 (मौजपुर) और वार्ड नंबर 238 (सबोली) में संयुक्त टीम ने छापेमारी कर प्रदूषण फैला रही 8 इकाइयों को पूरी तरह से सील कर दिया। ममता यादव ने बताया कि ये सभी इकाइयां नियमों का उल्लंघन कर कपड़ों की रंगाई का काम कर रही थीं, जिससे पर्यावरण और नागरिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंच रहा था। इस सीलिंग अभियान को अंजाम देने के लिए एमसीडी, दिल्ली पुलिस, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और बीएसईएस की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया था। ममता यादव ने जानकारी दी कि प्रदूषण के खिलाफ यह अभियान पिछले कई दिनों से लगातार जारी है। बीते एक सप्ताह में (14 मई से अब तक) कार्रवाई करते हुए कुल 31 अवैध और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को सील किया जा चुका है। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि रिहायशी और गैर-औद्योगिक क्षेत्रों में प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज किया जाएगा।

मानेसर में कूड़ा उठान पर सख्ती, एजेंसी की जांच के बाद भुगतान तय होगा

मानेसर। मानेसर नगर निगम में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाली एजेंसी के कामकाज को लेकर आयुक्त प्रदीप सिंह की अध्यक्षता में पार्षदों और एजेंसी प्रतिनिधियों के साथ एक समन्वय बैठक हुई। बैठक में सफाई व्यवस्था को पारदर्शी और बेहतर बनाने पर चर्चा की गई। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि एजेंसी को भुगतान केवल एसडब्ल्यूएम पोर्टल पर दर्ज आरएफआईडी और जीपीएस रिपोर्ट के आधार पर ही किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सिस्टम इस तरह तैयार किया गया है कि इसमें किसी तरह की छेड़छाड़ संभव नहीं है। यदि रिपोर्ट में गड़बड़ी पाई जाती है तो एजेंसी पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। नगर निगम क्षेत्र में करीब एक लाख 10 हजार से ज्यादा घरों से कूड़ा उठाया जाता है। हर घर पर लगे आरएफआईडी टैग को स्कैन करना जरूरी है, तभी कूड़ा उठान की पुष्टि मानी जाएगी। इसके बाद जीपीएस और पोर्टल रिपोर्ट का मिलान किया जाएगा। मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव द्वारा एजेंसी के संसाधनों पर उठाए गए सवालों के बाद यह बैठक बुलाई गई। आयुक्त ने कहा कि एजेंसी के संसाधनों और रिकॉर्ड की दो सप्ताह में जांच कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर आगे का फैसला होगा। बैठक में यह भी तय हुआ कि सभी वार्डों में पार्षदों की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई जाएगी, जो सफाई, अतिक्रमण और अन्य समस्याओं की निगरानी करेगी। आयुक्त ने यह भी बताया कि रविवार को एजेंसी अपने सभी संसाधनों की दोबारा जांच करवाएगी, जिसमें पार्षद और अधिकारी मौके पर मौजूद रह सकते हैं। इस बैठक में कई वरिष्ठ अधिकारी और पार्षद मौजूद रहे। बता दें मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव ने डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाली एजेंसी के संसाधनों पर सवाल उठाए थे। इसके बाद नगर निगम आयुक्त की अध्यक्षता में समन्वय बैठक आयोजित की गई, ताकि मामले की जांच और समाधान किया जा सके।

गलत फास्टैग इस्तेमाल करने वाले भी पकड़े जाएंगे

नई दिल्ली। हाईवे पर अब संकट के समय मदद के लिए किसी राहगीर या फोन कॉल का इंतजार नहीं करना होगा, क्योंकि अब एआई खुद दुर्घटना की खबर कंट्रोल रूम तक पहुंचाएगा। भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) दिल्ली-एनसीआर से जुड़े 1205 किलोमीटर लंबे हाईवे नेटवर्क को एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) से पूरी तरह डिजिटल करने जा रहा है। इस हाई-टेक निगरानी के दायरे में आने के बाद रफ्तार के शौकीनों और नियमों को ताक पर रखने वालों के साथ-साथ फास्टैग फ्रॉड करने वाले भी अब बच नहीं पाएंगे। परियोजना को लागू करने के लिए आईएचएमसीएल की तरफ से निविदा प्रक्रिया शुरू की गई है। परियोजना के तहत तैनात वीडियो इंसिडेंट डिटेक्शन एंड एनफोर्समेंट सिस्टम (वीआईडीईएस) के जरिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सड़क पर दुर्घटना, वाहन के खराब होकर खड़े होने या किसी भी अन्य बाधा की पहचान रीयल-टाइम में खुद करेगा। दुर्घटना की सूचना मिलते ही रीजनल कमांड सेंटर अलर्ट हो जाएगा, जिससे राहत एवं बचाव दल को गोल्डन ऑवर के भीतर मौके पर भेजकर यात्रियों की जान बचाई जा सकेगी। ईएचएमसीएल ने इस प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए 12 महीने की समय सीमा तय की है। इसके बाद, अगले 5 साल (60 महीने) तक इसका संचालन और रखरखाव भी इसी प्रोजेक्ट के तहत किया जाएगा ताकि यात्रियों को निरंतर सुरक्षा सेवाएं मिलती रहें। परियोजना के तहत हरियाणा के सोहना में एक रीजनल कमांड सेंटर बनाया जाएगा

Public Notice

It is for general information that I Kajal sharma D/O HAR PARSAD SHARMA, R/O HOUSE NO-587, NEHRU ENCLAVE, ALI PUR, North West Delhi, Delhi - 110036 declare that name of my father has been wrongly written as Har Prasad in my 10th and 12th class educational documents .The actual name of my father is Har parshad Sharma,respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री रूपेश विश्वकर्मा, पुत्र श्री केदार विश्वकर्मा, 50 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले भूखंड के स्वापी है, जिसका खेवट क्रमांक 420 मि., खाता क्रमांक 570 मि., मु एवं किला क्रमांक 86//17/1 (8.0), 18 (7 12), ग्राम नाहारी, तहसील एवं जिला सोनीपत, हरियाणा है। यह विक्रय विलेख दिनांक 02.02.2017 (दस्तावेज़ क्रमांक 9222) के अंतर्गत श्रीमती लक्ष्मी, पत्नी श्री राम रहीश द्वारा निष्पादित किया गया भा और संपत्ति श्रृंखला में दिनांक 23.04.2015 का विक्रय विलेख, जो श्री रामकिशन पुत्र श्री बादले द्वारा श्रीमती लक्ष्मी, पत्नी श्री राम रहीश के पक्ष में निष्पादित किया गया था (दस्तावेज क्रमांक 748), खो गया है और इस संबंध में दिनांक एलआर क्रमांक 323239/2026 के अंतर्गत ऑनलाइन एफआईआर दर्ज दिनांक 24.05.2026 को की गई है। उक्त संपत्ति श्री प्रकाश कुमार पुत्र श्री काशी को बेची जानी है, और इसका वित्तपोषण शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान विधि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I Saksham S/o Sandeep R/o House No 1797 Near Hero Honda Chowk Sector 10 A Gurgaon Haryana 122001 have changed my name to Saksham Kumar.

NAME CHANGE

I Sanskriti Kumari D/o Sandeep R/o House No 1797 Near Hero Honda Chowk Sector 10 A Gurgaon Haryana 122001 have changed my name to Sanskriti.

NAME CHANGE

I PRIYANSHA KANSAL W/0 NAKKUL CHHABRA R/O B1/4 SECOND FLOOR BLOCK B1 SUSHANT LOK-3 SECTOR-57, WAZIRABAD GURGAON HARYANA-122003, I HAVE CHANGED MY NAME TO PRIYANSHA CHHABRA ALL FUTURE PURPOSE

सार्वजनिक सूचना

साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि **श्री सन्नी**, संपत्ति संख्या ष्ट-508, क्षेत्रफल 40 वर्ग गज, जो खसरा नं. 357 में स्थित है, ग्राम घोंडा गुजरान खादर की आबादी, गली नं. 25, ष्ट-ब्लॉक, भजनपुरा, इलाका शाहदरा, दिल्ली के स्वामी हैं। उक्त संपत्ति का स्वामित्व मूल पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 26.08.2021, जो श्रीमती किरण शर्मा द्वारा निष्पादित किया गया था तथा दस्तावेज संख्या 332 के रूप में पंजीकृत है, के आधार पर प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त पूर्व में दिनांक 23.09.2016 को श्री देवेंद्र शर्मा, श्री नरेंद्र शर्मा, श्री सन्नी, श्री कपिल शर्मा, श्रीमती बबीता शर्मा एवं श्री मनीष शर्मा द्वारा श्रीमती किरण शर्मा के पक्ष में निष्पादित त्यागपत्र, जो SRO-IV में दस्तावेज संख्या 1685, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 193-198 पर दिनांक 07.10.2016 को पंजीकृत हुआ था, के आधार पर भी स्वामित्व स्थापित है। उक्त संपत्ति अब **श्री मनोज कुमार** को विक्रय की जानी है। अब उक्त संपत्ति का वित्तपोषण **बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड,** शाखा गाजियाबाद द्वारा किया जा रहा है। अत: यदि किसी व्यक्ति/संस्था का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का दावा, अधिकार, बंधक, स्वामित्व, अथवा तृतीय पक्ष हित या विवाद हो, तो वह इस प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर प्रमाण सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करे। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी प्रकार का दावा/विवाद नहीं है। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि भविष्य में गिरवी रखी गई उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का डिफॉल्ट होता है, तो उसके लिए सभी उधारकर्ता/स्वामी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, hitherto known as Gunnjas Duggal D/O: Gurvinder Singh Duggal, R/O A-85, Narang Colony, Janakpuri A-3, West Delhi, Delhi, 110058, have changed my name and shall hereafter be known as GUNNJAS KAUR DUGGAL.

NAME CHANGE

I, Manasvi D/O Naresh Kumar R/O D-6/82 L.I.G. Flats, Sector-6 Rohini, North West Delhi, Delhi 110085 I, Have Changed My Name To Manasvi Kumar

NAME CHANGE

I yashpal yadav son of rampal resident of house no 141 gali no 2 near peer baba kadipur, basai, farukhnagar, gurgaon, haryana have changed my father name to rampal yadav for all future purposes

NAME CHANGE

I, Harish Chander S/O Jagdish Lal R/O 68, First Floor, Sainik Vihar, Rani Bagh, Pitampura, North West Delhi, Delhi 110034 I, Have Changed My Name To Harish Chander Takkar

NAME CHANGE

I, PATIL VIMAL RAMESH mother of JC-707119Y Rank-SUB, Name-PATIL SANDEEP RAMESH R/o VILL-VADAGAON (BK), PO-BHADGAON, TEH-BHADGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424105, have changed my name from PATIL VIMAL RAMESH to VIMAL RAMESH PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 26/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAMESH father of JC-707119Y Rank-SUB, Name- PATIL SANDEEP RAMESH R/o VILL-VADAGAON (BK), PO-BHADGAON, TEH-BHADGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424105, have changed my name RAMESH to RAMESH BHIKA PATIL for all future purposes vide Affidavit Dated 26/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KARTHIK NAGARAJAN S/O NERKUNAM NAGARAJAN R/O B1-706,SUMMER PALMS,FORMELY UPPAL JADE,SECTOR-86, KHERI KALAN (113),FARIDABAD, HARYANA 121007, CHANGED MY NAME TO KARTIK NAGARAJAN.

NAME CHANGE

I, PADMAVATHI RAMACHANDRAN W/O KARTIK NAGARAJAN R/O B1-706,SUMMER PALMS, FORMELY UPPAL JADE,SECTOR-86, KHERI KALAN (113),FARIDABAD, HARYANA 121007, CHANGED MY NAME TO RAMACHANDRAN PADMAVATHI.

NAME CHANGE

I, SUGANYA wife of No-14843234P, Rank-HAV/DVRSPLVEH, Name- J PANCHAMOORTHI residing at VILL-KANDAMANALLUR, PO-KALLAPPULIYUR, TEHSIL-GINGEE, DIST-VILLUPPURAM, TAMIL NADU-604208, have changed my name from SUGANYA to SUGANYA P for all future purposes vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto Known as RITIK S/o SANJAY R/o G 16A , Rajiv Nagar Exten , Begumpur , North West Delhi , Delhi - 110086 have changed my name and shall hereafter be known as RITIK KUMAR .

NAME CHANGE

It is for general information that I, AJAY KUMAR S/o BEGRAJ R/o Near Old Bus Stand , House No. – 327 , Badli , North West Delhi , Delhi - 110042 declare that the name of my Wife has been wrongly written as Ms. SUMAN PAL in my minor son namely HIRDAY PAL aged 14 years in his School Record. The actual name of my wife is KM SUMAN PAL Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, RAHUL DAS S/o PRABIR RANJAN DAS Permanent R/o 172780 , Mission Road , Near Kashipur Bazar , P.O Resham Bagan , Kashipur , West Tripura , - 799008 Presently Residing at First Floor C - 68 , Lajpat Nagar - I , New Delhi - 110024 have changed the name of my minor daughter OISHI M DAS aged 1 years and she shall hereafter be known as RUHISHA DAS .

NAME CHANGE

I, GIRRAJ S/O RAJENDER R/O HOUSE NO-156,TOTA MOHALLA, NEAR BABA MOHAN RAM MANDIR, SECTOR-57, PHASE-2, TIGRA, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO GIRRAJ TANWAR S/O RAJENDER TANWAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, YAMINI ANANDA MAHAJAN wife of No.-17046845W, Rank-CFN/ATOELEBV, Name-MAHAJAN PAVAN MADHUKAR residing at VILL & PO-NAGARDEOLA, TEHSIL-PACHORA, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424104, have changed my name from YAMINI ANANDA MAHAJAN to MAHAJAN YAMINI PAVAN for all future purposes vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BAPU RAO father of No 14831410P, Rank-HAV/DVR-SPLVEH, Name-DESAI AMAR BAPURAO residing at VPO-KOOR, TEHSIL-BHUDARGAD, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416209, have changed my name from BAPU RAO to BAPURAO DADOBA DESAI for all future purposes vide Affidavit Dated 25/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No 14831410P, Rank-HAV/DVR-SPLVEH, Name-DESAI AMAR BAPU RAO residing at VPO-KOOR, TEHSIL-BHUDARGAD, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416209, have changed my name from DESAI AMAR BAPU RAO to DESAI AMAR BAPURAO for all future purposes vide Affidavit Dated 25/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, J PAVUNU mother of No-14843234P, Rank-HAV/DVR-SPLVEH, Name- J PANCHAMOORTHI residing at VILL-KANDAMANALLUR, PO-KALLAPPULIYUR, TEHSIL-GINGEE, DIST-VILLUPPURAM, TAMIL NADU-604208, have changed my name from J PAVUNU to J PAVUNAMMAL for all future purposes vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I SHYAM LAL S/o DURGA DAS R/o H No. – A 93 , Gali No. – 3 , Rama Gardan , Karawal Nagar , Dist : North East , Delhi – 110094 declare that the name of my wife has been wrongly written as KALA DEVI in my Service Record . The actual name of my wife is KELA DEVI Which may be amended accordingly

NAME CHANGE

It is for general information that I DINESH CHANDRA S/o MATHURA DATT R/o KH No. – 17/1/G -21 , Block – A , Kamal Vihar Kammal Pur , Burari , PO : Burari , Dist : North Delhi , Delhi - 110084 declare that the name of mine has been wrongly written as DINESH CHANDRA UPADHYAY in my minor son namely TANUJ UPADHYAY aged 16 years in his 10th Class Educational Documents . The actual name of mine is DINESH CHANDRA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I SONU KUMAR S/o SURESH RAM R/o House No. S - 35/B - 441 , Gola Kuan , Tekhand , Okhla Industrial Area Phase - I , PO : Okhla Industrial Estate , Dist : South Delhi , Delhi - 110020 declare that name of my wife has been wrongly written as ANITA DEVI in my minor daughter's namely SOMYA KUMARI aged 5 years in her Birth Certificate No. MCDOLIR - 0121 - 174296. The actual name of my wife is SUNITA KUMARI , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I PUSHPA GARG W/O NEERAJ GUPTA R/O H.N.701/20, WARD .20 ,HUKAM CHAND MANDI , GOHANA-131301 ,DISTT SONIPAT ,Haryana. Have Changed My Name To PUSHPA GUPTA Permanently

Public Notice

It is for general information that I, Venkata Subrahamanayam Vallurie S/o V Babji Rao, R/o 212 B, Pocket B, Mayur Vihar Phase II, Patparganj, PO: Patparganj Dist: East Delhi, Delhi - 110091 declare that name of mine and my father have been wrongly written as Venkata Subrahmanyam Valluri and Babji Rao Valluri in my Passport no. Z 4958789. and name of my father has been wrongly written as Rao Babji Vallurie in my Pan no. ADGPV5941C. The actual name of mine and my father are Venkata Subrahamanayam Vallurie and V Babji Rao

NAME CHANGE

I KISHAN KAL S/0 Ganesh R/0 T - Hots E - 52/137 Aradhak Nagar Near Seema puri Border Dilshad Garden Shahdara Delhi 110095 Changed my name to KISHAN LAL

NAME CHANGE

I MOHD SHARQ S/0 Islam Akhtar R/0 37 Mohalla Moolchand Ganjdundwara Ptiyali Kasganj UP.207242 Changed my name to MOHD SHARIQ

NAME CHANGE

I, hitherto known as JITENDER KUMAR, S/O SARJEET R/O HOUSE NO-49, PABI SADATPUR, LONI DEHAT, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102, have changed my name and shall hereafter be known as BITTU. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I BASANTI DEVI KABDAL W/O MOHAN CHANDRA KABDAL R/O RZ -600 C 1st FLOOR,BACK SIDE FLAT NO 201 GALI NO -20, TUGHALAKABAD EXTENSION KALKAJI DELHI- 110019 have changed my name to BASANTI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I RAHUL S/0 KRISHAN KUMAR R/O WARD NO 02, BAMANWAS POST OFFICE DEOLAWAS, JHUNJHUNU, RAJASTHAN 333515, I HAVE CHANGED MY NAME TO RAHUL SINGH ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, Ramprakash S/O Chunni Singh R/O Kh No. 1046, Preet Vihar, E Chhapraula, Chhapraula , Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh - 201009, have changed the name of my minor Son Tarjan aged 14 years and he shall hereafter be known as Rishabh Chauhan

NAME CHANGE

I, hitherto known as Saivi W/o Danish R/o House No. 112, Gali No. 1, Near Anar Factory, Prashant Vihar, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as SEBI.

NAME CHANGE

I MOHAN CHANDERA KABDAL S/O JOGDEV KABDAL R/O RZ - 600 C 1st FLOOR,BACK SIDE FLAT NO 201 GALI NO -20, TUGHALAKABAD EXTENSION KALKAJI DELHI- 110019 have changed my name to MOHAN CHANDRA KABDAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I NAVEEN SHOKEEN S/O AJIT SINGH R/O H.NO 808 RANGAR PANNA DICHAON KALAN DELHI - 110043 have changed my name to NAVEEN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SUDHIR KUMAR SHARMA S/O VIDYA SAGAR SHARMA R/O B-10/11 ISHWAR COLONY NANGLI SAKARAWATI DELHI - 110043 have changed my name to SUDHIR SHARMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, hitherto known as NISHA D/O ASHOK KUMAR GUPTA R/O A-12, KH No. 78, Preet Vihar-2, Loni, Sadullabad, PO: Loni, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as NISHA GUPTA.

NAME CHANGE

I, Mohmmad Zunaid S/O Mohmmad Hussain Ahamed R/O 55/126, Bagh Nanak Chand, Shahaganj, Shahaganj, Agra, Uttar Pradesh - 282010, have changed my name and shall hereafter be known as Narendra Pal Singh Raj Poot

NAME CHANGE

I, hitherto known as CHHAVI RANI wife of SUSHIL KUMAR SHARMA residing at 644, Satyam Enclave, Kotgaon Road, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201001 have changed my name and shall hereafter be known as CHHAVI SHARMA

NAME CHANGE

I, hitherto known as CHUTTA LAL S/O SHUKHAY LAL R/O 346, Krishna Nagar, Meerut Road, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as CHOTE LAL.

NAME CHANGE

I hitherto known as Brij Wati W/o Lekhraj R/o Hasanpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201302 have changed my name and shall hereafter be known as Birjo.

NAME CHANGE

I hitherto known as Abaran S/o Tularam R/o House No. B-66, Ward No-24, Sangam Vihar, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Nekasu Lal.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Varun Behal S/O Tilak Raj Behal R/O E-17 Gagan Enclave Ghaziabad, Ghaziabad, Ghaziabad Uttar Pradesh -201001, declare that name of my minor Son has been wrongly written as Gaurang Behal in my minor Son Garvit Behal aged 13 years in his Birth Certificate No. -3, The actual name of my minor Son is Garvit Behal

Public Notice

It is for general information that I Lakshmi Devi W/O Late Ran Singh R/O D-137, Sector -11, Ghazibad, Ghaziabad Uttar Pradesh -201009, declare that name of mine has been Wrongly Written as Laxmi Devi in my husband PPO Number 20047030290289. The actual name of mine is Lakshmi Devi

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Asha Adlakha in respect of Unit No. 301, Second floor, Front Side Without roof rights, Super area measuring 71.6 sq. yds., or 60 sq. mtrs., out of Total 100 Sq. yards, built on Property bearing no. RZ-D-1/52, Out of Khasra no. 80, Gali No. 5, Situated in the Revenue estate of Village Nasirpur, Delhi State Delhi, Colony known as Mahavir Enclave, New Delhi, for lost property document i.e Sale Deed dated 03.07.2010 executed by Mrs. Sushma Gupta in favor of Mrs. Asha Adlakha (60% Share) & Mrs. Sarla Devi (40% Share) in respect of Freehold Built-up Ground floor, with roof rights, Property bearing no. RZ-D-1/52, area measuring 120 sq. yds., i.e. 100 sq. mtrs., Out of Khasra no. 80, as vide Doc. No. 8410. The document was misplaced on or around 11.07.2025. Online complaint has been lodged on 26.05.2026 vide application no. LR No: 329468/2026 with Delhi Police. Piramal Finance Ltd is providing financial assistance in respect of the above mentioned property . Asha Adlakha is claiming to have undisputed ownership of this property. If , Any person(s)/Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I Nityanand Radheshyam Gopalika s/o Radheshyam Gopalika, resident of C-151, DDA FLATS, Dwarka Sector -26, Dwarka, New Delhi - 110077, changed my name to Nityanand Gopalika

NAME CHANGE

I, MOHD AARIF SON OF SH HAZI MOHD ISMAIL R/O H NO.V-159, GALI NO-18, V-BLOCK, VIJAY PARK, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHD ARIF FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, Nityanand Gopalika, s/o Radheshyam Gopalika, resident of C-151, DDA FLATS, Dwarka Sector - 26, Dwarka New Delhi - 110077, am father of minor child Human Gopalika and his name has been changed from Human Gopalika to Hunar Gopalika

NAME CHANGE

I Kejriwal VarshaKumari AshokKumar, w/o Nityanand Gopalika, resident of C-151, DDA FLATS, Dwarka Sector -26, Dwarka, New Delhi - 110077, changed my name to Varsha Kejriwal

NAME CHANGE

I Varsha Gopalika, w/o Nityanand Gopalika, resident of C-151, DDA FLATS, Dwarka Sector -26, Dwarka, New Delhi - 110077, changed my name to Varsha Kejriwal

NAME CHANGE

I MAHENDER LOHIA R/O KH N0-354,100 FUTA ROAD VILL - GHITORNI DELHI-110030 HAVE CHANGE MY MINOR DAUGHTER NAME VARSHIKA TO VARSHIKA LOHIA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I PURVI D/O MAHENDER LOHIA R/O KH N0-354,100 FUTA ROAD VILL - GHITORNI DELHI-110030 HAVE CHANGE MY NAME TO PURVI LOHIA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, TARANNUM PARAWEEN W/o Abdul Allam R/o J-3/160 –A, Third Floor, J-Extn., Laxmi Nagar, Delhi-110092, have changed my name to TARANNUM PARVEEN permanently.

NAME CHANGE

I, URMILA KUMARI W/o Ashok Kumar R/o H.NO.588, A-Block, Gopal Nagar, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to URMILA DEVI permanently.

NAME CHANGE

I, RISHI BANSAL R/o Near Satti Sarover Mandir, Hodal, Palwal, Haryana, have changed my minor son's name from NITYA to NITYA BANSAL permanently.

NAME CHANGE

I, SAAJID S/O Mohammad Afroj R/o Balmiki Wali Gali, Deedamai Road, Ramgarh Road, Firozabad, Uttar Pradesh-283203, have changed my name to MUHAMMAD SAJID KHAN permanently.

NAME CHANGE

I, Anjali, W/O the Mrinal Dabas R/O CP 23 MAURYA ENCLAVE PITAMPURA NEW DELHI 110088, have changed my name ANJALI to ANJALI CHAUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE

I SHAMIM AHMED S/O SHEKH NASIBULLAH R/O F-423, 13 JAITPUR EXTN PART-2, BADARPUR, DELHI-110044. HAVE CHANGED MY NAME TO SHAMEEM AHMAD.

NAME CHANGE

I SHEIKH NASIBULLAH S/O ABDUL KABIR R/O F-423, 13 JAITPUR EXTN PART-2, BADARPUR, DELHI-110044. HAVE CHANGED MY NAME TO SHEKH NASIBULLAH.

NAME CHANGE

I, NAVEEN KUMAR S/O OM PRAKASH BHALLA R/O WZ-31 BASAI DARA PUR RAMESH NAGAR WEST DELHI 110015, CHANGED MY NAME TO NAVEEN BHALLA.

NAME CHANGE

I Surendra Pal Singh S/0 Rajpal Singh R/0 VP0 Sarurpur Khurd Meerut U.P.250344 Changed my Name to Surendra Singh Jat

NAME CHANGE

I, SUNITA, is legally mother of Army No. 2810454P, Rank – Sep, Name – TONDE KIRANKUMAR BABASAHEB, presently residing at Vill – Sonimoha, Post – Chondi, Teh – Dharur, Dist – Beed, State – Maharashtra, Pin – 431124, have changed my name from SUNITA to TONDE SUNITA BABASAHEB for all future purposes. Vide affidavit dated 22/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Jitendra Kumar S/o Umashankar Gupta R/o H.No.5, Gali No.2, Lakhpat Colony, Part-2, Mithapur Extn., Molar Band, Badarpur, Delhi-110044 have changed my name to Jitendra Gupta.

LOST AND FOUND

I, RAKHA KHANDELWAL W/O SURESH KHANDELWAL, residing at 61, GALI RAJA KEDAR NATH, CHAWRI BAZAR, DELHI-110006 declare that I have missing/lost my ORIGINAL SALE DEED OF MY PROPERTY DOCUMENTS PROPERTY REGISTRATION NO 2195 BOOK NO-1, VOLUME NO-16845, DATED 03/04/2017 somewhere and the same is not traceable founder will be given handsome reward the property is free from all sort of encumbrances and I will be fully responsible if proved otherwise. Contact at:-Mob No-9310553382.

NAME CHANGE

I, Ashok Kumar Koundal S/O Pritam Chand R/O 20, Gali No-11 B, Near C-2, Phase -3, Ashok Vihar Gurgaon Haryana 122001 I, Have Changed My Name To Ashok Kumar

NAME CHANGE

I, KRISHAN S/o Phool Singh R/o MCF-3956, Sanjay Colony, 23 Faridabad, Sector-22, Haryana-121005, have changed my name to KRISHAN PANCHAL permanently

NAME CHANGE

I, PRASHANT KUMAR MUNJAL S/o Late.Rajesh Kumar Munjal R/o A-44, Flat No.1, Vasant Kunj Enclave, Vasant Kunj, Delhi-110070, have changed my name to PRASHANT MUNJAL permanently

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सांस्कृतिक विरासत को सहेजना समाज का सामूहिक दायित्वः अनुपमा अंजली

एजेंसी

नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय के समन्वय से शुरू किए गए ज्ञान भारतम मिशन को गति दी जा रही है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने कहा कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि यह मिशन राज्य और जिले के गौरवशाली इतिहास को पुनर्जीवित करने में मील का पत्थर साबित होगा। उपायुक्त ने जिलावासियों से अपील की कि वे अपनी आने वाली पीढ़ियों को इतिहास से जोड़ने और सदियों पुरानी बौद्धिक धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए आगे आएं। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण महेंद्रगढ़ जिले में इस अभियान को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। जिले के प्राचीन मंदिरों, मठों, पारंपरिक पाठशालाओं और निजी संग्रहों में सुरक्षित सांस्कृतिक विरासत की खोज के लिए जिला स्तरीय कमेटियों का गठन किया गया है। ये कमेटियां सरकारी पुस्तकालयों के अलावा निजी संस्थानों और धार्मिक स्थलों में रखी प्राचीन पांडुलिपियों, ताड़-पत्रों और दुर्लभ अभिलेखों का भौतिक सत्यापन करेंगी।

बढ़ती गर्मी के बीच बिजली की मांग बढ़ी, सरकार संभाल रही स्थिति : मनोहर लाल

हिसार। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि देश में बढ़ती गर्मी के बीच बिजली की मांग बढ़ी है लेकिन सरकार पूरी तरह स्थिति संभाल रहे है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में देश की बिजली मांग 250 गीगावाट तक पहुंची थी, जबकि इस बार 21 मई को 270.8 गीगावाट की अब तक की सबसे अधिक पीक डिमांड दर्ज हुई। केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के आवास पर बातचीत कर रहे थे। उन्होंने डॉ. गुप्ता के आवास पर हुई आगजनी की घटना का ब्यौरा लिया और उनकी कुशलक्षेम जाना। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस दौरान देश की बिजली उत्पादन क्षमता 274 गीगावाट रही, जिससे मांग पूरी की गई। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में गर्मी अधिक है, लेकिन दक्षिण भारत में मानसून शुरू होने से कुल मांग में कुछ कमी आई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि देश में बिजली की कमी नहीं है, हालांकि कुछ राज्यों में स्थानीय प्रबंधन की वजह से हल्की दिक्कतें हो सकती हैं। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के सवाल पर मनोहर लाल ने कहा कि इसका कारण भारत नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव और तेल आपूर्ति प्रभावित होने से वैश्विक बाजार में कीमतें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि भारत में कीमतों में बहुत सीमित वृद्धि की जा रही है ताकि जनता पर ज्यादा बोझ न पड़े।

जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार रखें पुलिस कर्मचारी : सिद्धांत जैन

हिसार। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली, अनुशासन, वर्दी, उपकरणों तथा वाहनों की स्थिति का गहनता से निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर एसपी ने मौके पर मौजूद ईआरवी, पीसीआर एवं राइडर स्टाफ को चैक करते हुए उनकी कार्यक्षमता का जायजा लिया तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार रखने, ड्यूटी के दौरान सतर्क रहने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। परेड के दौरान एएसपी मयंक मुद्गिल व डीएसपी बरवाला सुमित कुमार भी रहे मौजूद। निरीक्षण के दौरान पुलिस वाहनों, संचार उपकरणों एवं अन्य संसाधनों की स्थिति भी जांची गई। एसपी हिसार ने कहा कि जनता की सुरक्षा एवं सहायता के लिए पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए प्रत्येक कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं तत्परता के साथ करना चाहिए।

बुजुर्गों के लिए शुरू होगा 'वृद्ध सेवा एवं स्वास्थ्य' पोर्टल : आरती राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि राज्य में नागरिकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर और समग्र स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए जल्द ही दो बड़ी कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य और बेहतर जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राज्य के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में हर सप्ताह गुरुवार को विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के डेटा की सटीक मॉनिटरिंग और प्रबंधन के लिए 'वृद्ध सेवा एवं स्वास्थ्य' पोर्टल विकसित किया गया है, इसको जल्द ही लांच किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य राज्यभर के बुजुर्गों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की पारदर्शी निगरानी करना है। आरती सिंह राव ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, निवारक और समग्र बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक विशेष कार्यक्रम संजीवनी योग शुरू किया जा रहा है।

पुलिस भर्ती पीएमटी में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने खुद पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में पुलिस भर्ती के लिए आयोजित शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) में शामिल अभ्यर्थियों से मुलाकात कर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ताऊ देवी लाल स्टेडियम में पुलिस कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों की शारीरिक माप परीक्षण आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने परीक्षा में भाग ले रहे अभ्यर्थियों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अभ्यर्थियों से प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक भी लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अभ्यर्थियों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि

व्यवस्थाओं का जायजा लेने और अभ्यर्थियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से वे स्वयं स्टेडियम पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी पीएमटी प्रक्रिया को पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं अभ्यर्थी-अनुकूल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अभ्यर्थियों के साथ आए परिजनों से भी मुलाकात की और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर अभ्यर्थी खासे उत्साहित नजर आये। कई अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली।

मुख्यमंत्री ने भी आत्मीयता से उनका अभिवादन स्वीकार करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया।अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं पहुंचकर व्यवस्थाओं की जानकारी लेने और उनका उत्साहवर्धन करने की सराहना की। उन्होंने इसे संवेदनशील एवं प्रेरणादायक पहल बताया। ताऊ देवी लाल स्टेडियम में प्रतिदिन लगभग 3 हजार अभ्यर्थियों की शारीरिक माप परीक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर विश्राम क्षेत्र बनाया गया है, जहां बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके अलावा बैगेज जमा कराने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर उपायुक्त सतपाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य, अभ्यर्थी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

पेयजल व्यवस्था के लिए पंचायतें संभालेंगी कमानः अनुपमा अंजली

एजेंसी

नारनौल। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पंचायतों को बड़े प्रशासनिक और प्रबंधन संबंधी अधिकार प्रदान किए हैं। अब पंचायतें पेयजल आपूर्ति के संचालन, रखरखाव और प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं ले सकेंगी। इसके तहत पंचायतों को जरूरत के अनुसार पानी की दरों में संशोधन करने, नई दरें लागू करने और अवैध कनेक्शनों को काटने तक के अधिकार दिए गए हैं। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में ग्रामीण जल प्रणाली के संचालन एवं रखरखाव हेतु सरकारी.सामुदायिक भागीदारी आधारित संचालन एवं रखरखाव नीति-2026 को जल्द लागू करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने बताया कि इस योजना को दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहले चरण में सिंगल पंचायत मेंटेनेंस योजना वाली लगभग चार हजार ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। दूसरे चरण में एक से अधिक गांवों वाली पंचायतों में योजना लागू की जाएगी। नई ऑपरेशनल पॉलिसी के तहत प्रत्येक 500 घरों पर एक महिला को पेयजल कनेक्शन, पानी के नमूने लेने, बिल भरवाने और अन्य कार्यों की जिम्मेदारी दी जाएगी। यदि किसी पंचायत में 500 से अधिक घर हैं तो वहां दो महिलाओं की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा पंचायतें पांच सदस्यीय ग्राम जल एवं सीवरेज समिति का गठन करेंगी। इसमें जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जेईए ग्राम सचिव, पंप ऑपरेटर और जागरूक नागरिकों को शामिल किया जाएगा। समितियां नई पाइपलाइन बिछाने, मरम्मत कार्य, जल आपूर्ति निगरानी तथा अवैध और दूषित पानी के कनेक्शन काटने जैसी कार्रवाई भी कर सकेंगी।

रेवाड़ी फैक्ट्री अग्निकांड में लापता दो कर्मचारियों के कंकाल मिले

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के बावल औद्योगिक क्षेत्र में स्थित जीएलएस केमिकल फैक्ट्री में 19 मई को लगी भीषण आग के छह दिन बाद लापता दो कर्मचारियों के अवशेष मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सर्च अभियान के दौरान फैक्ट्री परिसर से दोनों कर्मचारियों के कंकाल बरामद किए गए हैं। वहीं, इस हादसे में अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो चुकी है। अब कंकालों का पोस्टमॉर्टम और डीएनए सैंपल लिए जाएंगे, ताकि पहचान की पुष्टि की जा सके। बावल थाना प्रभारी फूल सिंह ने बताया कि 19 मई को बावल स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने के बाद दो कर्मचारी लापता हो गए थे। परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। रविवार को सर्च अभियान के दौरान दो मानव कंकाल मिले हैं। अब कंकालों का पोस्टमॉर्टम और डीएनए सैंपल लिए जाएंगे, ताकि पहचान की पुष्टि की जा सके। जानकारी के अनुसार आग लगने के बाद से बिहार के शेखपुरा निवासी 26 वर्षीय धर्मेन्द्र और नालंदा निवासी सतेन्द्र लापता थे। फैक्ट्री पूरी तरह जलकर खाक हो जाने के कारण उनकी तलाश में लगातार दिक्कत आ रही थी। दोनों कर्मचारियों के परिजन पिछले छह दिनों से कंपनी गेट के बाहर डटे हुए थे और प्रशासन से लगातार कार्रवाई की मांग कर रहे थे। फैक्ट्री परिसर में चल रहे सर्च अभियान के दौरान वहां से रविवार को दो मानव कंकाल बरामद हुए। इसके बाद प्रशासन ने दोनों परिवारों को इसकी सूचना दी। इस भीषण अग्निकांड में कुल छह कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए थे।

सोलर सिस्टम की जानकारी अब एक मिस्ड कॉल पर उपलब्ध होगी, इसके लिए अधिकारियों को दिए निर्देश : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देशभर में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के प्रत्येक बिजली विभाग के उपमण्डल अधिकारी (एसडीओ) कार्यालय में सोलर ऊर्जा से संबंधित एक विशेष डेस्क/विंडो स्थापित की जाए, ताकि आमजन को सोलर सिस्टम लगाने से जुड़ी सभी जानकारी एवं सुविधाएं एक ही स्थान पर सरलता से उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही, उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए एक समर्पित मिस्ड कॉल नंबर आधारित व्यवस्था भी विकसित की जाएगी, जिसके माध्यम से इच्छुक उपभोक्ताओं को सोलर सिस्टम लगाने से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने ये निर्देश आज यहां नव एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग

की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में ऊर्जा विभाग की आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़ भी उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान विज ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एसडीओ कार्यालयों में स्थापित की जाने वाली सोलर विंडो पर सोलर सिस्टम से संबंधित विस्तृत जानकारी, योजनाओं, सब्सिडी एवं लाभों के बारे में जागरूकता सामग्री और बैनर भी लगाए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असमंजस या परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि हरियाणा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देशभर में नंबर एक राज्य बने और इसके लिए गांव-गांव तथा शहर-शहर तक जनजागरूकता अभियान चलाए जाएं।

ऊर्जा मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सोलर सिस्टम अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। बैठक के दौरान विज ने बिजली शिकायत नंबर 1912 की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि इस हेल्पलाइन पर आने वाली प्रत्येक कॉल को अनिवार्य रूप से अटेंड किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं को तुरंत और प्रभावी प्रतिक्रिया दी जाए। उन्होंने कहा कि 1912 सेवा को और अधिक मजबूत एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाए।

पंजाब सरकार ने महिलाओं और किसानों से किए वादे नहीं किए पूरेः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़/नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वहां किसान और महिलाएं पंजाब में दुखी हैं और उनकी बातों को सुनने वाला पंजाब में कोई नहीं है। पंजाब सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि वहां महिलाओं को जो वादे किए गए थे, उनमें से आधे से भी ज्यादा योजनाओं को लागू नहीं किया गया। भगवंत मान ने महिलाओं से एक हजार रुपये प्रतिमाह देने का वायदा किया था लेकिन एक भी बहनों को वो पैसा नहीं दिया। अब सरकार के चार महीने रह गए हैं तो सूची बनाने का काम शुरू किया है।

हरियाणा भवन में महिला पत्रकारों से विशेष बातचीत में नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार जनता हित में गति और ईमानदारी के साथ कार्य कर रही है तथा मीडिया जगत से मिलने वाली सूचनाओं और अपडेट पर वह स्वयं संज्ञान लेते हैं। मुख्यमंत्री ने बीते 11 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महिला, युवा,

किसान और गरीब व्यक्ति चार प्रमुख स्तंभ हैं। महिला सशक्तिकरण पर सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत की थी। हरियाणा सरकार ने समाज के विभिन्न वर्गों को इस मुहिम से जोड़कर सकारात्मक परिणाम हासिल किए हैं। कई पंचायतों में बेटियों की जन्म दर बेटों से अधिक हुई है, जिन पंचायतों को सरकार द्वारा सम्मानित भी किया गया। साथ ही महिला सरपंचों को इन पंचायतों का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। पंचकूला में आयोजित स्वदेशी मेले का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि एक महिला ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने और बेटी की शादी जैसे खर्चों की चिंता समाप्त होने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की अनाज मंडियों में किसानों के लिए खोली गई अटल कैंटीनों का संचालन भी स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं कर रही हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'नमो ड्रोन दीदी' योजना में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभा रहा है।पंजाब को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां बाढ़ की स्थिति के दौरान हरियाणा सरकार ने हर जिले की समस्याओं को चिन्हित कर राहत सामग्री और सहायता पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि पंजाब के नेता किसानों को फसल खराबे के मुआवजे की सही जानकारी तक नहीं दे पाए। अब इसका जवाब आने वाले चुनावों में पंजाब की जनता देगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए हर माह 2100 रुपये की सहायता दी जा रही है और यह जनहितकारी कार्य सरकार बनने के पहले वर्ष में ही शुरू कर दिया गया।

हरियाणा सरकार ने छह आईएएस और 18 एचसीएस अधिकारियों के तबादले किए

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने छह भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और 18 हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) अधिकारियों के तबादला एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। जारी आदेशों के अनुसार, पानीपत के उपायुक्त पर्यावरण विभाग के निदेशक तथा पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग में विशेष सचिव वीरेंद्र कुमार दहिया को सचिवालय स्थापना में विशेष सचिव, पर्यावरण विभाग का निदेशक तथा पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग में विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। वर्तमान में पलवल के उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ को पानीपत का उपायुक्त लगाया गया है। वित्त विभाग में विशेष सचिव तथा हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. जयेन्द्र सिंह छिल्लर को पलवल का उपायुक्त बनाया गया है। सचिवालय स्थापना में अतिरिक्त सचिव, हैफेड में सतर्कता अधिकारी तथा राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक सम्वर्तक सिंह खंगवाल को एचएसवीपी, फरीदाबाद का प्रशासक तथा शहरी संपदा, फरीदाबाद का अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के मिशन निदेशक शाश्वत सांगवान को हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त उन्हें नागरिक संसाधन सूचना विभाग में अतिरिक्त सचिव का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। हिसार के अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी उत्सव आनंद को पलवल का अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी लगाया गया है। एचसीएस अधिकारियों में, नगर निगम हिसार में अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल को अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, हिसार लगाया गया है।

हरियाणा सरकार का जल संरक्षण प्लानः ग्राम समितियां संभालेंगी जलापूर्ति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने जल संरक्षण और प्रबंधन को मजबूत करने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया है। अब गांव स्तर पर जल प्रबंधन की कमान ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों को सौंपी जाएगी।मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में 'संचालन एवं रखरखाव नीति-2026' के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। इसके तहत अब ग्राम जल एवं सीवरेज समितियां जलापूर्ति योजनाओं की प्लानिंग, मॉनिटरिंग, बिलिंग, शिकायत निवारण और रखरखाव का जिम्मा संभालेंगी। मुख्य सचिव ने कहा कि सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केवल आधारभूत ढांचा तैयार करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके दीर्घकालिक संचालन एवं रखरखाव के लिए मजबूत व्यवस्था भी आवश्यक है। इसके लिए निरंतर निगरानी, मजबूत संस्थागत सहयोग और समुदाय की सक्रिय भागीदारी जरूरी है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव जे. गणेशन ने बताया कि ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों को नीति के तहत महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। ये समितियां जलापूर्ति की

योजना तैयार करने से लेकर निगरानी, आधारभूत ढांचे के प्रबंधन, शिकायत निवारण, बिलिंग, उपभोक्ता शुल्क संग्रहण और रिकॉर्ड के रखरखाव का कार्य भी करेंगी। ये समितियां मरम्मत कार्यों और रखरखाव गतिविधियों की निगरानी के साथ-साथ विभाग की तकनीकी टीमों के साथ समन्वय भी स्थापित करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि गांव स्तर पर संचालन एवं रखरखाव गतिविधियों के लिए संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु एक व्यवस्थित फंड फ्लो मैकेनिज्म विकसित किया गया है।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी उपायुक्त जिला जल एवं सीवरेज मिशन की बैठकें नियमित रूप से करें, ताकि ग्राम पंचायतों, ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित हो सके। नीति की एक विशेषता नीति-निर्धाण प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना भी है। अधिकारियों ने बताया कि ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों में महिलाओं की कम से कम 50 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

सीपीए नॉर्थ जोन सम्मेलन की तैयारियां तेज, विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने ली समीक्षा बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के उत्तर भारत क्षेत्र के जोन-2 सम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद विधान सभा अध्यक्ष ने हरियाणा लोक भवन पहुंच प्रदेश के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष को सम्मेलन में शामिल होने के लिए विधिवत निमंत्रण दिया। बैठक में सम्मेलन की विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण सम्मेलन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के नॉर्थ जोन सम्मेलन एक विशिष्ट श्रेणी का आयोजन है। इसलिए प्रत्येक व्यवस्था पर गहराई से विचार कर योजना इस प्रकार से बनाएं कि कम से कम संसाधनों का प्रयोग हो। विस अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा विधान सभा की मेजबानी में 8 से 10 जून तक होने वाला यह सम्मेलन लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित रहेगा। बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के महानिदेशक के एम पांडुरंग, अतिरिक्त निदेशक मनीष लोहान व हरियाणा विधान सभा के अधिकारी मौजूद रहे।

ऊर्जा संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी बनाएं, देश बनेगा आत्मनिर्भरः मनोहर लाल

एजेंसी

जींद। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री तथा हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक ऊर्जा संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी समझे तो देश आत्मनिर्भरता की दिशा में और मजबूत होगा। बीबीपुर गांव में पूर्व सरपंच सुनील बीबीपुर द्वारा चलाई गई 'सेल्फी विद डॉटर' मुहिम की सराहना करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और ऊर्जा संरक्षण को लेकर लगातार जनभागीदारी आधारित अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों का उद्देश्य केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान से प्रेरित होकर बीबीपुर गांव से शुरू हुई सेल्फी विद डॉटर मुहिम ने न केवल देश बल्कि विदेशों तक अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में इस मुहिम का उल्लेख करते हुए इसकी सराहना की है। जिसके बाद यह अभियान देशभर में बेटियों के सम्मान और जागरूकता का प्रतीक बन गया। उन्होंने कहा कि

समाज में फैली कन्या भ्रूण हत्या, लिंग भेदभाव और बेटियों के प्रति नकारात्मक सोच जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए इस प्रकार की सकारात्मक सामाजिक मुहिम अत्यंत आवश्यक हैं। ऐसे प्रयासों से समाज में जागरूकता आती है और लोगों की सोच में बदलाव होता है। उन्होंने कहा कि बीबीपुर गांव ने सामाजिक चेतना की दिशा में जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह अन्य गांवों और समाज के लिए भी प्रेरणादायक है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे ईंधन बचाओ अभियान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रधानमंत्री की सोच को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं।

कुमारी सैलजा ने पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों पर भाजपा सरकार को घेरा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार लगातार महंगाई बढ़ाकर आम जनता की कमर तोड़ने का काम कर रही है। पिछले 11 दिनों में चार बार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाकर सरकार ने आम आदमी, किसान, मजदूर, व्यापारी और मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हुई लगभग 08 रुपये की वृद्धि ने हर घर का बजट बिगाड़ दिया है। ईंधन महंगा होने से परिवहन, खाद्य सामग्री, खेती-किसानी और रोजमर्रा की वस्तुओं की लागत भी बढ़ती है, जिसका सीधा असर जनता की जेब पर पड़ता है। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का बहाना बनाकर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार लगातार टैक्स और वेट के माध्यम से जनता से वसूली कर रही है, जबकि निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने की नीतियां अपनाई जा रही हैं। सांसद कुमारी सैलजा उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मत है कि सरकार को जनता पर बोझ डालने के बजाय राहत देने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। केंद्र और राज्य सरकारों को पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले वेट और एक्साइज ड्यूटी में तत्काल कमी करनी चाहिए ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों का सबसे अधिक नुकसान गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग को उठाना पड़ रहा है। महंगाई लगातार बढ़ रही है लेकिन लोगों की आय नहीं बढ़ रही। ऐसे में सरकार का दायित्व बनता है कि वह जनता के हितों को प्राथमिकता दे, न कि कुछ निजी कंपनियों के मुनाफे को।

केजी-बेसिन गैस विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने सुलह प्रक्रिया पर सहमति जताई

शीर्ष अदालत ने जुलाई के तीसरे सप्ताह तक सुनवाई स्थगित की

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की केंद्र सरकार के साथ कृष्णा-गोदावरी बेसिन गैस विवाद को आपसी सहमति से सुलझाने की नई अर्जी स्वीकार कर ली है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि दोनों पक्ष समाधान निकाल लेते हैं, तो लंबित अपील का निपटारा कर दिया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस उल्लेख का संज्ञान लिया कि सुलह प्रक्रिया के लिए आवेदन किया गया है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने सरकार की ओर से इस अनुरोध पर विचार करने की सहमति जताई। इस पर न्यायालय ने मामले की सुनवाई जुलाई के तीसरे सप्ताह तक स्थगित कर दी। पीठ ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यदि विवाद सुलह से सुलझता है तो हमें खुशी होगी। गौरतलब है कि 20 मई को इसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने रिलायंस और उसकी साझेदार कंपनियों की मध्यस्थता की पिछली मांग को ठुकरा दिया था। यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर अपीलों से संबंधित है, जिसने मध्यस्थता न्यायाधिकरण के रिलायंस के पक्ष में दिए गए फैसले को रद्द कर दिया था। कंपनियों पर केजी बेसिन के ऐसे गैस भंडारों से गैस निकालने का आरोप है, जिनका दोहन करने का उन्हें अधिकार नहीं था।

ताइवान बना दुनिया का पांचवां बड़ा शेयर बाजार, भारत को पीछे छोड़ा

ताइवान का बाजार मूल्य 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा, जबकि भारत 4.92 ट्रिलियन डॉलर के साथ छठे स्थान पर

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्रांति की लहर पर सवार होकर ताइवान ने वैश्विक शेयर बाजार में एक बड़ी छलांग लगाई है। देश ने भारत को पीछे छोड़ते हुए सोमवार तक दुनिया के पांचवें सबसे बड़े इक्विटी मार्केट का दर्जा हासिल कर लिया है, जिसका कुल बाजार पूंजीकरण 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय मुख्य रूप से दिग्गज चिप निर्माता कंपनी ताइवान सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चे रिंग कंपनी को जाता है, जिसकी एआई चिप्स की बढ़ती वैश्विक मांग ने ताइवानी बाजार को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचाया है। यह न सिर्फ ताइवान की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक टेक सप्लाई चेन में उसके केंद्रीय महत्व को भी रेखांकित करता है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को ताइवान के शेयर बाजार का कुल मार्केट कैप 4.95 ट्रिलियन डॉलर दर्ज किया गया, जबकि भारत का बाजार मूल्य घटकर 4.92 ट्रिलियन डॉलर रह गया। इस बदलाव के साथ, दुनिया के सबसे बड़े इक्विटी बाजारों की सूची में अब अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद ताइवान का नाम शामिल हो गया है। ताइवान की इस शानदार प्रगति का सबसे प्रमुख कारण दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता टीएसएमसी रही है। कंपनी के शेयरों में इस साल अकेले करीब 49 प्रतिशत की जबरदस्त उछाल देखी गई है। एआई सेक्टर में अभूतपूर्व मांग बढ़ने से टीएसएमसी को सीधा फायदा मिला है, क्योंकि उसके उन्नत सेमीकंडक्टर वैश्विक टेक दिग्गजों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप्स के निर्माण में रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं। एने विडिया जैसी कंपनियों के लिए चिप्स बनाने वाली टीएसएमसी ने एआई चिप्स की बढ़ती जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रुपया 17 पैसे गिरकर 95.43 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया पिछले दिन 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में मंगलवार को रुपया शुरुआती कारोबार में 17 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बने रहने तक रुपये पर व्यापक दबाव जारी रह सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उपाय और तरलता बढ़ाने से निकट अवधि में कुछ राहत दे सकते हैं और उतार-चढ़ाव को सीमित कर सकते हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 17 पैसे कमजोर है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 45 अंक नीचे आकर 95.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 17 पैसे फिसलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 17 पैसे कमजोर है। सोमवार को रुपया 34 पैसे मजबूत होकर 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

कारोबारियों के अनुसार उस दिन आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर

एचपीसीएल की ईंधन बिक्री में मजबूत उछाल

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी तेल विपणन कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने मई महीने के शुरुआती 24 दिनों में ईंधन बिक्री में शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो आर्थिक गतिविधियों में तेजी और बढ़ी हुई उपभोक्ता मांग का स्पष्ट संकेत है। कंपनी के अनुसार 1 से 24 मई के दौरान पेट्रोल की खुदरा बिक्री 7.36 लाख टन दर्ज की गई, जो पिछले साल की इसी अवधि के 7 लाख टन से 5 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह डीजल की खुदरा बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 7 प्रतिशत बढ़कर 14.27 लाख टन पर पहुंच गई। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी ने 13.35 लाख टन डीजल बेचे थे। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आ रही है और लोगों की आवाजाही बढ़ रही है, जिससे ईंधन की खपत में इजाफा हुआ है।

महंगा हुआ घर खरीदना, बिक्री मूल्य 16 फीसदी बढ़ा

आपूर्ति बढ़ने से बिना बिके मकानों की संख्या 13 फीसदी बढ़कर 12 लाख इकाई हुई

नई दिल्ली।

भारत के प्रमुख शहरों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान घरों की बिक्री में एक दिलचस्प प्रवृत्ति देखने को मिली है। एक रिपोर्ट बताती है कि जहां घरों की बिक्री का कुल मूल्य 16 फीसदी बढ़कर 9.33 लाख करोड़ रुपये हो गया, वहीं बेचे गए घरों की संख्या में 1 फीसदी की मामूली गिरावट आई। एक गैर-ब्रोकरेज रियल एस्टेट अनुसंधान और डेटा विश्लेषण कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश के 75 प्रमुख शहरों में वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 7,09,793 आवासीय इकाइयाँ बिकीं, जो पिछले वित्त वर्ष की 7,19,029 इकाइयों से थोड़ी कम है। हालांकि, मूल्य के हिसाब से बिक्री 9,32,965 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो यह दर्शाता है कि प्रॉपर्टी की औसत कीमतें बढ़ी हैं। इसी अवधि में नए घरों की आपूर्ति 10 प्रतिशत बढ़कर 6,20,842 इकाई हो गई। आपूर्ति में वृद्धि के कारण बिना बिके मकानों (अनसोल्ड इन्वेंट्री) की संख्या में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह लगभग 12 लाख इकाई तक पहुंच गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि शीर्ष आठ शहरों में बिक्री थोड़ी घटकर 5,07,850 इकाई रही, जबकि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में भी बिक्री में मामूली गिरावट आई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 479 , निफ्टी 118 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। आज सुबह बाजार खुलते ही तेजी दिखी पर समय बीतने के साथ ही बाजार का रुख बदलने लगा और उसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद दोनों बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 479 अंक टूटकर 76,009 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी दिन के अंत में 118 अंक नीचे आकर 23,913 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज़्यादा उछाल अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में आया।

इसके अलावा टाटा मोटर्स , टेक महिंद्रा के अलावा नेस्ले इंडिया के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर अपोलो अस्पताल के अलावा विप्रो , भारती एयरटेल और ट्रेंट के शेयर गिरे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी एनर्जी के अलावा निफ्टी कमोडिटीज में तेजी रही जबकि निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी सर्विसेज सेक्टर और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स भी 141.36 अंक की गिरावट के साथ 76,347.60 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप में हल्की 0.14 फीसदी की तेजी रही, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.65 फीसदी की मजबूत बढ़त के रही। ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और रियल्टी इंडेक्स दबाव में रहे, वहीं सूचना प्रौद्योगिकी और मीडिया सेक्टर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजार को कुछ सहारा दिया।

यह गिरावट अमेरिका द्वारा दक्षिणी ईरान में किए गए ताजा सैन्य हमलों के बाद बढ़ी वैश्विक अनिश्चितता के कारण आई है। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

श्रीलंका में केंद्रीय बैंक का बड़ा कदम, ब्याज दरों में एक फीसदी की बढ़ोतरी

तीन साल में पहली बार बढ़ी दरें, वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी वजह

कोलंबो ।

श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण मौद्रिक नीतिगत फैसले में अपनी प्रमुख नीतिगत ब्याज दर में एक प्रतिशत अंक (100 आधार अंक) की वृद्धि कर दी है। यह बीते तीन वर्षों में पहली बार है जब केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति को सख्त किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य घरेलू मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाना और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच कमजोर पड़ रहे श्रीलंकाई रुपये को सहारा देना है। मौद्रिक नीति बोर्ड की बैठक के बाद लिए गए इस निर्णय से ओवरनाइट नीतिगत दर (ओपीआर) अब बढ़कर 8.75 प्रतिशत हो गई है। इसके साथ ही, मानक जमा सुविधा दर (एसडीएफआर) को 8.25 प्रतिशत और स्थायी उधारी सुविधा दर (एसएलएफआर) को 9.25 प्रतिशत कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दर में वृद्धि का यह निर्णय घरेलू और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बदलते परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए लिया है। बैंक ने विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल सहित अन्य जिंसों की कीमतों में हो रही वृद्धि का हवाला दिया, जिसका सीधा असर वैश्विक और घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आने वाले समय में मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत के उसके लक्ष्य से ऊपर बनी रह सकती है, हालांकि बाद में इसके स्थिर होने की संभावना है। इसके

अतिरिक्त, श्रीलंकाई रुपये पर हाल के हफ्तों में दबाव देखा गया है, जो इस साल की शुरुआत से 22 मई तक 7.2 प्रतिशत कमजोर हो चुका था। हालांकि, बैंक का कहना है कि अब स्थिति में कुछ हद तक स्थिरता आई है।

प्रीमियर एनर्जीज में 2,291 करोड़ का संस्थागत निवेश

नई दिल्ली।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड में वैश्विक और घरेलू वित्तीय संस्थानों ने बड़ा दांव लगाया है। नोमुरा एसेट मैनेजमेंट और कैपिटल ग्रुप सहित कई संस्थागत निवेशकों ने कंपनी में 2,291 करोड़ रुपये में 5.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से संपन्न हुआ। इस सौदे में कनाडा के पब्लिक सेक्टर पेंशन इन्वेस्टमेंट बोर्ड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसे विदेशी निवेशक, और क्वांट म्यूचुअल फंड, बजाज फिनसर्व, बंधन म्यूचुअल फंड के साथ-साथ एचडीएफसी लाइफ व एसबीआई लाइफ जैसी प्रमुख घरेलू संस्थाएं शामिल रहीं। कंपनी के चार प्रवर्तकों ने औसतन 955 रुपये प्रति शेयर के भाव से कुल 2,39,85,197 शेयर बेचे, जिससे उनकी हिस्सेदारी 63.94 प्रतिशत से घटकर 58.65 प्रतिशत हो गई। यह निवेश ऐसे समय में हुआ है जब प्रीमियर एनर्जीज को हाल ही में 1,600 मेगावाट क्षमता के सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के बड़े ऑर्डर मिले हैं।

भारत-कनाडा एफटीए 2030 के अंत तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

पीयूष गोयल और मनिंदर सिद्धू ने जताई प्रतिबद्धता; तीसरे दौर की वार्ता ओटावा में जारी

नई दिल्ली।

भारत और कनाडा इस वर्ष के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी कनाडा यात्रा के दौरान यह घोषणा की, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। ओटावा में कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में पीयूष गोयल ने बताया कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने इस साल के अंत तक इस समझौते को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। गोयल ने कहा कि हमारा उद्देश्य मौजूदा 17 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 2030 तक 50 अरब डॉलर करना है। अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से भी मुलाकात की, जिन्होंने एफटीए को कनाडाई कामगारों और कारोबार के लिए गेम चेंजर बताया। कार्नी ने ऊर्जा, कृषि-खाद्य, प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी गिनाईं। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर तीसरे दौर की वार्ता 25 से 29 मई तक ओटावा में जारी है। भारत की ओर से संयुक्त सचिव बृजमोहन मिश्रा और कनाडा की ओर से ब्रूस क्रिस्टी मुख्य वार्ताकार हैं। द्विपक्षीय व्यापार में दवाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दालें और कच्चा पेट्रोलियम प्रमुख मदें हैं, जबकि कनाडा में 4.25 लाख से अधिक भारतीय छात्र और एक बड़ा भारतीय समुदाय भी रहता है।

यूपीआई पेमेंट में बदलाव, अब दुकानों पर दिखेगा सिर्फ एक स्मार्ट साउंडबॉक्स!

एनपीसीआई ला रहा वन साउंडबॉक्स रूल, सभी ऐप्स के लिए एक ही डिवाइस देगा पेमेंट की जानकारी

नई दिल्ली ।

भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में एक महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी है। अब दुकानों पर गूगल प्ले, फोनपे और पेटीएम जैसे अलग-अलग यूपीआई ऐप्स के लिए कई साउंडबॉक्स रखने की झंझट खत्म होने वाली है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) एक नया नियम लाने जा रहा है, जिसका लक्ष्य पेमेंट अनुभव को और भी सुव्यवस्थित करना है। एनपीसीआई अब वन साउंडबाक्स रूल लागू करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसके तहत इंटरोपेरेबल साउंडबाक्स तकनीक विकसित की जा रही है। इसका सीधा मतलब है कि दुकानदारों को अब कई कंपनियों के अलग-अलग साउंडबॉक्स रखने की जरूरत नहीं होगी।

भविष्य में सिर्फ एक ही स्मार्ट साउंडबॉक्स होगा जो किसी भी यूपीआई ऐप से आने वाले पेमेंट की जानकारी और पुष्टि आवाज के माध्यम से देगा। यह सुविधा उसी तरह काम करेगी जैसे आज एक क्यूआर कोड सभी यूपीआई ऐप्स के साथ संगत होता है। यह पहल विशेष रूप से छोटे दुकानदारों के लिए एक बड़ी राहत होगी। उन्हें अब काउंटर पर कई डिवाइस रखने, उनका मासिक किराया या खर्च चुकाने और जगह घेरने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इससे उनके काउंटर साफ-सुथरे और व्यवस्थित दिखेंगे, संचालन लागत में कमी आएगी और डिजिटल पेमेंट को अपनाना और भी आसान हो जाएगा। इस बदलाव से डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम और परिपक्व होगा।

पुराने गहने एक्सचेंज करने पर लग सकता है कैपिटल गेन टैक्स!

टैक्स विशेषज्ञः यह सिर्फ डिजाइन बदलना नहीं, संपत्ति का हस्तांतरण है

नई दिल्ली ।

भारत में अक्सर लोग पुराने गहनों को एक्सचेंज कर नए डिजाइन बनवाते हैं, लेकिन यह आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। टैक्स विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रक्रिया केवल डिजाइन बदलने तक सीमित नहीं, बल्कि इनकम टैक्स नियमों के तहत एसेट ट्रांसफर यानी संपत्ति का हस्तांतरण माना जा सकता है, जिस पर कैपिटल गेन टैक्स भी लागू हो सकता है। आयकर कानून के तहत पुराने गहनों के बदले नए गहने लेना भी ट्रांसफर माना जाता है। यदि किसी व्यक्ति ने सालों पहले कम कीमत पर सोना खरीदा था और अब एक्सचेंज के दौरान उसकी कीमत काफी बढ़ गई है, तो बढ़ी हुई वैल्यू पर कैपिटल गेन टैक्स चुकाना पड़ सकता है। भले ही उपभोक्ता को सीधे नकदी न मिली हो, टैक्स विभाग इसे संपत्ति के हस्तांतरण के रूप में देखेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, पुश्तैनी और पुराने गहनों के मामले में यह दिक्कत ज्यादा होती है, क्योंकि अक्सर इनकी खरीद के दस्तावेज या असली कीमत का रिकॉर्ड नहीं मिलता, जिससे टैक्स की गणना जटिल हो जाती है। विरासत या वसीयत में मिले गहनों पर भी यही नियम लागू हैं, जहां पुराने मालिक की खरीद कीमत आधार बनती है। 1 अप्रैल 2001 की कीमत कैपिटल गेन गणना में महत्वपूर्ण है।

आजकल ज्वेलर्स भले ही आसानी से एक्सचेंज की सुविधा दे रहे हों, पर बिना सही रिकॉर्ड और मूल्यांकन के भविष्य में दिक्कत हो सकती है। टैक्स विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि गहनों के एक्सचेंज से पहले खरीद तारीख, अनुमानित कीमत और सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच जरूर कर लें, ताकि भविष्य में किसी टैक्स नोटिस या अतिरिक्त बोझ से बचा जा सके।

अदाणी ग्रीन ने 3.3 गीगावाट घंटा बैटरी स्टोरेज क्षमता हासिल की

खावड़ा परियोजना भारत के ऊर्जा भविष्य में निभा रही बड़ी भूमिका

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा में अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की परिचालन क्षमता को बढ़ाकर 3.37 गीगावाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) कर दिया है। मार्च 2026 में 1.37 गीगावाट घंटा की अतिरिक्त क्षमता जोड़ने के बाद, यह संयंत्र अब चीन के बाहर एक ही स्थान पर स्थापित दुनिया की सबसे बड़ी और वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से लागू की गई बैटरी भंडारण परियोजना बन गया है। खावड़ा में एजीईएल 30 गीगावाट का एक विशाल नवीकरणीय ऊर्जा पार्क विकसित कर रहा है, जिसमें से 9.9 गीगावाट पहले ही चालू हो चुका है। यह 3.37 गीगावाट की बीईएसएस क्षमता लगभग 10 लाख घरों को एक दिन तक स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने या 1.2 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों को 10 घंटे तक लगातार ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम है। कंपनी की योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 तक 10 गीगावाट घंटा से अधिक बैटरी भंडारण क्षमता जोड़ने और अगले पांच वर्षों में इसे 50 गीगावाट तक पहुंचाने की है। एजीईएल के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने इस उपलब्धि पर जोर देते हुए कहा, ÷बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के अगले चरण में अहम भूमिका निभाएगा। विश्वसनीय और 24 घंटे स्वच्छ बिजली आपूर्ति के लिए भंडारण अवसंरचना जरूरी है।÷ एजीईएल का कुल परिचालन नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो अब 19.7 गीगावाट है।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं।

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः' का उद्घोष किया, जिस धरती से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी 'गलती' केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में 'वृद्ध सम्मान' को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मर्यादाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

संपादकीय

एक और मिल्खा सिंह

एक प्रेरक कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, सचमुच वो सारी रात नहीं सोया होगा। आज जब हम पंजाब के पुत्र गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी की बात कर रहे हैं तो हमें इस मुकाम तक पहुंचने के उसके संघर्ष को भी याद करना चाहिए। कोई भी कामयाबी रातों-रात नहीं मिलती। महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं इस कामयाबी में उनके परिवार का खामोश त्याग भी शामिल है, जो उनकी कामयाबी के बाद ही सुर्खियों में नजर आ पाया है। जालंधर के निकट स्थित पटियाल गांव के स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में फेडरेशन कप में जब सौ मीटर की दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी की तो इस मुकाम तक पहुंचने वाले वे पहले भारतीय थे। एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना। इस इतिहास को रचकर गुरिंदरवीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शामिल हो गए हैं। इस सफलता का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस कामयाबी के बाद वे स्वतः ही राष्ट्रमंडल खेलों में खेलने के हकदार हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में एक और पदक जीतने की उम्मीद फिर से जगा दी है। उल्लेखनीय है कि स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर का सौ मीटर की दौड़ पूरी करने का यह समय इस सीजन में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है। वे जापान के फुकुतो कोमुरो से महज .01 सेकेंड ही पीछे रहे हैं। विश्वास करना चाहिए कि भविष्य में गुरिंदरवीर सिंह नये मुकाम हासिल करेंगे।

यह विरोधाभास ही है कि जब कोई खिलाड़ी रिकॉर्ड कामयाबी हासिल करता है तो हम उसे पलक-पावड़ों पर बैठा देते हैं। मान-सम्मान और पुरस्कार देते हैं। लेकिन यदि छोटी उम्र में ही प्रतिभा को पहचान करके उसे पर्याप्त संसाधन व प्रशिक्षण प्रदान करें तो देश में कई गुरिंदरवीर तैयार हो सकते हैं। गुरिंदरवीर सिंह की इस कामयाबी के पीछे कई प्रेरणादायक कहानियां भी निहित हैं। उनका मानवीय पहलू हमारे समाज की सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। उनके पिता ने अपने बेटे को दौड़ के अभ्यास हेतु भेजने के लिये किश्तों में एक पुराना स्कूटर खरीदा था। जो बताता है कि एक तरफ क्रिकेट खिलाड़ियों पर लाखों-करोड़ों वारे जाते हैं तो दूसरी ओर परंपरागत खेलों से जुड़े खिलाड़ियों का संघर्ष कितना बड़ा है। वहीं गुरिंदरवीर सिंह को तराशने-निखारने की यात्रा में भारतीय नौसेना के योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जिसने गुरिंदरवीर सिंह को ट्रैक पर उत्कृष्ट सफलता हासिल करने हेतु संबल दिया। निस्संदेह, गांव-कस्बों से निकलने वाली प्रतिभाओं की कामयाबी के पीछे सीमित संसाधनों वाले माता-पिता के दृढ़ संकल्प और त्याग की कहानी छिपी रहती है। गुरिंदरवीर सिंह जैसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी के पीछे एक परिवार शिद्दत के साथ खड़ा होता है, जो उसके सुनहरे भविष्य के लिये अपनी सुख-सुविधा, बचत व आर्थिक सुरक्षा तक त्याग कर देता है।

चिंतन-मनन

धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरूआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया। शुरूआत और संस्थापकः इसकी शुरूआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं। विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया। सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है। मुख्य मांग और विवादः इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे। बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है। अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टे-केगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरूआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरूआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा। इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं। यहां यह भी बता देंकि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी।

जनजातीय धर्मभक्ति की ज्वाला से बढ़ा दिल्ली का तापमान

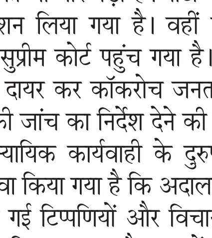

तरुण विजय

लाल किले के प्राचीर से भारत वर्ष के कोने कोने से आये लाखों जनजातीय समाज के लोगों ने अपने धर्म, संस्कृति की रक्षा, हेतु जो हुंकार भरी उसकी अनुगूंज वर्षों वर्षों तक कायम रहेगी। सर्वाधिक मंत्रमुग्ध करने वाला प्रभावशाली विचारोत्तेजक सम्बोधन था भारत के गृहमंत्री अमित शाह का जिन्होंने निर्भीक स्पष्टता से भारतीय जनजातीय समाज की धर्मरक्षा, संस्कृतिरक्षा की बात की। वह अभूतपूर्व और असाधारण बात थी और उन्होंने लाखों जनजातीय बंधुओं-बहनों को एक प्रकार से रोमांचित कर दिया। उनके यह शब्द वर्षों तक याद किए जाएंगे कि भगवान बिरसा मुंडा को तो मैंने नहीं देखा लेकिन आज जो यहाँ जनजातीय समाज का सागर उमड़ पड़ा है मैं उन में बिरसा मुंडा के दर्शन कर रहा हूँ और यह जनजातीय सांस्कृतिक समागम बिरसा मुंडा के उलगुलान (परिवर्तन हेतु जन क्रांति) के बाद का पहला समागम है। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी भी कोई धर्मरक्षा संस्कृतिरक्षा का समागम नहीं हुआ।

इन शब्दों ने जो साहस दिया, जनजातियों का जो मनोबल बढ़ाया उसकी कोई तुलना नहीं है। यह समागम एक प्रकार से जनजातीय वहाँ महा कुंभ था जिसमें सात सौ से अधिक जनजातियों के लोग आए जो जैसलमेर से लेकर लद्दाख, तवांग अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, त्रिपुरा से लेकर अंडमान निकोबार, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल झारखंड से, छत्तीसगढ़- सब जगह से।

ऐसा देश ने कभी देखा नहीं और दिल्ली के सद्भावी नागरिकों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और हर घर में इन जनजातीय भाई-बहनों को रुकवाया गया। उनकी सेवा की, उनको भोजन, पानी दिया उनको स्टेशन से लाए और छोड़ने गए। ऐसा दिल्ली ने कभी दृश्य देखा नहीं। दिल्ली का ह्दय कितना बड़ा है वह इस समागम के आतिथ्य से पता चला। दिल्ली के राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने इस जनजातीय बंधू बहनों का इतना सुंदर सत्कार किया कि उसको व्यक्त करना संभव नहीं है।

जो भी जनजातीय समाज छोड़कर ईसाई बनता है, कन्वर्टेड होता है उसको जनजातीय समाज की सूची यानी शेड्यूल ट्राइब सूची से बहार निकल कर मूल जनजातियों को बचाइए क्योंकि धर्मान्तरण करने वाला जनजातीय रह ही नहीं जाता है। जनजाति समाज के वरिष्ठ इंजीनीयर, पद्मश्री से अलंकृत अरुणाचल के प्रसिद्द वैचारिक अग्रणी तिची गुबिन ने कहा कि वहाँ अरुणाचल क्रिस्चियन फोरम है। उसके नेताओं ने खुले आम सोशल मीडिया पर धमकी दी है कि वे पूरे अरुणाचल को ईसाई लैंड बनाएंगे, क्रिस्चियन लैंड बनाएंगे। गुबिन ने मांग की है कि हमारे धर्म की रक्षा की जाए और जो भी हमारे समाज को छोड़कर ईसाई होता है उसको शिड्यूल ट्राइब की लिस्ट से डीलिस्ट किया जाए।

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। हम इस कनवर्जन के राक्षस से भी लड़ सकते हैं और इस राक्षस को हम समाप्त करेंगे।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में इस समागम का आयोजन हुआ। यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा गैर ईसाई जनजातीय संगठन है। देश भर में वनवासी कल्याण आश्रम के सत्रह हजार से अधिक प्रकल्प चलते हैं, जिनमें छात्रावास, आरोग्य केंद्र, विद्यालय, धर्मजागरण मंच, खेलकूद केंद्र, शामिल हैं। इसके कार्यकताओं में आईआईटी के स्नातक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, जे एनयू, दिल्ली विश्विद्यालय के प्राध्यापक, महिला अधिकार रक्षा संगठनों के प्रमुख, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अनेक मंत्री, सांसद आदि सब सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अध्यक्ष राजस्थान के भील जनजाति से सतेंद्र सिंह हैं, जिनका धाराप्रवाह सम्बोधन मुर्दों में भी जान फूंक देता है। इसी प्रकार संगठन के प्रमुख कार्यकताओं पदाधिकारियों में अतुल जोग, भगवान सहाय, प्रमोद पेठकर, हर्ष चौहान, तेचि गुबिन जैसे अत्यंत श्रेष्ठ विद्वान हैं परन्तु वे कभी भी सामने आते नहीं, शांत निर्विकार भाव से अचीन्हे अनजान रहकर जनजाति रक्षा और विकास के कार्य में लगे रहते हैं। उन्ही की और इंगित करते होते अमित शाह ने अपने सम्बोधन में कहा कि जनजाति समाज का हमारे प्रति इतना विश्वास है कि हाल ही के बंगाल चुनावों में प्रदेश की सोलह में से सोलह जनजातीय सीटें भाजपा ने जीतीं हैं।

लाल किले के जनजातीय समागम में मणिपुर, अरुणाचल, नागालैंड और असम की बहनों ने इतना सुंदर वंदे भारतम गाया की सब चकित रह गए। इस समागम की गूंज आने वाले वर्षों तक केवल गूंजती हे नहीं रहेगी बल्कि इसका असर होगा और भारत सरकार को बाध्य होना पड़ेगा कि वह धर्मान्तरित होने वाले तमाम जनजातीय लोगों को डी लिस्ट करे शिड्यूल ट्राइब से बाहर निकाले।

इस समागम ने जनजातीय समाज को शक्ति दी है, भक्ति दी है, युक्ति दी है, तत्त्वचिंतन दिया है और पराक्रम का एक भाव जागृत किया है कि हम जनजातीय हैं, हम भारत माता की संतान हैं, हम कभी परास्त नहीं होंगे राष्ट्र के शत्रुओं को, संस्कृति और धर्म के शत्रुओं को हम परास्त करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में नौ मंजिला इमारत गिरी, 21 लोग मलबे में दबे

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस की राजधानी मनीला के उत्तर में स्थित एंजेल्स शहर में रविवार तड़के एक निर्माणाधीन नौ मंजिला इमारत ढह गई। इस हादसे में कम से कम 21 लोग लापता हैं, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश और तूफान के बाद यह हादसा हुआ। राहत कार्य के दौरान मलबे के नीचे से कुछ आवाजें सुनाई दी हैं, बचावकर्मी कंक्रीट काटकर लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

बहरीन : आईआरजीसी के साथ साजिश के आरोप में 9 को उम्रकैद

बहरीन, एजेंसी। बहरीन की एक अदालत ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के साथ मिलकर देश के खिलाफ आतंकवादी और शत्रुतापूर्ण कृत्यों की साजिश रचने के आरोप में नौ दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। रविवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दो अन्य आरोपियों को तीन-तीन साल जेल की सजा दी गई है। दोषी पाए गए व्यक्ति संवेदनशील स्थलों की जानकारी जुटाने और वित्तीय लेनदेन की सुविधा प्रदान करने में शामिल थे।

बलूचिस्तान में मुठभेड़ में नौ लड़ाकों और चार जवानों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में स्थानीय लड़ाकों के खिलाफ चलाए गए एक खुफिया ऑपरेशन में चार सुरक्षाकर्मी मारे गए और सात घायल हो गए। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार को बताया कि कुचलक और नोहसार इलाकों में शनिवार को हुई मुठभेड़ में नौ लड़ाके भी ढेर कर दिए गए। मारे गए सभी जवान आतंकवाद निरोधी विभाग के थे। घायल कर्मियों का क्वेटा में इलाज चल रहा है। सुरक्षा बलों ने पहले भी 35 लड़ाकों को ढेर किया था।

पाकिस्तान : आतंकियों ने शांति समिति के चार सदस्यों को मारा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवादियों ने बड़ा हमला कर दिया। यह हमला डेरा इस्माइल खान जिले की कुलाची तहसील में हुआ, जहां स्थानीय शांति समिति के सदस्यों को निशाना बनाया गया। इस हमले में चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने घात लगाकर समिति के सदस्यों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमलावरों ने सिर्फ हमला ही नहीं किया, बल्कि समिति के एक सदस्य का अपहरण भी कर लिया। इसके अलावा आतंकवादी वहां मौजूद अन्य सदस्यों के हथियार भी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अब तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवादी हमलों से प्रभावित रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस का कहना है कि आतंकियों की तलाश जारी है और जल्द ही हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। मालूम हो कि पाकिस्तान में विद्रोही संगठन भी लगातार हिंसक आंदोलन कर रहे हैं।

स्पेन : घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन, नारेबाजी

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में हजारों लोगों ने घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन किया है। लोग लगातार बढ़ते किराए और घरों की कीमतों से परेशान हैं। इससे कई स्पेनिश नागरिकों के लिए घर खरीदना मुश्किल हो गया है। यह प्रदर्शन रविवार को शहर के केंद्र में किया गया। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के लिए 2027 के चुनाव से पहले स्पेन में आवास संकट एक बड़ी राजनीतिक चुनौती माना जा रहा है।

द. चीन सागर में ताइवान के नियंत्रण वाले द्वीप के पास टकराव के बाद वापस लौटा चीनी जहाज

ताइपे, एजेंसी। दक्षिण चीन सागर के उत्तरी छोर पर स्थित रणनीतिक तौर से अहम प्रतास द्वीप समूह के पास ताइवान और चीन के तटरक्षकों के बीच गंभीर गतिरोध और तीखी बहस के बाद रविवार को आखिरकार चीनी तटरक्षक जहाज वापस लौट गया। ताइवानी तटरक्षक बल के मुताबिक, शनिवार को एक चीनी तटरक्षक जहाज प्रतास द्वीप की ओर आते देखे जाने पर ताइवान ने जहाज भेज तुरंत चेतावनी दी थी। इस पर दोनों पक्षों के बीच संप्रभुता को लेकर रेडियो पर तीखी बहस हुई। इसमें चीन ने अपने जहाज के रोजाना की गश्त पर होने और प्रतास द्वीप के चीन की संप्रभुता और अधिकार होने की बात कही। इसके जवाब में ताइवानी जहाज ने चीनी जहाज से शांति भंग न करने और वापस लौटने को कहा।

यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला, रूस ने बरसाया घातक हथियार, क्या है हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल

कीव, एजेंसी। रूस ने रविवार को कीव पर हमले में ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान शक्तिशाली हाइपरसोनिक ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। इस हमले में दो लोग मारे गए। यह चार साल के युद्ध में तीसरी बार है जब इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है। भीषण हवाई हमले से यूक्रेन की राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारत समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। यूक्रेन के प्रधानमंत्री जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में बताया कि परमाणु या पारंपरिक युद्धक सामग्री ले जाने में सक्षम ओरेश्निक मिसाइल से कीव क्षेत्र के बिला त्सेरक्वा शहर पर निशाना साधा गया। उन्होंने बताया कि लक्ष्य का तुरंत पता नहीं चल पाया है।

क्या है ओरेश्निक मिसाइल : ओरेश्निक मिसाइल आवाज की रफ्तार से 10 गुना अधिक यानी मैक 10 की रफ्तार से लक्ष्य की ओर बढ़ती है। यह भूमिगत बंकरों को भी तीन, चार या उससे अधिक मंजिलों की गहराई तक नष्ट करने में सक्षम है। रूसी भाषा में 'ओरेश्निक' का अर्थ हेजलनट का पेड़ होता है। यह तीसरी बार है जब रूस ने ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल यूक्रेन पर किया है। रूस ने पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल किया था। दूसरी बार इसका इस्तेमाल जनवरी में पश्चिमी लवीव क्षेत्र में किया गया था। यूक्रेन का क्या दावा यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, इस संयुक्त हमले में 600 ड्रोन और 90 हवाई, समुद्री और जमीनी मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 549 ड्रोन और 55 मिसाइलों को नष्ट कर दिया या बीच में रोक दिया। वायु सेना ने बताया कि लगभग 19 मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाईं। इससे पहले, जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से मिली खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए चेतावनी दी थी कि रूस ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है।

जगह-जगह उठता रहा धुआं : चश्मदीदों के मुताबिक शनिवार रात हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से समूचे कीव में धुआं उठता दिखा। एपी के पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में स्थित इमारतों और सरकारी भवनों के पास जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। रविवार सुबह तक हमला जारी था तथा कीव पर और अधिक मिसाइल एवं ड्रोन से हमले की आशंका है। कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में आवासीय भवनों सहित कई जगहों पर नुकसान हुआ है।

पांच मंजिला इमारत पर हमला : यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में पांच मंजिला आवासीय इमारत पर हमला हुआ। इससे उसमें आग लग गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई। महापौर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत पर हमला हुआ जिसमें लोग शरण लिए हुए थे। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कीव में सुपरमार्केट और गोदामों को भी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के गवर्नर मायकोला कलाश्निक के अनुसार, कीव क्षेत्र में कई समुदायों को नुकसान पहुंचा है।

रूस ने क्या कहा : रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की कि उसने 'ओरेश्निक' सहित अन्य मिसाइल प्रणालियों का उपयोग करते हुए यूक्रेन के सैन्य कमान और नियंत्रण केंद्रों, वायुसेना अड्डों और सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमले किए। हालांकि, मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ये लक्ष्य कहां स्थित थे। मंत्रालय ने यह भी कहाकि यह हमला रूसी क्षेत्र में नागरिक केंद्रों पर यूक्रेन के हमलों के जवाब में किया गया। हालांकि, उसने तुरंत कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को रूस के कब्जे वाले पूर्वी यूक्रेन में एक कॉलेज के छात्रावास पर ड्रोन हमले की निंदा की। रूस ने इन हमलों के लिए यूक्रेन पर आरोप लगाया है। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सेवा ने शनिवार देर रात बताया कि स्टारोबिलस्क में हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इसमें कहा गया है कि गत रात हुए हमले में 42 अन्य लोग घायल हुए थे। क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) द्वारा नियुक्त लुहांस्क क्षेत्र के अधिकारियों ने पीड़ितों के सम्मान में रविवार और सोमवार को दो दिन के शोक की घोषणा की। यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों ने युद्ध के शुरुआती दिनों से ही रूस पर नियमित रूप से नागरिकों और महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। क्रेमलिन इन आरोपों से इनकार करता है।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान से प्रणय वर्मा की मुलाकात

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को मजबूत बनाने की दिशा में एक और अहम कदम सामने आया है। बांग्लादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने रविवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत, बांग्लादेश के साथ अपने बहुआयामी संबंधों को और गहरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ढाका में हुई इस विदाई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग के कई संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। तारिक रहमान ने प्रणय वर्मा के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। भारत सरकार ने प्रणय वर्मा को अब बेल्जियम और यूरोपीय संघ में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है।

बैठक में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भी मौजूद रहे। प्रणय वर्मा ने सितंबर 2022 में ढाका में भारतीय उच्चायुक्त का पद संभाला था। अब उनकी जगह पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश भेजा जा रहा है। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश हाल के तनावपूर्ण दौर के बाद रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

ईरान से समझौता मंजूरी में लग सकते हैं कुछ दिन : रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस का मानना है कि ईरान की लीडरशिप से इस समझौते को मंजूरी मिलने में कुछ दिन लग सकते हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि अभी बातचीत पूरी तरह फाइनल नहीं हुई है और यह डील टूट भी सकती है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह बात कही गई। सि्न्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह संभावित समझौता लंबे समय तक शांति बनाए रखने वाला कोई पक्का समझौता बनेगा या नहीं, और क्या इसमें अमेरिका की परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी मांगों का भी हल निकलेगा। रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने प्रतिनिधियों से कहा है कि वे 'जल्दबाजी में कोई समझौता न करें', क्योंकि 'समय हमारे पक्ष में है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'दोनों पक्षों को समय लेना चाहिए और सही तरीके से फैसला करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की पाबंदी तब तक पूरी तरह लागू रहेगी, जब तक कोई समझौता तय होकर उस पर आधिकारिक मंजूरी और हस्ताक्षर नहीं हो जाते। रविवार को ही ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही बातचीत का बचाव करते हुए ओबामा सरकार के समय हुए परमाणु समझौते की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा बातचीत ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकेगी। 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 2015 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय हुआ ईरान परमाणु समझौता यह बयान ऐसे समय आया जब ट्रंप ने कहा कि ईरान और कई मध्य-पूर्वी देशों के बीच एक बड़ा क्षेत्रीय समझौता लगभग तैयार हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं से बातचीत की है।

कांगो में इबोला का कहर तेज: 900 के पार पहुंचे संदिग्ध मामले, दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है ये वायरस?

किंशासा, एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में इबोला वायरस का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। देश के पूर्वी हिस्से में फैले संक्रमण ने अब गंभीर रूप ले लिया है। कांगो सरकार के मुताबिक संदिग्ध इबोला मामलों की संख्या 900 के पार पहुंच गई है। लगातार बढ़ते संक्रमण और मौतों ने स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस प्रकोप को कांगो के लिए बहुत बड़ा खतरा बताया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर संक्रमण फैलने का जोखिम अभी कम माना गया है। इस बीच भारत सरकार ने भी अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने की सलाह दी है। कांगो में इबोला का प्रकोप कितना गंभीर हो गया है? कांगो के संचार मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक 904 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 119 संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। इससे पहले 700 से ज्यादा मामलों और 170 से अधिक मौतों की जानकारी दी गई थी। संक्रमण का सबसे ज्यादा असर इतुरी प्रांत में देखा जा रहा है। स्वास्थ्य एजेंसियों का कहना है कि मौजूदा प्रकोप के लिए बंडिबुग्यो स्ट्रेन जिम्मेदार माना जा रहा है। यह इबोला का खतरनाक प्रकार है और फिलहाल इसके लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन या खास दवा उपलब्ध नहीं है। इसी वजह से हालात को बेहद गंभीर माना जा रहा है। दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है इबोला कांगो में तेजी से बढ़ते इबोला मामलों ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते संक्रमण नहीं रोका गया तो यह दूसरे देशों तक फैल सकता है। बंडिबुग्यो स्ट्रेन के खिलाफ अभी कोई प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। कई देशों ने अफ्रीकी देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इबोला ने फिर दिखाया कि संक्रामक बीमारियां तेजी से वैश्विक खतरा बन सकती हैं।

भारतीयों के लिए क्या एडवाइजरी जारी की गई है : भारत सरकार ने कांगो, युगांडा और आसपास के देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है कि दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों में भी संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में भारतीय नागरिकों को इन देशों की यात्रा टालने की सलाह दी गई है। जो भारतीय फिलहाल इन देशों में रह रहे हैं, उन्हें स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। सरकार ने लोगों से अतिरिक्त सावधानी बरतने और भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने की अपील की है। भारत में अब तक इबोला का कितना असर देखा गया? भारत में अब तक इबोला का सिर्फ एक मामला सामने आया है। साल 2014 में पश्चिम अफ्रीका में फैले इबोला संक्रमण के दौरान लाइबेरिया से लौटे 26 वर्षीय भारतीय नागरिक में यह वायरस पाया गया था। एयरपोर्ट स्क्रीनिंग के दौरान उसकी पहचान हुई थी। बाद में उसे आइसोलेट कर सफलतापूर्वक इलाज किया गया और संक्रमण को फैलने से रोक लिया गया। इसके बाद भारत में इबोला का कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया। फिलहाल भारत में इबोला संक्रमण का कोई सक्रिय मामला दर्ज नहीं है। इबोला एक बेहद खतरनाक और कई बार जानलेवा वायरस है। यह संक्रमित जानवरों से इंसानों में फैलता है और फिर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से तेजी से दूसरे लोगों तक पहुंच सकता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी, शरीर में दर्द और आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं।

मंगल के बेहद करीब पहुंचा नासा का यान, लाल ग्रह की भेजीं हैरान करने वाली तस्वीरें

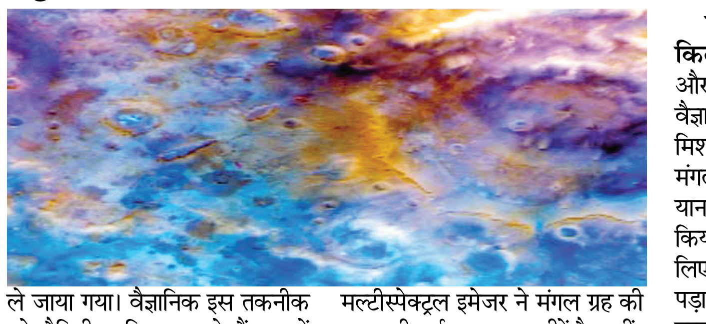

वॉशिंगटन, एजेंसी। नासा का साइक अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह के बेहद करीब से गुजरते हुए बड़ी वैज्ञानिक सफलता हासिल करने में कामयाब रहा है। इस यान ने लाल ग्रह की बेहद साफ और दुर्लभ तस्वीरें पृथ्वी पर भेजी हैं। 15 मई को हुए इस हाई-स्पीड फ्लाईबाय के दौरान यान मंगल की सतह से सिर्फ 4,609 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह मिशन सिर्फ तस्वीरें लेने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका मकसद अंतरिक्ष यान की रफ्तार बढ़ाना और उसकी दिशा बदलना भी था। इस उपलब्धि को नासा के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक दोनों नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है।

आखिर मंगल के इतने करीब क्यों पहुंचा था यान : नासा के अनुसार साइक मिशन के तहत अंतरिक्ष यान को मंगल के गुरुत्वाकर्षण का फायदा देने के लिए उसके बेहद करीब ले जाया गया। वैज्ञानिक इस तकनीक को ग्रैविटी असिस्ट कहते हैं। इसमें किसी ग्रह की गुरुत्वाकर्षण शक्ति का इस्तेमाल कर यान को अतिरिक्त गति दी जाती है। इससे यान को अपने इंजन से कम ईंधन खर्च करना पड़ता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तकनीक की मदद से अंतरिक्ष मिशनों को लंबी दूरी तक अधिक प्रभावी तरीके से भेजा जा सकता है।

यान ने कौन-कौन सी तस्वीरें भेजीं : फ्लाईबाय के दौरान यान में लगे मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर ने मंगल ग्रह की सतह की कई शानदार तस्वीरें कैद कीं। इनमें मंगल के दक्षिणी उच्चभूमि क्षेत्र और विशाल डबल-रिंग ह्यूजेंस क्रेटर की तस्वीरें सबसे खास मानी जा रही हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक ह्यूजेंस क्रेटर का व्यास करीब 470 किलोमीटर है। तस्वीरों में मंगल की प्राचीन और गड्ढों से भरी सतह बेहद स्पष्ट दिखाई दे रही है। इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को लाल ग्रह के भूगर्भीय इतिहास को समझने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मिशन के लिए यह फ्लाईबाय कितना अहम माना जा रहा है : नासा और जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों के अनुसार यह फ्लाईबाय पूरे मिशन का बेहद महत्वपूर्ण चरण था। मंगल के गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल कर यान की दिशा को सही मार्ग पर स्थापित किया गया। खास बात यह रही कि इसके लिए अतिरिक्त ईंधन खर्च नहीं करना पड़ा। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह की तकनीक भविष्य के गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

अंतरिक्ष अनुसंधान में क्यों महत्वपूर्ण है यह उपलब्धि : विशेषज्ञों के मुताबिक साइक मिशन अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मंगल के करीब पहुंचकर इतनी स्पष्ट तस्वीरें लेना और साथ ही यान की गति बढ़ाना दोनों बड़ी सफलता हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है।

भारतीयों शादियों से कमाना चाह रहा नेपाल, पूर्व वित्त मंत्री ने सोने के गहनों पर टैक्स हटाने की मांग की

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे ने भारत से आने वाले पर्यटकों को लेकर बड़ा सुझाव दिया है। उन्होंने नेपाल सरकार से मांग की कि भारतीय नागरिकों के सोने के गहनों पर लगने वाला टैक्स खत्म किया जाए। पांडे का कहना है कि अगर सरकार यह कदम उठाती है तो नेपाल को शादी समारोहों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े देशों से आने वाले पर्यटकों के जरिए नेपाल अपनी पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे सकता है। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन पहले से ही बड़ी भूमिका निभाता है और विदेशी मुद्रा कमाने का यह अहम जरिया माना जाता है।

भारतीय पर्यटकों को लेकर सुरेंद्र पांडे ने क्या सुझाव दिया : काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में सुरेंद्र पांडे ने कहा कि नेपाल सरकार को बाजार को ज्यादा आजादी देनी चाहिए और जरूरत से ज्यादा नियम-कानून लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सख्त नियमों से अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती। पांडे ने खास तौर पर भारतीय नागरिकों का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाल को शादी डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने की बड़ी संभावना है। लेकिन इसके लिए भारतीय मेहमानों द्वारा पहने जाने वाले सोने के गहनों पर टैक्स में राहत देना जरूरी होगा। उनका मानना है कि इससे भारतीय परिवार नेपाल में शादी समारोह आयोजित करने के लिए ज्यादा आकर्षित होंगे। नेपाल में सोने के गहनों को लेकर क्या नियम हैं फिलहाल नेपाल में हवाई मार्ग से आने वाले विदेशी यात्रियों को 50 ग्राम तक सोने के गहने और 100 ग्राम तक चांदी के गहने बिना कस्टम ड्यूटी के लाने की अनुमति है। हालांकि यह शर्त होती है कि यात्रा पूरी होने के बाद उन्हें वापस ले जाया जाए। भारतीय दूतावास के मुताबिक यह छूट सिर्फ निजी इस्तेमाल के लिए लागू होती है। सुरेंद्र पांडे का कहना है कि अगर भारतीय पर्यटकों के लिए नियम और आसान किए जाएं तो नेपाल को पर्यटन के क्षेत्र में बड़ा फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन से रोजगार और कारोबार दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन बढ़ाने के लिए और क्या सुझाव दिए गए : नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र पांडे ने सरकार को भारत और चीन से आने वाले पर्यटकों के लिए बड़े पर्यटन पैकेज तैयार करने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि नेपाल को दोनों देशों के करोड़ों लोगों को ध्यान में रखकर अपनी पर्यटन रणनीति बनानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय वाहनों के नेपाल में प्रवेश को आसान और बिना परेशानी वाला बनाने की मांग की। उनका कहना है कि अगर सीमा पर प्रक्रियाएं सरल होंगी तो ज्यादा भारतीय पर्यटक नेपाल पहुंचेंगे। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन सबसे अहम क्षेत्रों में से एक माना जाता है। पहाड़, धार्मिक स्थल, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की वजह से बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचते हैं।

केमिकल टैंक में ब्लास्ट का खतरा: 50 हजार से ज्यादा लोगों का विस्थापन, जहरीली गैस के खौफ से सहमा कैलिफोर्निया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक बड़ा हादसा रोकने के लिए अधिकारी दिन-रात एक कर रहे हैं। यहां एक फैक्ट्री में केमिकल का टैंक खराब हो गया है। इस टैंक से खतरनाक गैस निकल रही है, जिसके डर से हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर जाना पड़ा है। गार्डन ग्रोव शहर की जीकेएन एयरोस्पेस फैक्ट्री के एक टैंक में करीब 22,713 से 26,498 लीटर 'मिथाइल मेथाक्राइलेट' नाम का केमिकल भरा है। पिछले हफ्ते यह टैंक अचानक बहुत ज्यादा गर्म हो गया और इससे जहरीली गैस हवा में फैलने लगी। अधिकारियों का कहना है कि अगर टैंक का तापमान कम नहीं हुआ, तो या तो सारा केमिकल बाहर बह जाएगा या फिर टैंक बम की तरह फट जाएगा। इस वीकेंड पर सुरक्षा के लिए 50,000 से ज्यादा लोगों को इलाका खाली करने को कहा गया है। अच्छी बात यह है कि अभी तक कोई घायल नहीं हुआ है। दमकलकर्मी टैंक पर लगातार पानी डालकर उसे ठंडा कर रहे हैं।

क्यों खतरनाक है यह केमिकल : यह केमिकल एक ऐसा लिक्विड है जिसमें आसानी से आग लग जाती है और इसका कोई रंग नहीं होता। इसका इस्तेमाल प्लास्टिक और नकली दांत बनाने में होता है। सरकार ने इसे बेहद खतरनाक माना है। पर्यावरण एजेंसी ईपीए के मुताबिक, इसकी गैस से आंख, नाक और फेफड़ों में तेज जलन होती है। ज्यादा मात्रा में यह गैस शरीर में जाए तो चक्कर आने लगते हैं, याददाश्त पर असर पड़ता है और सांस लेने में दिक्कत होती है। हालांकि, राहत की बात है कि अभी हवा में प्रदूषण का स्तर सामान्य है।

टैंक में क्या खराबी आई है : इस मुसीबत की वजह यह है कि टैंक का ड्रेनेज वाल्व यानी केमिकल निकालने वाला रास्ता खराब हो गया है। अगर इसे ठीक नहीं किया गया, तो बड़ा केमिकल स्पिल होगा या फिर धमाका हो जाएगा। दमकल विभाग टैंक के तापमान को 29.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने में जुटा है ताकि अंदर दबाव न बने। ईपीए चीफ ली जेल्डिन ने कहा कि सबसे सुरक्षित तरीका यह है कि केमिकल को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खुद ही बाहर निकलने दिया जाए, ताकि अधिकारी उसे काबू में कर सकें।

अगर धमाका हुआ तो क्या होगा : अगर टैंक का तापमान बढ़ा, तो अंदर का लिक्विड केमिकल गैस बन जाएगा। गैस बनने से दबाव बढ़ेगा और टैंक फट सकता है। इससे आसपास के दूसरे टैंकों में भी आग लग सकती है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रेजिना ने बताया कि धमाका होने पर यह जहरीली गैस दूर-दूर तक फैल जाएगी। इससे लोगों के गले में खराश, आंखों में जलन और चक्कर आने जैसी समस्याएं होंगी। डिजनीलैंड के दो पार्क इस खतरे के दायरे से बाहर हैं, इसलिए वहां के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि टैंक में एक हल्की दरार दिख रही है। केमिस्ट्री के प्रोफेसर एलियास पिकाजो ने बताया कि यह दरार एक तरह से अच्छी है, क्योंकि इससे थोड़ी-थोड़ी गैस बाहर निकल जाएगी और अंदर का दबाव कम होगा। इससे अधिकारियों को अंदर के केमिकल को ठंडा करके जमाने का समय मिल जाएगा।

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर प्रॉब्लम है लेकिन ये सच नहीं है। डायबिटीज के कारण नर्व और ब्लड वैसल्स डैमेज हो जाती हैं और यदि न्यूरोपैथी विकार विकसित हो जाएं तो आपके पैरों को भी नुकसान पहुंचता हैं ऐसे में जरूरी है कि डायबिटीक मरीज समय रहते पैरों की देखभाल करें। जानिए, डायबिटीज मरीज कैसे पैरों को स्वस्थ रख सकते हैं

डाटबिटीज है तो पैरों का रखें खास ख्याल

आरामदायक फुटवियर

सबसे पहले तो मरीजों को आरामदायक फुटिवयर्स पहनने चाहिए। जूते हो या स्लीपर्स ओवरफीटिंग नहीं होनी चाहिए। कई बार जूते हल्के से टाइट होते हैं तो लोग उनके ढीले होने का इंतजार करते हैं. लेकिन डायबिटीज मरीज ये गलती ना करें।

आप पैरों को नमक या डिटोल के पानी में डालकर कुछ देर पर भिगोकर रखें या फिर आप हल्के गुनगुने पानी में पैरों को 20 मिनट तक डूबोकर रख सकते हैं। इसके बाद हल्के हाथों से पैरों की स्क्रबिंग करें। इससे डेड सेल्स भी खत्म होंगे और त्वचा नरम होगी। स्क्रबिंग के बाद पैरों की ऑयलिंग करें। यदि आप तेल का इस्तेमाल नहीं करना चाहते तो मॉश्चराइजर लगाएं। पैरों की नमी बरकरार रखने के लिए आप दिन में कई बार मॉश्चराइजर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पैरों की देखरेख

रोजाना पैरों को चैक करें। आप चाहे तो पैरों को चैक करने के लिए शीशे का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। आप रोजाना चैक करें कि पैरों में कोई दरार या स्क्रैच या चोट तो नहीं पैरों को दबा-दबा कर देखें कहीं कोई दर्द तो नहीं। इससे आप समय रहते पैरों की होने वाली समस्या से बच सकते हैं. यदि पैरों में कोई प्रॉब्लम है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और समय रहते इलाज करवाएं।

डायबिटीज के कारण डायबिटीक न्यूरोपैथी (मधुमेह स्नायुरोग) विकार हो जाता है जिसमें पैर सुन्न हो जाते हैं. ऐसे में पैरों पर कोई दरार पड़ती है या कट लगता है तो मरीज को उसके बारे में समय रहते नहीं पता चलता।

विशेषज्ञों का कहना है कि सबसे पहले तो आपको ये पता होना चाहिए कि डायबिटीज मरीजों को पैरों की देखभाल क्यों करनी चाहिए? उनके मुताबिक, डायबिटीज के कारण जब नर्व डैमेज होती हैं तो पैरों पर उसका बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

एक अन्य विशेषज्ञ के मुताबिक, डायबिटीज होने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं हो पाता. नतीजन, इलाज के दौरान मरीज को यदि कोई ड्रग या दवाएं दी जाएं तो उनका असर भी कम हो जाता है. ऐसे में जरूरी है कि पैरों की देखभाल समय रहते कर लें। इतना ही नहीं, पैरों से जुड़ी कोई भी समस्या यदि ब्लड वैसल्स के संपर्क में जाए तो इस प्रॉब्लम को नियंत्रित करना और भी ज्यादा मुश्किल हो जाता है। मरीज को यदि कोई इंफेक्शन हो गया या फिर कोई इंजरी हुई है तो उसको आसानी से पता नहीं चल पाता। कई बार पैरों में समस्या इतनी बढ़ जाती है कि पैर काटने तक की नौबत आ सकती है।

एसएसओ का फंडा अपनाएं

अगर डायबिटीज मरीज एसएसओ फंडा अपनाएंगे तो पैर स्वस्थ रहेंगे और सेल्स डैड नहीं होंगे। साथ ही ना तो दरार पड़ेंगी और ना ही इंफेक्शन होने का डर होगा. एसएसओ यानी सोख, स्क्रबिंग और ऑयलिंग।

कई बार चलते हुए पैर में मोच आ जाती है या बैलेंस बिगड़ जाता है तब भी डायबिटीज मरीजों को किसी चोट का अहसास तक नहीं होता. यदि मोच आ भी गई तो कितना दर्द है या कितनी तेज पैर में लगी है इसका भी उन्हें अहसास नहीं हो पाता।

कई बार नए फुटिवयर्स पहनने से पैरों में छाले पड़ जाते हैं या दर्द होने लगता है. ऐसी स्थिति में अपने फुटिवयर्स तुरंत बदल लें। फुटवयर्स खरीदते समय ध्यान रखें कि अंदर का सोल नरम होना चाहिए और नीचे का हिस्सा हाड. 'इससे पैरों की अच्छी तरह से देखभाल होगी।

ब्रेन सेल्स बचानी हैं तो करें चीनी कम

-ज्यादा मिठास मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट कर व्यवहार और याद्दाश्त पर बुरा असर डालती है

-50 ग्राम यानी 12 चम्मच से अधिक चीनी का इस्तेमाल मस्तिष्क की कार्यपण्राली को प्रभावित करता है

नई दिल्ली। ज्यादा चीनी खाने से मोटापा बढ़ने की बात तो आमतौर पर सभी जानते हैं, लेकिन हाल ही में हुए एक अध्ययन में पता चला है कि चीनी की ज्यादा मात्रा मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट कर याद्दाश्त को भी बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा हाल ही में किये गये अनुसंधान में यह पता चला है कि चीनी की अत्यधिक मात्रा मस्तिष्क को प्रभावित करती है और तनाव बढ़ाती है। इसमें कहा गया है कि 50 ग्राम अर्थात 12 चम्मच से अधिक चीनी मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है और इसकी कार्यपण्राली को

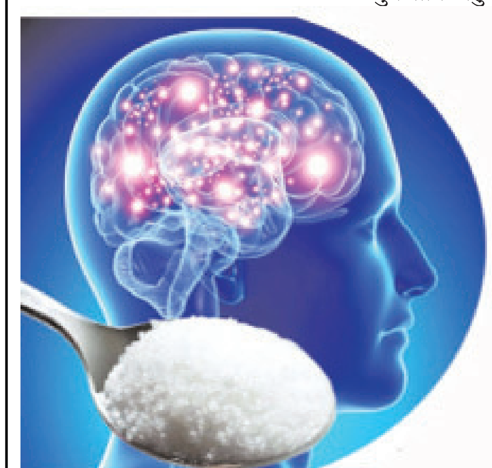

...त करती है जिससे आगे चल कर ...द्दश्त में भी कमी आने का खतरा है। ...विविद्यालय के अनुसंधानकर्ता जयंती ...मनियम और मार्गेट मोरिस ने कहा, ''हम सब जानते हैं कि नींबू पानी और कोला जैसे मीठे पेय पदार्थ न सिर्फ कमर और दांत के लिए नुकसानदेह होता है लेकिन नवीनतम अनुसंधान में यह पता चला है कि चीनी दिमाग के उस हिस्से पर असर डालती है जो व्यवहार और याददाश्त के लिए जिम्मेदार है।'अनुसंधानकर्ता ...15 दिनों से अधिक समय तक चूहों के ...समूहों पर किये गये परीक्षण के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। अपने शोध के लिए वैज्ञानिकों ने चूहों के तीन समूह बनाए। पहले समूह के चूहों को नौ दिनों के लिए अलग थलग रखा गया। दूसरे समूह के चूहों को चीनी खिलाई गयी जबकि तीसरे समूह के चूहों को स्वतां छोड़ दिया गया। वैज्ञानिकों ने 15 दिनों के बाद पाया कि स्वतां छोडे गए चूहों का समूह बाकी अन्य दो समूहों के मुकाबले अधिक स्वस्थ था। इसके बाद अलग रखे गए चूहे और चीनी खानेवाले चूहों के दिमाग की बारीकी से जांच की गयी तो वैज्ञानिकों ने पाया कि दोनों समूहों के चूहों के मस्तिष्क को काफी नुकसान पहुंचा है। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि अत्याधिक चीनी के सेवन से न्यूरोन्स के विकास के लिए जिम्मेदार न्यूरोड वन जीन प्रभावित होते हैं, जो आगे चल कर अवसाद, तनाव और मूड स्विंग जैसी बीमारियों का कारण बन सकते हैं।' अनुसंधानकर्ताओं ने युवाओं को अपनी खानपान की आदतों में बदलाव करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

पहला-'बन्धु... उस दिन अपना सामना जीते-जागते शेर से हो गया और मेरे पास कोई हथियार भी न था।

दूसरा-'ओह! फिर तुमने क्या किया?'

पहला-'मैं कर ही क्या सकता था? पहले तो मैंने उसकी आंख की पुतलियों को देखा मगर वह मुझे देखकर गुर्राता रहा, फिर मैंने गर्दन मरोड डालने की घमकी दी, मगर फिर मुझे पता लगा कि अगर मैंने उसकी गर्दन पकड भी ली तो मेरा खतरा टलेगा नहीं, और बढ़ जायेगा। लेकिन वह मुझे घूरता रहा...घूरता रहा...।' फिर तुमने उससे छुटकारा किस प्रकार पाया? 'मैंने उसकी तरफ से मुंह फेर लिया और दूसरे पिंजरों की तरफ बढ़ गया।'

□ □ □

कमला खाना बना रही थी। मांगीलाल अखबार पढ रहा था। वह जोर-जोर से खबर पढने लगा- प्रधानमंत्री ने कहा है कि मिलावट करने वालों के प्रति कडी कार्यवाही की जाएगी।

यह सुनते ही कमला बोली, मैंने तो आलू-मटर-गोभी की सब्जी बनाई है। किसी से कहना मत कि मैंने मिलावट की है।

काकुरो पहेली 4066

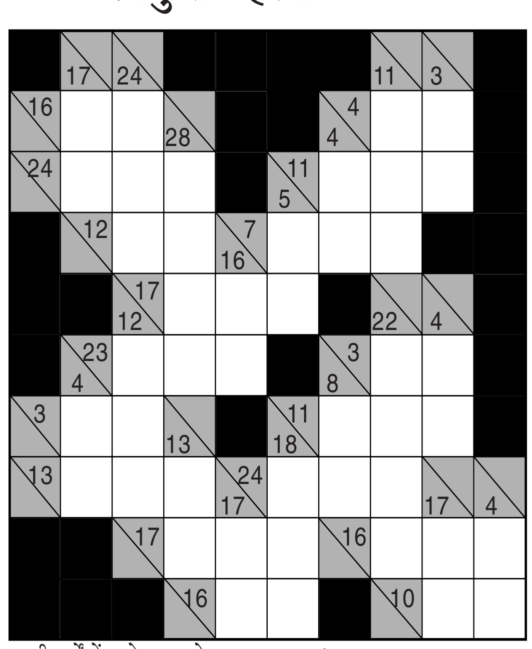

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

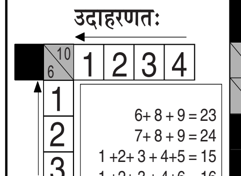

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -4065 का हल

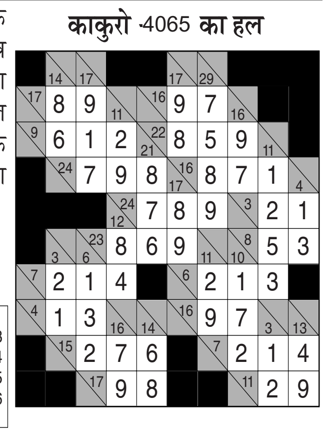

फिल्म वर्ग पहेली- 4066

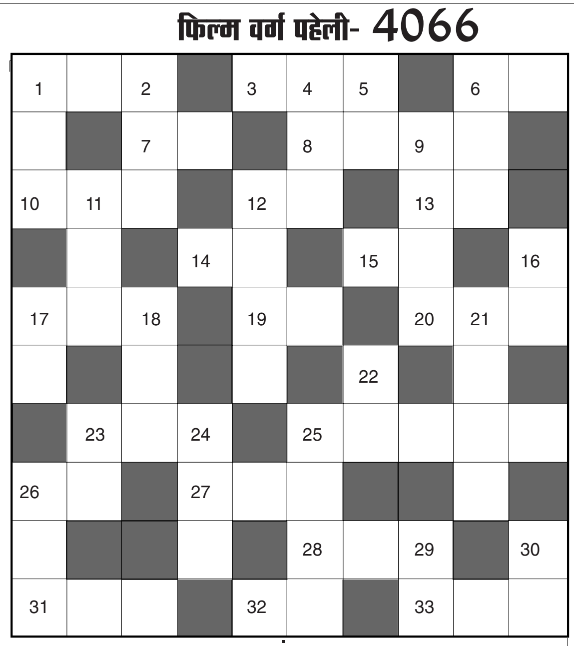

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4065

चा	ल	बा	ज	■	चा	ला	क	■	जा
ह	■	रि	■	आ	ह	■	र्ज	■	ल
त	ला	श	■	र	त	न	■	प्या	सा
■	वा	■	रा	जू	■	ज	ख्म	■	ज
रा	■	तु	म	■	जो	र	■	ना	■
म	स्ती	■	क	ह	र	■	अ	स्ति	त्व
अ	■	जीं	स	■	दा	वा	■	क	■
व	क्त	■	म	द	र	■	दा	■	अं
ता	■	हे	■	र्द	■	फि	दा	■	जा
र	ह	मा	न	■	रो	जा	■	धू	म

सूडोकु -4066

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4065 हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 4066

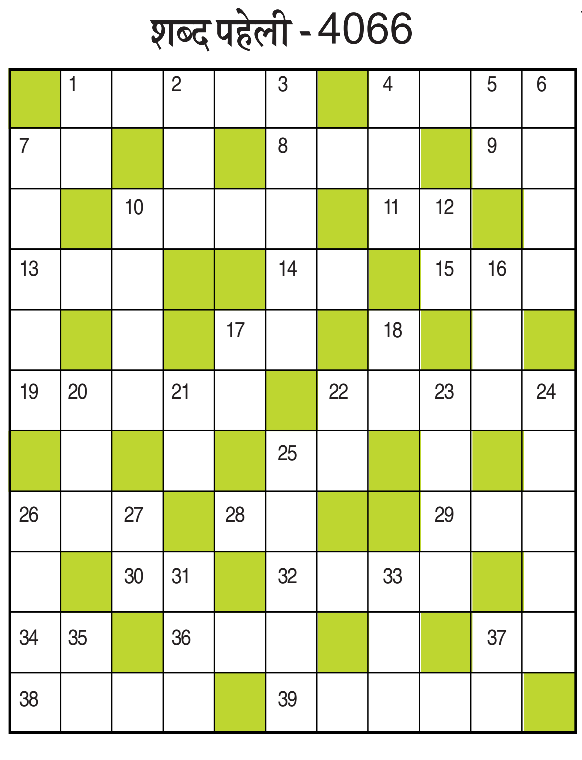

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली 4065 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	■	मा	न	व	ता
त	न	■	ल	■	ल	म्बा	ई	■	श	र
रा	■	आ	क	र्ष	क	■	न	स	■	को
धि	क्का	र	ना	■	■	अ	■	च	प	ल
का	■	क्ष	■	भा	गी	दा	र	■	र	■
र	म	ण	यो	ग्य	■	व	ज	न	दा	र
■	ह	■	ग	फ	ल	त	■	म	■	ह
द	ल	ना	■	ल	■	■	य	की	न	न
श	■	का	व्य	■	त	न	म	न	■	स
ह	रा	■	स	ला	मी	■	रा	■	रा	ह
रा	ह	ज	न	■	ज	हा	ज	चा	ल	न

मुरादाबाद में टेक आफ से ठीक पहले उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के विमान के इंजन में आई गड़बड़ी, सड़क मार्ग से लखनऊ के लिए हुए रवाना

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के थाना मूंढापांडे क्षेत्र स्थित हवाई अड्डे पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के राजकीय विमान के इंजन गड़बड़ी आने और इंजन से धुआं निकलने के बाद पायलट ने सूझबूझ से उन्हें और उनके स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।इसके बाद उपमुख्यमंत्री पाठक सड़क मार्ग से लखनऊ के लिए रवाना हो गए। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मुरादाबाद दौरे पर पहुंचे थे। वे संभल और अमरोहा के कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद वह राजकीय विमान से लखनऊ जाने के लिए संभल से मुरादाबाद में मूंढापांडे स्थित हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। उपमुख्यमंत्री को एयरपोर्ट से यूपी सरकार के बी-200 विमान से लखनऊ जाना था। विमान में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उनका स्टाफ व सुरक्षाकर्मी सवार हो गए थे। टेक ऑफ से ठीक पहले विमान के इंजन में खराबी आ गयी। जानकारी के अनुसार विमान रनवे पर अचानक उसके एक इंजन ने काम करना बंद कर दिया और उसमें से धुआं निकलने लगा। यह देखकर एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। तुरंत विमान को रनवे पर ही रोक दिया गया और एयरपोर्ट पर तैनात कर्मियों ने उपमुख्यमंत्री व उनके स्टाफ को तत्काल सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना से मुरादाबाद एयरपोर्ट से लेकर लखनऊ तक हड़कंप मच गया।

जम्मू में रिश्वत लेने के आरोप में कनिष्ठ सहायक गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू में एक कनिष्ठ सहायक को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपित मोहम्मद उस्मान जम्मू में नारवाल एरिया के पीएचई मैकेनिकल अर्बन सर्कल में अधीक्षण अभियंता कार्यालय में कार्यरत था। सीबीआई ने 24 मई को शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपित ने शिकायतकर्ता से पेंशन मामले की फाइल प्रक्रिया और मंजूरी के लिए चार हजार पांच सौ रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोपित ने कथित रिश्वत राशि प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप पर क्यूआर कोड भी साझा किया था। एजेंसी ने उसी दिन जाल बिछाकर आरोपित को शिकायतकर्ता से क्यूआर कोड के माध्यम से रिश्वत राशि प्राप्त करते हुए पकड़ लिया। इसके बाद 25 मई को उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

जेईआई आतंकी फंडिंग मामले में जम्मू-कश्मीर के तीन ठिकानों पर एनआईए का छापा, अहम सबूत मिले

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (जम्मू-कश्मीर) आतंकी फंडिंग मामले की चल रही जांच के तहत श्रीनगर और शोपियन में तीन ठिकानों पर तलाशी ली। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और वित्तीय दस्तावेज जब्त किए, जिनका कश्मीर में अलगाववादी और आतंकी गतिविधियों से कथित तौर पर संबंध है। प्रवक्ता ने कहा कि श्रीनगर और शोपियन जिलों में तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक वित्तीय दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए जिनका जेईआई और जम्मू-कश्मीर में उसके विभिन्न ट्रस्टों और संगठनों की गतिविधियों से संबंध होने का संदेह है। प्रवक्ता के अनुसार एनआईए की जांच से पता चला है कि जेआई घाटी और भारत के अन्य हिस्सों में आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने और आतंकवाद को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल थी। आरोप है कि संगठन ने स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी कल्याणकारी गतिविधियों के नाम पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन जुटाया और उसे हिंसक और अलगाववादी गतिविधियों में लगाया। प्रवक्ता ने आगे कहा कि सुसंगठित कैडरों के नेटवर्क के माध्यम से यह धन हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) सहित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों तक भी पहुंचाया गया। प्रवक्ता ने कहा कि जेआई की आतंकी साजिश में कश्मीरी युवाओं को कट्टरपंथी बनाना और उन्हें नए सदस्य के रूप में भर्ती करना भी शामिल था, ताकि वे अलगाववादी गतिविधियों को अंजाम दे सकें।

सरकार ने पीएनजी कनेक्शन चुनने वाले उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए एलपीजी नियंत्रण आदेश में संशोधन को अधिसूचित किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन चुनने में सुविधा देने के लिए एलपीजी नियंत्रण आदेश में संशोधन की अधिसूचना जारी कर दी है। पीएनजी कनेक्शन वाले एलपीजी उपभोक्ताओं को अब गैर-पीएनजी क्षेत्रों में एलपीजी कनेक्शन के भविष्य में नवीनीकरण के लिए हस्तांतरण का विकल्प मिलेगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने 25 मई को लीक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति और वितरण का विनियमन) संशोधन आदेश, 2026 को अधिसूचित किया है। इस संशोधन का उद्देश्य पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कनेक्शन प्राप्त करने वाले घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को अतिरिक्त छूट और सुविधा प्रदान करना है। मंत्रालय के मुताबिक संशोधित प्रावधानों के तहत एलपीजी उपभोक्ताओं जिनके पास पीएनजी कनेक्शन भी हैं, उनके पास निम्नलिखित विकल्प होंगे। अधिसूचना के मुताबिक उपभोक्ता अब पीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने के 30 (तीस) दिनों के भीतर एलपीजी कनेक्शन को हटाने के लिए आवेदन कर सकते हैं, या उपभोक्ता अब गैर-पीएनजी क्षेत्र में एलपीजी कनेक्शन की भविष्य में बहाली के लिए ट्रांसफर वाउचर प्राप्त कर सकते हैं।

मप्र वन विभाग ने समूह से अलग होकर भटक रहे नर हाथी 'ई-5' का किया सफल रेस्क्यू

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले और दक्षिण शहडोल में जनहानि का कारण बने नर हाथी 'ई-5' को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर बांधवगढ़ भेज दिया है। इस मुहिम के साथ ही सरकार ने वन्यजीव संरक्षण के तहत हाथी हमलों में मुआवजा राशि बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में हाथियों के संरक्षण, उनकी सुरक्षा तथा मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष संवेदनशीलता दिखाई है। उनका मानना है कि हाथी जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के महत्वपूर्ण संरक्षक हैं। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप प्रदेश में हाथियों की निगरानी, संरक्षण एवं मानव-हाथी सह-अस्तित्व को लेकर लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में अनूपपुर एवं दक्षिण शहडोल वन मंडल के वन क्षेत्रों में कई

दिनों से विचरण कर रहे नर हाथी ई-5 को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का बड़ा अभियान सम्पन्न किया गया। जनसंपर्क अधिकारी के.के. जोशी ने जानकारी दी कि हाथी ई-5 के कारण हाल के दिनों में मानव-हाथी संघर्ष की अनेक घटनाएं सामने आई थीं, जिनमें जनहानि, मवेशियों की क्षति तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मकानों को नुकसान पहुंचने की घटनाएं शामिल थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक डॉ. समिता राजौरा एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति के मार्गदर्शन में दक्षिण शहडोल वन मंडल के केशवाही रेंज में व्यापक रेस्क्यू एवं ट्रांसलोकेशन ऑपरेशन प्रारंभ किया गया। मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक द्वारा हाथी सलाहकार समिति एवं वरिष्ठ फील्ड अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। इसके बाद फील्ड डायरेक्टर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व डॉ. अनुपम सहाय तथा मुख्य वन संरक्षक शहडोल महेंद्र प्रताप सिंह के संयुक्त नेतृत्व में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, दक्षिण शहडोल, उत्तर शहडोल एवं अनूपपुर वन मंडलों की संयुक्त टीमों द्वारा अभियान संचालित किया गया।

तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के 3 विधायकों ने दिया इस्तीफा, टीवीके में हुए शामिल

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में तब बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया, जब अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के तीन विधायकों ने अपने पद से इस्तीफा देकर तुरंत ही तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) का दामन थाम लिया। मदुरांतकम विधायक मरगतम कुमारवेल, पेरुंदुरई विधायक जयकुमार और धारापुरम विधायक सत्यभामा ने विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंपा। इसके बाद तीनों विधायकों ने चेन्नई सचिवालय पहुंचकर लोक निर्माण मंत्री आधव अर्जुन से मुलाकात की और औपचारिक रूप से टीवीके में शामिल हो गए। मंत्री ने उन्हें शॉल पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और उनसे कुछ देर चर्चा भी की। विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर ने तीनों विधायकों के इस्तीफे स्वीकार किए जाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस्तीफा देने के लिए विधायकों को कारण बताने की आवश्यकता नहीं होती। इस घटनाक्रम से राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। अन्नाद्रमुक पहले से ही दो गुटों में बंटी हुई है और अब इन तीन विधायकों के इस्तीफे ने पार्टी की अंदरूनी स्थिति को और जटिल बना दिया है। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि अन्नाद्रमुक के कुछ अन्य नेता, जिनमें एस.पी. वेलुमणि और सी.वी. शनमुगम के गुट से जुड़े नेता शामिल हैं, पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी के साथ पुनः एकजुटता को लेकर बातचीत कर रहे हैं। बहरहाल, इन इस्तीफों के बाद अन्नाद्रमुक के विधायकों की संख्या घटकर 44 रह गई है।

नवोन्मेषी हेल्थ टेक्नोलॉजी का वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा भारत : प्रतापराव जाधव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि भारत अब केवल स्वास्थ्य तकनीकों का उपभोक्ता नहीं बल्कि सस्ती और नवोन्मेषी हेल्थ टेक्नोलॉजी का वैश्विक केंद्र बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान और उद्योग के बीच मजबूत साझेदारी 'विकसित भारत' के लक्ष्य को गति देगी।

मानेकशॉ सेंटर में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित बायोमेडिकल इनोवेशन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय शोध और तकनीकों को उद्योगों से जोड़कर आम जनता तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने पहली बार इनोवेटर-इंडस्ट्री प्लेटफार्म लॉन्च किया और 41 सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकों को उद्योगों को ट्रांसफर किया। इनमें वैक्सीन, डायग्नोस्टिक तकनीक, मेडिकल डिवाइस और अन्य बायोमेडिकल समाधान शामिल हैं। इन तकनीकों में टायफाइड, पैराटायफाइड, जापानी इंसेफेलाइटिस, टीबी और एम

पॉक्स जैसी बीमारियों से जुड़ी वैक्सीन और जांच तकनीकें शामिल हैं।

इसके अलावा पहली बार निष्क्रिय केएफडी और चांदीपुरा वायरस के बायोमैटेरियल भी उद्योग साझेदारों को सौंपे गए, जिससे वैक्सीन निर्माण और बायोमेडिकल रिसर्च को मजबूती मिलेगी। इस मौके पर नीति आयोग के सदस्य गोबर्धन दास ने कहा कि भारत के पास स्वास्थ्य तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व करने की पूरी क्षमता है और यह पहल इनोवेशन तथा टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को नई दिशा देगी। आईसीएमआर के महानिदेशक राजीव बहल ने कहा कि ' मेडिकल इनोवेशन पेटेंट मित्रका उद्देश्य लैब में विकसित शोध को तेजी से लोगों तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान ' इंडियन बायोमेडिकल पेटेंट लैंडस्केप रिपोर्ट ' और 'टेक्नॉलजी कॉम्पेंडियम ' भी जारी किए गए। साथ ही 100 से अधिक नई तकनीकों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें डायग्नोस्टिक्स, थैरेप्यूटिक्स और मेडिकल डिवाइस शामिल रहे।

वासद-रनोली रेलखंड पर मेगा ब्लॉक, कई ट्रेनें रद्द और प्रभावित

एजेंसी

वडोदरा। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल में वासद और रनोली स्टेशनों के बीच ब्रिज नंबर 624 की अप लाइन पर री-गर्डरिंग कार्य के लिए 27 मई, बुधवार को मेगा ब्लॉक किया जाएगा। यह ब्लॉक सुबह 11:15 बजे से शाम 4:45 बजे तक कुल 5 घंटे 30 मिनट के लिए रहेगा। इसके चलते वडोदरा मंडल से चलने और गुजरने वाली कई ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ेगा।

रेलवे प्रशासन के अनुसार कुछ ट्रेनों को पूर्ण रूप से निरस्त किया गया है। इनमें 27 मई को चलने वाली ट्रेन संख्या 19036 मणिनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 19035 वडोदरा-मणिनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस तथा ट्रेन संख्या 12930 वडोदरा-वलसाड इंटरसिटी एक्सप्रेस शामिल हैं। ये तीनों ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी। इसके अलावा ट्रेन संख्या 22960 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस को आंशिक रूप से निरस्त किया गया है। यह ट्रेन अहमदाबाद स्टेशन तक ही संचालित होगी और अहमदाबाद से वडोदरा के बीच का सफर रद्द रहेगा। मेगा ब्लॉक

के कारण कुछ ट्रेनों का समय भी बदला गया है। ट्रेन संख्या 12010 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल शताब्दी एक्सप्रेस को 40 मिनट रिशेड्यूल किया गया है।

वहीं कई ट्रेनों को मार्ग में नियंत्रित (रेगुलेट) किया जाएगा। इनमें ट्रेन संख्या 16533 भगत की कोठी-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस 55 मिनट, ट्रेन संख्या 12477 जामनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस 50 मिनट तथा ट्रेन संख्या 20626 भगत की कोठी-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस 55 मिनट तक रेगुलेट रहेगी। पश्चिम रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

आईआईटी जोधपुर के वैज्ञानिकों ने परमाणु स्तर पर विकसित किए भविष्य के 'वंडर मटेरियल्स'

एजेंसी

जोधपुर। आईआईटी जोधपुर के के वैज्ञानिक मटेरियल साइंस के क्षेत्र में भविष्य की तकनीकों को नई दिशा देने वाले अत्याधुनिक शोध में जुटे हैं। संस्थान की नैनोसेंस लैब में परमाणु स्तर पर विकसित की जा रही उन्नत सामग्रियां ऊर्जा भंडारण, स्मार्ट सेंसर, सड़क सुरक्षा और अगली पीढ़ी की इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीकों में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती हैं। नैनोसेंस लैब का नेतृत्व मेटलर्जिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. प्रणय रंजन कर रहे हैं। उनकी टीम दो-आयामी (2डी) सामग्रियों पर शोध कर रही है, जो केवल कुछ परमाणुओं की मोटाई की होती हैं और जिनमें असाधारण विद्युत, प्रकाशीय एवं यांत्रिक गुण पाए जाते हैं। आईआईटी जोधपुर की यह प्रयोगशाला विशेष रूप से बोरोफीन पर अपने शोध के कारण राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में है। बोरोफीन दुनिया की सबसे हल्की और अत्यंत संभावनाशील 2डी सामग्रियों में गिनी जाती है, जिसका उपयोग हाई-परफॉर्मेंस बैटरियों, सुपरकैपेसिटर्स, गैस सेंसर और नैनो इलेक्ट्रोनिक्स में किया जा सकता है। डॉ. प्रणय रंजन ने बताया कि बोरोफीन की धात्विक प्रकृति, हल्की संरचना

और असाधारण इलेक्ट्रॉनिक गुण इसे भविष्य की ऊर्जा भंडारण तकनीकों के लिए बेहद उपयोगी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि टीम का उद्देश्य केवल वैज्ञानिक खोज तक सीमित नहीं, बल्कि इन सामग्रियों को ऐसी तकनीकों में बदलना है जो सीधे समाज और उद्योग के काम आ सकें।

लैब टू फैब मॉडल पर काम

संस्थान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शोध को प्रयोगशाला से औद्योगिक उत्पादन तक पहुंचाने की दिशा में प्रयास शामिल हैं। नैनोसेंस लैब लैब टू फैब मॉडल पर कार्य कर रही है, जिसके तहत अत्याधुनिक वैज्ञानिक खोजों को व्यावसायिक तकनीकों में बदला जा रहा है।इस दिशा में टाटा ग्रुप के न्यू मेटेरियल डिविजन के साथ रणनीतिक सहयोग स्थापित किया गया है, ताकि बोरोफीन और अन्य उन्नत 2डी सामग्रियों का बड़े स्तर पर उत्पादन किया जा सके। यह सहयोग रक्षा, ऊर्जा भंडारण और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों के लिए स्वदेशी तकनीक विकसित करने पर केंद्रित है।

बिना बिजली के चमकने वाला पेंट विकसित

नैनोसेंस लैब की एक और बड़ी उपलब्धि स्वयं चमकने वाली पेंट तकनीक है। यह पेंट दिन में सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर रात में स्वयं प्रकाश उत्सर्जित करता है। इसके लिए किसी बिजली, बैटरी या बाहरी ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं होती। इस तकनीक का उपयोग हाईवे डिवाइडर, सड़क संकेतकों, इमरजेंसी और कम ऊर्जा खपत वाले शहर आधारभूत संरचना में किया जा सकेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार यह तकनीक सड़क सुरक्षा और ऊर्जा बचत दोनों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

मप्र के खजुराहो में आयोजित 25वें काउंट डाउन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे प्रतापराव जाधव

एजेंसी

भोपाल। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के आयोजित विशेष कार्यक्रम में केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रतापराव जाधव बुधवार, 27 मई को मध्य प्रदेश के खजुराहो में आयोजित होने वाले 25वें 'काउंट डाउन' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। साथ ही उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार सहभागिता करेंगे। जनसंपर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने बताया कि इस कार्यक्रम में योग, स्वास्थ्य एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने का संदेश दिया जाएगा। यह आयोजन 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अंतर्गत संचालित 100 दिवसीय जन-जागरूकता एवं प्रसार अभियान का महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। वर्ष 2015 में प्रथम आयोजन के बाद से योग आज एक वैश्विक

जनआंदोलन के रूप में स्थापित हो चुका है। प्रदेश सरकार भी योग एवं आयुष पद्धतियों के व्यापक प्रचार-प्रसार और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। खजुराहो जैसे विश्व धरोहर स्थल पर आयोजित यह कार्यक्रम योग की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं स्वास्थ्यवर्धक परंपरा को नई ऊर्जा प्रदान करेगा तथा नागरिकों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

मप्र के धार में बनेगा भव्य सरस्वती लोक, राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जाएगी : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनाएगी और राजा भोज संस्थान की स्थापना भी की जायेगी।

उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक भोजशाला पर उच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया है, राज्य सरकार इस न्यायिक आदेश का अक्षरशः पालन कराएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव धार में जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यह हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा का अटूट प्रतीक है। यहाँ दूर-दूर से छात्र और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोज की इस पुण्य धरा (धार) में अब चहुंमुखी विकास की नई धारा बहेगी।

धार के आसपास पुरात्व विभाग से समन्वय कर सभी प्रकार के विकास कार्य किए जाएगे। उन्होंने कहा कि राजा भोज जल संरक्षण के अग्रदूत थे। उनके द्वारा निर्मित विशाल जलाशय, तालाब और जल प्रबंधन की व्यवस्थाएं आज भी उनकी अद्भुत दूरदर्शिता एवं जल नियोजन का प्रमाण हैं। धार को किसी समय तालाबों की नगरी कहा जाता था। राजा भोज ने इस शहर में जलापूर्ति के लिए यहां साढ़े 12 तालाबों का निर्माण कराया गया था और इन्हें आपस में इस तरह से जोड़ा गया था कि एक तालाब भरने पर उसका अतिरिक्त पानी दूसरे तालाब में स्वतः चला जाता था। गंगा दशहरा पर प्रदेशव्यापी जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। मुख्यमंत्री ने धार में हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने मां वाग्देवी के सम्मान में धार में भव्य सरस्वती लोक बनाए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राजा भोज की कर्मस्थली है, इसीलिए धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी। भोपाल में भी राजा भोज का संग्रहालय बनाया जा रहा है।

इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायकगण नीना विक्रम वर्मा व कालू सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने यहां 88.04 करोड़ रुपये की लागत वाले 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर जिलेवासियों को सौगात दी। इसमें 27.21 करोड़ रुपये की लागत से चंबल नदी पर लेबड़-घाटाविल्लौद मार्ग पर फोरलेन उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी शामिल है

ताइपे कैपिटल कप वर्ल्डस्किल्स टूर्नामेंट के लिए भारतीय दल रवाना, जयंत चौधरी ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। ताइवान की राजधानी ताइपे में आयोजित होने वाले ताइपे कैपिटल कप वर्ल्डस्किल्स इनविटेशनल टूर्नामेंट में भाग लेने वाला भारतीय दल ताइवान रवाना हो गया।

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने यहां से इस दल को रवाना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और आत्मविश्वास एवं अनुशासन के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी, एनएसडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुणकुमार पिल्लई और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। पांच सदस्यीय भारतीय दल इस अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक और तकनीकी कौशल प्रतियोगिता में करीब 15 देशों के प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। यह आयोजन वर्ल्डस्किल्स शंघाई से पहले एक वार्म-अप इवेंट के रूप में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य वैश्विक कौशल विकास, तकनीकी उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और कार्यबल नवाचार को बढ़ावा देना है,

साथ ही प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक प्रतिस्पर्धी अनुभव प्रदान करना है।

चौधरी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे आत्मविश्वास, अनुशासन और उत्कृष्टता के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करें और इस अवसर का उपयोग वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता मानकों से सीखने में करें। ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल तकनीकी क्षमताओं को निखारती हैं बल्कि भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूत करती हैं और युवाओं को उभरते वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया से बातचीत कर खुशी हुई। ये वैश्विक मंच केवल पदक जीतने के लिए नहीं हैं, बल्कि ऐसे अनुभवों के लिए हैं जो आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं और जीवनभर की यादें देते हैं। भारत इस प्रतियोगिता में पांच कौशल श्रेणियों में भाग लेगा। अर्जुन सुमथि विजयभास्कर मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मोहम्मद मफाज़ पूनैकन्नन रबी अहमद सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मुस्कान पेंटिंग एंड डेकोरेटिंग, मोहम्मद सिराज ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी और सुरेश कुमार गणेशन मीना डिजिटल कंस्ट्रक्शन में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। दल में इंडिया स्किल्स नेशनल प्रतियोगिता 2025-26 के स्वर्ण पदक विजेता और वाइल्डकार्ड एंट्री प्रक्रिया से चुने गए प्रतिभागी शामिल हैं। इस वर्ष की प्रतियोगिता में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन से जुड़े महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 10 कौशल श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें इंडस्ट्रियल मैकेनिक्स, आईटी नेटवर्क सिस्टम्स एडमिनिस्ट्रेशन, मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपमेंट, इंडस्ट्री 4.0, ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी और डिजिटल कंस्ट्रक्शन (बीआईएम) प्रमुख हैं।

ट्विशा शर्मा मौत मामला : रिटायर्ड जज सास को हाई कोर्ट का नोटिस, सरकार बोली-जांच में सहयोग नहीं कर रहीं

एजेंसी

भोपाल/जबलपुर। अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला अब बेहद तेजी से कानूनी और प्रशासनिक मोर्चे पर आगे बढ़ रहा है। इस मामले में तीन बड़े घटनाक्रम सामने आए हैं। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने आरोपित सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब मांगा है। वहीं, मामले की कमान संभालते ही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम दिल्ली से भोपाल के लिए रवाना हो चुकी है। जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा और राज्य सरकार की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी किया है। दरअसल, सरकार और पीड़ित परिवार ने ट्रायल कोर्ट (निचली अदालत) द्वारा गिरिबाला सिंह को दी गई अग्रिम जमानत का कड़ा विरोध करते हुए इसे निरस्त करने की मांग की है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट में साफ कहा कि आरोपित गिरिबाला सिंह पुलिस जांच में बिल्कुल भी सहयोग नहीं कर रही हैं। उन्हें कई बार नोटिस दिए गए, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुईं। दूसरी तरफ, गिरिबाला सिंह के वरिष्ठ वकील मृगेंद्र सिंह ने सरकारी दावों को गलत बताते हुए कहा कि उन्हें अभी तक याचिका से जुड़े जरूरी दस्तावेज ही प्राप्त नहीं हुए हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए थोड़ा समय दिया जाए। मृतका के पिता के वकील पीयूष सिंह ने बताया कि अदालत ने पूर्व जज को नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर यानि 27 मई तक अपना जवाब पेश करने का आदेश दिया है। इधर, भोपाल की जिला अदालत में भी गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत निरस्त करने के मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन पुलिस द्वारा केस से जुड़ा प्रतिवेदन समय पर पेश न किए जाने के कारण कोर्ट ने सुनवाई को मंगलवार तक के लिए टाल दिया है। अदालत ने स्थानीय पुलिस को कल अनिवार्य रूप से प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनुशंसा के बाद इस केस की जांच अब आधिकारिक तौर पर सीबीआई के हाथों में आ गई है। सीबीआई की एक विशेष टीम दिल्ली से भोपाल के लिए रवाना हो चुकी है। यह टीम आज शाम तक भोपाल पहुंचकर कटारा हिल्स थाना पुलिस से केस डायरी और अब तक की जांच का प्रभार अपने हाथों में लेगी।

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

आईपीएल से पंजाब किंग्स के बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगी। श्रेष्ठा को उनके एक पुराने वीडियो के लिए ट्रोल किया जा रहा था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब श्रेष्ठा ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स का मैच बारिश के कारण धुल जाने के बाद एक वीडियो बनाया था। उस वीडियो में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था, जा एक अंक दित्ता (चलिए आपको एक अंक दिया), क्योंकि बारिश के कारण मैच रद्द होने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला था, और उस समय पंजाब किंग्स की स्थिति काफी मजबूत थी। पंजाब किंग्स ने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर वन की पोजीशन हासिल की थी, लेकिन इसके बाद टीम लगातार छह मैच हार गई। इसके बाद से ही श्रेष्ठा निशाने पर आ गयीं।

सनराइजर्स और रॉयल्स के बीच आज होगी एलिमिनेटर मुकाबले में टक्कर

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

मुल्लांपुर । सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। सनराइजर्स की ताकत उसकी आक्रामक बल्लेबाजी है उसके पास अभिषेक शर्मा , ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने 563 रन, हेड ने 393 रन और ईशान किशन ने 569 रन बनाये है। इसके अलावा क्लासेन ने 606 रन बनाये हैं।

इन बल्लेबाजों को हालांकि रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और स्पिनर रवि बिश्नोई से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स ने लीग स्तर में खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करते हुए दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन कर यहां तक का सफर तय किया है जिसके उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से टीम की गेंदबाजी की परेशान भी दूर हुई है। कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर थे पर उनके आने के बाद टीम ने अंतिम सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था जिससे उसे इस मुकाबले के लिए मानसिक रुप से बढ़त मिल गयी है। वहीं रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स का प्रदर्शन लीग स्तर में उतार-चढ़ाव से भरा रहा है हालांकि टीम ने किया प्रकार से यहां तक क सफर तय कर लिया है। ऐसें में अब वह कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। टीम के पास वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। वैभव ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 397 रन बनाये हैं। ध्रुव जुरेल ने भी 458 रनों की पारी खेली है।

सनराइजर्स के आक्रामक रुख को देखते हुए रॉयल्स की टीम इस मैच में नई रणनीति से उतरेगी। टीम के कोच कुमार संगकारा का कहना है कि इस मैच में पूरी ताकत से उतरेंगी। टीम को उम्मीद रहेगी कि

आर्चर मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करें। इसके अलावानांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा से भी गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं राजस्थान के बल्लेबाजों विशेषकर वैभव पर अंकुश लगाने का प्रयास सनराइजर्स के कमिंस, ईशान मलिंगा करेंगे।

आईपीएल के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स सहित ये पांच टीमें उतर सकती हैं नये कप्तानों के साथ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसके बाद जहां शीग्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। वहीं अन्य टीमें बाहर हो गयी है। इन बाहर होने वाली टीमों में पांच टीमें ऐसी हैं जिनके कप्तानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और माना जा रहा है कि अगले सत्र में उन्हें टीम की कप्तानी नहीं मिलेगी। ये टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस। इन टीमों के साथ ही इनके कप्तानों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा नही रहा है। ऐसे में ये कप्तान टीम मालिकों के निशाने पर हैं। इससे साफ है कि अगले सत्र में ये टीमें नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। है। ऐसे में टीम को एक ऐसे कप्तान की जरुरत है जो आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करें। अक्षर में वह क्षमता नजर नहीं आती। टीम को एक ऐसे कप्तान की आवश्यकता है जो दबाव में भी शांत रहे और सही फैसले ले सके। बतौर कप्तान उनके निजी प्रदर्शन में भी गिरावट आई

है। टीम अगले सत्र मे राहुल जैसे खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। रुतुराज गायकवाड़- चेन्नई सुपर किंग्स भी पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है, और आईपीएल 2026 भी इसका अपवाद नहीं था। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम ने औसत प्रदर्शन किया। शुरुआती झटकों के बाद टीम ने वापसी तो की, लेकिन अंततः प्लेऑफ का टिकट नहीं मिला। पूरे सीजन कप्तानी के दबाव का असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर स्पष्ट रूप से दिखा, जहाँ उनका स्ट्राइक रेट 125 से भी कम रहा। टीम के पास संजू सैमसन जैसा अनुभवी कप्तान विकल्प मौजूद है, जो आईपीएल में पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। ऐसें में अगले सत्र में वह कप्तान हो सकते हैं।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली । मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है। मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई।

आईपीए 2026 ऑरेंज कैप की रेस में छाये भारतीय, पर्पल में विदेशी

मुम्बई । आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में जहां भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। वहीं पर्पल कैप की रेस में विदेश खिलाड़ी छाये हुए हैं। कैप का फैसला फाइनल मुकाबले के बाद आयेगा। वहीं कई खिलाड़ी जिनकी टीमें बाहर हो चुकी हैं, वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं पर जो खिलाड़ी अभी भी मैदान में हैं, उनके पास इतिहास रचने का मौका है।

ऑरेंज कैप की बात करें तो शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से चार भारतीय हैं। इस सूची में सबसे ऊपर साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 638 रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। उनके ठीक पीछे शुभमन गिल हैं, जिनके खाते में 616 रन दर्ज हैं, और वे भी इस रेस में प्रबल दावेदार बने हुए हैं। वहीं विदेशी बल्लेबाजों में एकमात्र खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर केएल राहुल 593 रनों के साथ स दौड़ से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

वहीं, पांचवें पायदान पर मौजूद वैभव सूर्यवंशी ने भी 583 रन बनाए हैं और वे भी अपनी टीम के लिए इस कैप को जीतने की कोशिश करेंगे। इन शीर्ष पांच के अलावा, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और विराट कोहली जैसे भारतीय धुरंधर भी शीर्ष 10 में शामिल हैं, जो दिखाते हैं कि ऑरेंज कैप पर भारतीय खिलाड़ी का ही कब्जा होना तय है।

वहीं पर्पल कैप की दौड़ में अंशुल कंबोज 21 विकेट लेकर चौथे स्थान पर थे, लेकिन उनकी टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के बाहर होने के कारण वे अब आगे नहीं जा पाएंगे। गेंदबाजों की सूची में भुवनेश्वर कुमार 24 विकेटों के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उनके साथ ही कगिसो रबाडा भी 24 विकेट लेकर संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जो यह दर्शाता है कि फाइनल मुकाबले तक यह दौड़ कितनी रोमांचक रहने वाली है। जोफ्रा आर्चर 21 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों के लिए खतरा बने हुए हैं। पांचवें स्थान पर राशिद खान हैं।, जिन्होंने 19 विकेट लिए हैं और अपनी फिरकी गेंदबाजी से कभी भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने बाद भी बाहर है पंजाब

एक दिन शीर्ष पर रही गुजरात खेल रही प्लेऑफ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में पंजाब किंग्स टीम बदकिस्मत रही और 22 दिनों तक शीर्ष पर रहने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं एक दिन ही नंबर एक पर रही गुजरात टाइटंस न केवल प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही बल्कि क्वालीफायर 1 में पहुंची। इससे अंदाज होता है कि खेल में कुछ भी तय नहीं होता आंकड़ों पर गौर करें तो, टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पंजाब ने शानदार प्रदर्शन किया था, पहले 7 में से 6 मैच जीतकर उसने रिकार्ड बनाया था। तब ऐसा लग रहा था कि वे प्लेऑफ में सबसे पहले पहुंचे पर ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद अगले 6 मैचों में टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा जिससे वह केवल 15 अंकों तक ही पहुंच पायी। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर 16 अंक हासिल कर लिए, जिससे पंजाब किंग्स प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं दूसरे ओर गुजरात टाइटन्स के प्रदर्शन में उतार चढ़ाव बना रहा। वह केवल एक दिन के लिए ही अंकतालिका में नंबर एक पर पहुंची। वहीं अन्य टीमों की बात करें तो, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसी) भी 18 दिनों तक लगाकार नंबर एक पर रही और वह सबसे पहले प्लेऑफ में पहुंची। र एक पर रही और उन्होंने भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। अंतिम समय में प्लेऑफ में जगह बनाने वाली राजस्थान रॉयल्स कुल 13 दिन अंक तालिका में शीर्ष पर रही। वहीं, 14 में से 9 मैच जीतने के बावजूद एलिमिनेटर में पहुंचने वाली सनराइजर्स हैदराबाद भी 4 दिन नंबर एक पर रही। प्लेऑ के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने क्वालीफाई किया है।यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि आईपीएल की अंक तालिका कितनी अप्रत्याशित हो सकती है। यहां शुरुआती बढ़त या लंबे समय तक शीर्ष पर रहना भी सफलता की गारंटी नहीं होता।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

मुम्बई।

एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली। वहीं दूसरे भारतीय हैं सौरव गांगुली। गांगुल ने अपनी कप्तानी के दौर में यह कारनामा किया। 11 दिसंबर 2000 को कानपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ, गांगुली ने 34 रन देकर 5 विकेट झटके।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए कुशल मेंडिस को बनाया कप्तान

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अपनी एकदिवसीय और टी20 टीम घोषित कर दी है। दोनो ही प्रारुपों के लिए टीम की कप्तानी कुशल मेंडिस को दी गयी है। नये चयन पैनल ने कहा है कि टीम को बेहतर बनाने के लिए ये बदलाव लाया गया है। मेंडिस ने पहले भी 17 एकदिवसीय मैचों में देश की कप्तानी की है पर अब उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय की भी कप्तानी दी गयी है। वहीं पहले चरित असलंका और दासुन शनाका कप्तान थे हालांकि टेस्ट टीम की कप्तानी धनंजय डिसिल्वा के पास ही रहेगी। जबकि बाएं हाथ के मध्यक्रम के बल्लेबाज कमिंदु मेंडिस को तीनों ही प्रारुपों में उपकप्तान बनाया गया है।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए घोषित टीम में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है। इसमें बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंदरा और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इसिथा विजेसुंदरा को टेस्ट टीम में शामिल किय गया है। ये दोनो ही इस दौरे से डेब्यू करेंगे। सीमित ओवरों की टीम में बल्लेबाज लसिथ क्रूसपुले को भी शामिल किया गया है। है, लसिथ ने पिछले माह न्यूजीलैंड ए टीम के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। शनाका को इस बार केवल टी20 टीम में ही शामिल किया गया है। वहीं असलंका को केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज नुवान तुषारा की टी20 टीम में वापसी हुई है। श्रीलंकाई टीम मंगलवार 26 मई को वेस्टइंडीज के दौरे पर रवाना होगी, जहां उसे दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

टीमें इस प्रकार हैं

टेस्ट टीम पथुम निसांका, लाहिरू उदारा, निशान मदुशंका, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंडु मेंडिस (उपकप्तान), सोनल दिनुशा, कुसल मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा

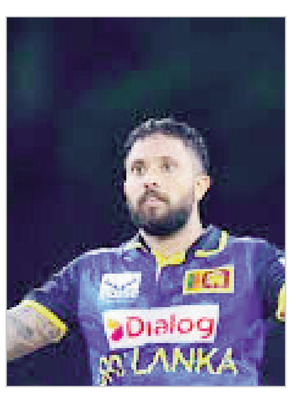

(कप्तान), मिलन रथनायके, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, इसिथा विजेसुंदरा, कसुन राजिथा।

आरसीबी को लेकर भावुक हुए यश दयाल , टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे

मुम्बई ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से पिछले सत्र में शानदार गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल इस बार निजी कारणों से टीम में नहीं है। यश का कहना है कि वह अपनी टीम को टीवी पर ही खेलते देखे रहे हैं। उन्हें इस बार लीग में नहीं खेल पाने का दुख भी है। इस दौरान इस तेज गेंदबाज ने कई भावुक बातें कही हैं जिससे साफ पता चलता है कि वे टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे हैं। यश ने आरसीबी के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें आज भी टीम की कमी खलती है। उन्होंने बताया, जब आप बाहर बैठे हो और टीवी पर मैच देखते हो, तो कभी-कभी मैं बीच में ही खड़ा हो जाता हूं। ये याद करके कि अपनी टीम है।

अनुभवी लेग-स्पिनर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास लिया

चेन्नई।

तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले 35 वर्षीय अनुभवी क्रिकेटर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अश्विन ने छह टीमों की ओर से आईपीएल में भी खेला है। अब इस लेग स्पिनर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। मुरुगन ने सोशल मीडिया पर एक बयान साझा करते हुए अपनी क्रिकेट यात्रा, तमिलनाडु क्रिकेट में अपने उभार और आईपीएल में अपने अनुभवों के बारे में भी बताया है। अश्विन ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷जब से मैंने 6 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया, तभी से मुझे इस खेल से गहरा प्यार रहा है। इसने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे वह इंसान बनाया, जो मैं आज हूं। इसने मुझे मैदान पर अपने को पूरी तरह से व्यक्त करने का मौका दिया है। अब तक का यह सफर अविश्वसनीय रहा है। मैं यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैंने अपने घरेलू क्रिकेट करियर और आईपीएल में अपनी यात्रा को समाप्त करने का फैसला किया है। हालांकि, मैं नई चुनौतियों और अवसरों की तलाश करूंगा और इस खेल को हमेशा की तरह पूरी प्रतिस्पर्धा के साथ खेलना जारी रखने के लिए उत्साहित हूं।÷ गौरतब है कि अपने आईपीएल करियर के दौरान मुरुगन ने राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली डेयरडेविल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स (किंग्स इलेवन पंजाब), मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स जैसी छह प्रमुख फ्रेंचाइजियों से खेला है। उन्होंने इस अवसर पर सभी टीमों को धन्यवाद देते हुए लिखा, ÷मैं उन सभी छह टीमों के प्रति अभारी हूं जिनका मैंने अपने आईपीएल करियर के दौरान प्रतिनिधित्व किया था।÷ अश्विन ने भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और दिग्गजों की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभवी को भी विशेष बताया। उन्होंने कहा, ÷आईपीएल में मेरे एक दशक लंबे अनुभव ने मुझे इस खेल के कुछ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर दिया है। मैंने महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों की कप्तानी में खेला है। इन अनुभवों से मुझे एक एक बेहतर क्रिकेटर बनने में सहायता मिली।

त्रिशा जॉली पिता ने पहचानी प्रतिभा, बैडमिंटन की खातिर छोड़ा शहर, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दिलाया पदक

नई दिल्ली, ।

बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह, वहां राह।' बैडमिंटन की दुनिया में सफलता के नए आयाम छूने की ऐसी ही चाहत भारत की स्टार खिलाड़ी त्रिशा जॉली की भी थी। बैडमिंटन के खेल से इस कदर लगाव हुआ कि ट्रेनिंग के लिए अपना शहर छोड़कर हैदराबाद शिफ्ट हो गईं। कड़ी मेहनत, लगन और दमदार प्रदर्शन के बूते त्रिशा आज इस खेल में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

त्रिशा का जन्म 27 मई, 2003 को केरल में हुआ। बचपन से ही त्रिशा को बैडमिंटन में खास रुचि थी। उनके पिता स्कूल में शारीरिक शिक्षक (पीटी टीचर) थे। त्रिशा की प्रतिभा और इस खेल के प्रति उनके लगाव को पिता ने ही पहचाना। पिता की देखरेख में त्रिशा इस खेल की बारीकियां सीखने लगीं।

हालांकि, **केरल में बैडमिंटन** के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसी वजह से त्रिशा ने हैदराबाद शिफ्ट होने का फैसला किया और यहां आकर उन्होंने गोपीचंद एकेडमी में दाखिला लिया। इसके बाद त्रिशा इस खेल में रमती गईं और उन्होंने धीरे-धीरे नाम कमाना शुरू कर दिया। जूनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया।

हालांकि, त्रिशा को सबसे बड़ी कामयाबी साल 2022 में हाथ लगी। बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में त्रिशा ने गायत्री गोपीचंद के साथ मिलकर महिला युगल में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में त्रिशा के खेल ने उन्हें इंटरनेशनल स्टेज पर पहचान दिलाई। इसी साल ऑल इंग्लैंड ओपन में भी गायत्री संग मिलकर त्रिशा ने शानदार प्रदर्शन किया।

त्रिशा और गायत्री की जोड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। इसके बाद साल 2024 में हुए एशिया टीम चैंपियनशिप में त्रिशा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं और उन्होंने यादगार प्रदर्शन किया। उन्होंने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट का डबल्स खिताब अपने नाम किया।

यह उनका पहला सुपर सीरीज 300

खिताब भी रहा। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा महिला युगल में विश्व रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचीं। त्रिशा से आने वाले वर्षों में देश को और पदक की उम्मीद है। कॉमनवेल्थ गेम्स में वह एक बार फिर दमदार प्रदर्शन से छाप जरूर छोड़ना चाहेंगी।

पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है। पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आवंटित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे। यह प्रक्रिया काफी सामान्य है और कई पुरस्कार विजेता अपने व्यक्तिगत शेड्यूल तथा सरकारी आवंटन के आधार पर बाद के चरणों में अपना सम्मान ग्रहण करते हैं।

सलमान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर चर्चा की

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सलमान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर और यादगार फिल्में दी हैं। अपने लगभग चार दशक लंबे करियर में सलमान ने लगभग 88 फिल्मों में काम किया है। अब सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। सुपरस्टार ने बताया कि वो किस तरह अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं।

बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन की प्रक्रिया के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। सलमान ने कहा कि मैं स्क्रिप्ट को शुरू से लेकर आखिर तक पढ़ने की बजाय, उसके भाव, ट्रीटमेंट और कमर्शियल अपील को समझना पसंद करता हूं।

बातचीत के दौरान सलमान उन महंगी घड़ियों के बारे में लगातार हो रही चर्चा पर भी बात करते नजर आए, जिन्हें वे अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों में पहने हुए देखे जाते हैं। पिछले कुछ साल में सलमान ने कई बार महंगी घड़ियां पहनकर सबका ध्यान खींचा है। इनमें से कई की कीमत कथित तौर पर 1 करोड़ रुपए से भी अधिक है। इस पर बात करते हुए अब अभिनेता ने कहा कि आप मुझे घड़ियां पहने हुए देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे घड़ियां मेरी हैं। वे मेरे दोस्त की हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे। पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसी वजह से फिल्म की रिलीज आगे बढ़ी है। फिल्म का नाम भी 'बैटल ऑफ गलवां' बदलकर अब 'मातृभूमि' हो गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का दर्शकों को अभी भी इंतजार है। इसके अलावा वो नयनतारा के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह फिल्म के अगले साल 2027 की ईद पर रिलीज की जाएगी। सलमान हाल ही में 'राजा शिवाजी' में एक कैमियो में नजर आए थे, जहां उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है।

वेधा जुनूनी और महत्वाकांक्षी किरदार, टीवी से ओटीटी तक का सफर रोमांचक

टीवी शो 'अनुपमा' में किंजल का किरदार निभाकर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री निधि शाह अब डिजिटल दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। अपनी अपकमिंग ओटीटी सीरीज में वह 'वेधा' के किरदार में नजर आएंगी, जिसे लेकर उत्साहित निधि ने बताया कि यह बेहद खास है। निधि ने कहा कि कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में उन्हें खूब मजा आया। निधि शाह ने अपने नए किरदार वेधा की तारीफ करते हुए बताया, 'वेधा बहुत जुनूनी और महत्वाकांक्षी है। वह ऐसी दुनिया में रहती है, जहां ताकत और जिंदा रहना बहुत मायने रखता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि वह अपनी पहचान बनाए रखते हुए इन चुनौतियों से कैसे निपटती है।' निधि के लिए यह डिजिटल डेब्यू काफी रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने बताया, 'डिजिटल स्पेस में यह मेरा पहला कदम है। एक्टिंग और कहानी कहने का तरीका टीवी से काफी अलग है। मुझे सच में कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में बहुत मजा आया।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि दर्शकों ने उन्हें किंजल के रूप में बहुत प्यार दिया, जिसके लिए वह शुक्रगुजार हैं लेकिन वेधा बिल्कुल अलग किरदार है। 'वह मजबूत, कई परतों वाली और उसकी कहानी बहुत अलग है। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद का नया पहलू आजमाना चाहती थी।' निधि ने टीवी और ओटीटी के काम के तरीके में अंतर भी बताया। निधि के अनुसार, टीवी पर शेड्यूल बहुत तेज होता है, जबकि ओटीटी में कलाकारों को थोड़ा धीमा होकर बारीकियों पर ध्यान देने का मौका मिलता है। कहानी कहने का तरीका ज्यादा सूक्ष्म और असली जैसा है, जिसका मैंने पूरा मजा लिया। यह अब तक का सबसे अलग किरदार रहा।' बता दें, रुपाली गांगुली के टीवी शो 'अनुपमा' में निधि शाह ने किंजल का रोल निभाया है। यह शो रूपाली गांगुली के लीड रोल वाली बेहद लोकप्रिय सीरीज है, जो बंगाली शो 'श्रीमयी' का रीमेक है। निधि के किरदार किंजल को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

रुबीना दिलैक ने नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ की

अभिनेत्री रुबीना दिलैक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महिला, मां और कामकाजी व्यक्ति के रूप में नीतू कपूर की इस यात्रा से खुद को गहराई से जोड़ पाती हैं। रुबीना ने खास बातचीत में नीतू कपूर की हिम्मत और साहस की सराहना की। उन्होंने बताया, 'मैं नीतू कपूर से पूरी तरह से खुद को जोड़ पाती हूं। बेशक, वह सुंदरता और ताकत की मिसाल हैं और हमने सालों से यह देखा है।' नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर के निधन के बाद दशकों बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। रुबीना ने इस पर

प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को ठीक इसी तरह आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को बिल्कुल इसी तरह आगे आना चाहिए, एक मिसाल कायम करनी चाहिए और उन दूसरी महिलाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए जिन्हें अभी भी इस बात का भरोसा नहीं है कि मां बनने के बाद या जीवन में आए बदलाव के बाद उन्हें काम पर वापस लौटना चाहिए या नहीं।' रुबीना ने नीतू कपूर की उस बात का भी जिक्र किया जिसमें नीतू ने कहा था कि उनकी वापसी सिर्फ काम के लिए नहीं बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि इतने सालों बाद भी कैमरे के सामने आत्मविश्वास और हिम्मत बाकी है या नहीं। रुबीना इसे बेहद प्रेरणादायक मानती हैं। रुबीना ने अपने पति अभिनव शुक्ला की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि अभिनव घर पर रहकर बच्चों की देखभाल कर रहे हैं ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। रुबीना ने कहा, 'एक पुरुष के लिए अपने ईगो को किनारे रखकर यह कहना कि 'मैं घर पर रहूंगा, तुम जाओ और अपने सपनों को पूरा करो' इसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए।

उर्वशी रौतेला ने अपनाया करियर का अलग नजरिया

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अब अपने करियर को लेकर एक अलग नजरिया अपनाया है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस समय उनके लिए सबसे जरूरी चीज दिखना या लोगों से तारीफ पाना नहीं है, बल्कि ऐसे काम करना है जिनका असली मतलब हो और जिनमें भावनाएं जुड़ी हों। आईएएनएस से बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''शुरुआत में हर कलाकार के लिए पहचान मिलना बहुत जरूरी होता है, लेकिन सिर्फ पहचान ही सब कुछ नहीं होती। अगर किसी काम में सच्चाई और भावना नहीं होगी, तो वह लंबे समय तक लोगों के दिल में नहीं रह सकता। मेरा मानना है कि असली सफलता वही है, जो समय के साथ भी बनी रहे और दर्शकों को अंदर तक छू जाए।'' उन्होंने कहा, 'अब करियर में दिखावा नहीं चाहिए। अब मैं ऐसी फिल्मों की तलाश में हूं, जो दर्शकों को कोई कोई संदेश दे और जागरुक करने का काम करें।''

बता दें कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत साल 2013 में फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। यह उनकी पहली बड़ी फिल्म थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई। इसके बाद वह कई फिल्मों में अलग-अलग किरदारों में नजर आईं। अब वह 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' को लेकर चर्चाओं में है। इस फिल्म में वह पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आएंगी।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है।'' उन्होंने कहा, ''क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है।'' उर्वशी ने कहा, ''मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे।

सस्पेंस, कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर होगी 'प्रीतम एंड पेड्रो'

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों अलग-अलग तरह की कहानियां दर्शकों को देखने को मिल रही हैं। अब एक नई सीरीज जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है, जिसका नाम है 'प्रीतम एंड पेड्रो'। इस सीरीज का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। खास बात यह है कि मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी का यह ओटीटी दुनिया में पहला बड़ा प्रोडक्शन है। टीजर में कॉमेडी के साथ रहस्य और कन्फ्यूजन का ऐसा मिश्रण दिखाया गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। टीजर की शुरुआत एक ऐसी दुनिया से होती है, जहां सब कुछ थोड़ा अलग और मजेदार नजर आता है। कहानी में दो ऐसे किरदार दिखाई देते हैं जो एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन हालात उन्हें साथ ले आते हैं। यही वजह है कि उनके बीच कई मजेदार और उलझन भरे पल देखने को मिलते हैं। जहां एक तरफ सब कुछ सामान्य दिखता है, वहीं दूसरी तरफ अचानक होने वाली घटनाएं कहानी को रहस्यमयी बना देती हैं। यही अंदाज दर्शकों को शुरुआत से आखिर तक बांधे रखता है। इस सीरीज में अरशद वारसी और वीर हिरानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में दोनों के बीच की केमिस्ट्री काफी दिलचस्प नजर आ रही है।

संघर्ष से रहा गहरा नाता, आज दमदार किरदारों संग फिल्मों से लेकर ओटीटी तक की 'क्वीन'

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी दमदार अदायगी से अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शेफाली शाह को भला कौन नहीं जानता होगा? अपने संजीदा अभिनय और मजबूत किरदारों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक आज उन्हें हर जगह दर्शक स्वीकार कर चुके हैं। शेफाली शाह आज सफलता के आसमान पर हैं। हालांकि, सफलता तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा।

बचपन के संघर्षों से लेकर इंडस्ट्री में खुद को साबित करने तक, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। संघर्षों से भरे सफर के बावजूद शेफाली ने कभी हार नहीं मानी। यही वजह है कि आज वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद और दमदार अभिनेत्रियों में शुमार हैं। 22 मई 1973 को जन्मीं शेफाली शाह बचपन से ही अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती थीं। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती थीं और शुरुआती दिनों में आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनका परिवार लंबे समय तक स्थायी घर के बिना रहा। कई बार रिश्तेदारों और परिचितों के सहारे रहने की नौबत भी आई। इन कठिन परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शेफाली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल साल 1995 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से की थी। इस फिल्म में भले ही उनका छोटा किरदार था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी। इसके बाद उन्हें फिल्म 'सत्या' में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा। उन्हें इस भूमिका ने इंडस्ट्री में पैर जमाने में मदद की। इसके बाद शेफाली शाह ने कई यादगार फिल्मों में काम किया। 'वक्त : द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी माई फादर', '15 पार्क एवेन्यू', 'दिल धड़कने दो', 'डॉक्टर जी', 'थ्री ऑफ अस' और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अंदाज के साथ पर्दे पर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। खास बात यह रही कि उन्होंने कभी खुद को किसी एक तरह की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। हालांकि, एक से बढ़कर एक किरदार के साथ कई जॉनर की फिल्मों में लंबे समय तक काम करने के बावजूद उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिली जिसकी वह हकदार थीं। इसके बाद उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया और यहीं से उनके करियर ने नई ऊंचाइयों को छूना शुरू किया। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली और इसके दूसरे सीजन को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिला। इसके अलावा, 'ह्यूमन' जैसी सीरीज में भी उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाती हैं शेफाली

आज शेफाली शाह को ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाता है। उनकी खासियत यह है कि वह हर किरदार को बेहद सहज और वास्तविक अंदाज में पर्दे पर उतारती हैं। निजी जिंदगी में भी शेफाली काफी संतुलित जीवन जीती हैं। वह फिल्म निर्देशक विपुल शाह के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन बिता रही हैं। इससे पहले उनकी शादी अभिनेता हर्ष छाया से हुई थी।

एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन टयूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडैंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. **अनुचित डाइट प्लैन:** आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।
2. **ब्रेकिगं प्वांइट:** यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।
3. **व्यायाम की सही योजना:** अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।
4. **कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण:** वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।
5. **हार्मोनल असंतुलन:** अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।